



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 2] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 10, 1981 (पौष 20, 1902)

No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 10, 1981 (PAUSA 20, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 अक्टूबर 1980

सं० ए०-३२०१४/३/७९-प्रशा०-१—संघ लोक सेवा आयोग संवर्ग में निम्नसिखित स्थानापन्न वैयक्तिक सहायकों (के० स०स्ट०से० का ग्रेड ख) को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के नामों के सामने उल्लिखित तारीखों से अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अनंतिम अस्थायी और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के०स०स्ट०से० का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्र०	नाम	अवधि
सं०		
1.	श्री जोगिन्दर सिंह	29-10-80 से 28-12-80 तक
2.	श्री आर० एल० ठाकुर	22-10-80 से 21-12-80 तक

दिनांक 31 अक्टूबर 1980

सं० ए०-३२०१४/१/८०-प्रशा०-१(ii)—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नसिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों (के०स०स्ट०से० का ग्रेड ग) को राष्ट्रपति द्वारा नीचे लिखी तारीखों से पूर्णतः अनंतिम अस्थायी और तदर्थ आधार पर उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के०स०स्ट०से० का ग्रेड ख) के पद पर नियुक्त किया जाता है :—

क्र०सं०	नाम	अवधि	अध्यक्षित
1	2	3	4
	सर्व श्री		
1.	एस० पी० मेहरा	3-11-80 से 31-12-80 तक	निजी सचिव के 4 पदों को अस्थायी रूप से पदावलत करने पर चार तिमित पदों पर।
2.	प्रो० पी० देवरा		
3.	हुकम चन्द		

1	2	3	4
4. जनिन्द्र लाल	29-10-80 से 28-12-80 तक अथवा आगामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो।	परिणामी श्रृंखला- बद्ध रिक्तियों के स्थान पर।	
5. एच० सी० कटोच	3-11-80 से 28-12-80 तक अथवा आगामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो।	निजी सचिव के 4 पद अस्थायी रूप से पदावनस करने पर बनाए गए चार पदों में से एक पद पर	
6. टी० प्रार० शर्मा	22-10-80 से 21-12-80 तक अथवा आगामी श्रादेशों तक, जो पहले हो।	परिणामी श्रृंखला- बद्ध रिक्ति के स्थान पर	

2. उपर्युक्त व्यक्तियों को अवगत कर लेना चाहिए कि वरिष्ठ वैयक्तिक, सहायक (के०स०स्ट०से० का ग्रेड छ) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और के०स०स्ट०से० का ग्रेड छ में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का उन्हें कोई हक् नहीं होगा उपर्युक्त तदर्थ नियुक्तियाँ कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुभोदन से की गई हैं।

एस० वालचन्द्रन
उप सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 19 दिसम्बर 1980

सं० ओ०दो-1464/80-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० के० गनेने शेखरन को 23-10-80 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तवर्ध रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 20 दिसम्बर 1980

सं० ओ० दो-1474/80-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी०डी०ओ० ग्रेड-II) डा० एस० पलानी चामी, ग्रुप सैन्टर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, अवादी, को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 28-8-80 के अपराह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

सं० ओ०दो-1523/80-स्थापना—राष्ट्रपति जी, डा० राम० रघुनाथ को अस्थायी रूप से आगामी श्रादेश जारी

होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी०डी०ओ० ग्रेड-II (जी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर 5-11-1980 अपराह्न से नियुक्त करते हैं।

एस० सी० विद्यार्थी
उप निदेशक (स्थापना)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

सं० ओ०दो-47/76-स्थापना—ले० कर्नल एस० पी० मलिक (अवकाश प्राप्त) ने पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्ति पर कमाण्डेन्ट-2nd सिंगल बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस के पद का कार्यभार दिनांक 24-11-80 (अपराह्न) से त्याग दिया।

ए० के० सूरी
सहायक निदेशक (प्रशा०)

समन्वय निदेशालय

(पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-110001 दिनांक 19 दिसम्बर 1980

सं० ए०-13018/1/80-प्रशासन—समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक निदेशक एवं अतिरिक्त सहायक निदेशक /अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजांक) को दिनांक 30-6-1980 से अतिरिक्त सहायक निदेशक/ अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजांक) के पद में स्थायी किया जाता है:—

- | | |
|-----------------------------|--|
| 1. श्री चंचल सिंह | अतिरिक्त सहायक निदेशक |
| 2. श्री बी०के० मित्रा | अतिरिक्त सहायक निदेशक |
| 3. श्री एम०एन० टिक्कू | सहायक निदेशक |
| 4. श्री जे०बी० बन्धोपाध्याय | अतिरिक्त सहायक निदेशक |
| 5. श्री पी०जे० जकारिया | अतिरिक्त सहायक निदेशक |
| 6. श्री बी० सीतारमण | अतिरिक्त सहायक निदेशक |
| 7. श्री के० सैपुला | अतिरिक्त सहायक निदेशक |
| 8. श्री बी०के० दास गुप्ता | अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजांक) |
| 9. श्री पी०एल० हाडिंग | अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजांक)
क्षत्रपति जोशी
निदेशक, पुलिस बूरसंचार |

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 दिसम्बर, 1980

सं० 10/24/80-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री वाई० एस० राव को उसी कार्यालय में सारीख 25 नवम्बर, 1980 के अपराह्न से 30 सितम्बर, 1981 तक या अगले श्रादेशों तक, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर, प्रतिनियुक्ति पर,

1100-50-1600 रुपए के बेतनमान में उप निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री राव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

श्रम मंत्रालय

(अम अध्यूरो)

फिल्मसा-171004, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० 23/3/80 सी० पी० आई०—नवम्बर, 1980 में औद्योगिक अभियांत्रों का अधिकारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधारवर्ष 1960=100) अक्टूबर, 1980 के स्तर से पांच अंक बढ़ कर 411 (चार सौ अंगठी) रहा है। नवम्बर 1980 माह का सूचकांक आधारवर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 500 (पांच सौ) आता है।

आनन्द स्वरूप भाखाज,
संयुक्त निवेशक

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

सं० 1707/ए०—दिनांक 10-6-1980 के फैला० 434/ए० में श्री पी० डी० जाधव को अनुभाग अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में 6-6-1981 तक उन्हीं शर्तों के साथ नियुक्त करता है।

पी० ए० शिवराम
महा प्रबंधक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग

कार्यालय, मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता-700043, दिनांक 19 दिसम्बर 1980

सं० प्रशासन/33-2क/75/4470—श्री पूलिन बिहारी बाग को निदेशक लेखा परीक्षा दक्षिण पूर्व रेलवे कलकत्ता के कार्यालय में अधीनस्थ रेल लेखा सेवा के अस्थायी सदस्य, अगले आदेश तक 5-12-1980 के पूर्वाह्न में लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया है।

अ० ना० चक्रू
निदेशक, लेखा परीक्षा

रक्षा मंत्रालय

आर्डेनेस फैक्टरी बोर्ड

डी०ज००ओ०एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

कलकत्ता, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

सं०-27/8 0/ए०/ई०—I (एन०ज००) —डी० जी० ओ० एफ० महोदय, तारोख 1-11-80 से आगामी आदेश न होने तक श्रीमतों लीना गुहा, तवर्ष सहायक स्टाफ अफसर को, वर्तमान रिक्ति में, स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर के रूप में प्रोत्तत करते हैं।

श्रीमतों गुहा अपनी प्रोत्तति की तारोख से आगामी दो अष्टों तक परखावधि पर रहेंगे।

डी० पी० चक्रवर्ती
ए०ड०ज००ओ०एफ०/प्रशा०
कृत महानिदेशक, आर्डेनेस फैक्टरियां

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

सं०-12/294/61-प्रशा० (राज०) —राष्ट्रपति जी, परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सम्पादक (हिन्दी) श्री प्रभाशंकर मेहता को दिनांक 29 नवम्बर, 1980 (अपराह्न) से तीन वर्ष की अवधि के निए प्रतिनियुक्त आधार पर विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में निदेशक, प्रेड-2 (तकनीकी प्रचार) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं०-12/496/65-प्रशासन(राजपत्रित) —राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोआ के सहायक निदेशक, प्रेड-1 (औद्योगिक प्रबंध एवं प्रशिक्षण) —श्री वी०क० शेनॉय को दिनांक 15 नवम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानापन्न उप निदेशक (औद्योगिक प्रबंध एवं प्रशिक्षण) के रूप नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018/442/7-प्रशासन (राजपत्रित) —विकास आयुक्त (लघु उद्योग) स्थाई लघु उद्योग संबंधन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण एवं सांख्यिकी) श्री दयानन्द प्रमाद को दिनांक 30 जनवरी, 1980 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में सहायक निदेशक प्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण/डाटा बैंक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018/495/80-प्रशासन (राजपत्रित) —विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलोर के लघु उद्योग संबंधन अधिकारी (रसायन) —श्री पी० बू० जॉन को दिनांक 10 नवम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों

तरह, लबु उद्योग सेवा संस्थान, रुवहता में सहायक निदेशक ग्रेड-2 (रसायन) के रूप में तदर्थं आधार पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त
उपनिदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं०ई०-II (7) — इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई 1969 के अधिसूचना सं० ई०-II (7) में श्रेणी 2 नायट्रेट मिश्रण के अधीन “इन्डोमाइट” प्रविष्टि के पूर्व स्थालों पर अभिप्रयोग विनिर्दिष्ट पम्प ट्रक के अन्दर तथा क्षेत्र अभिप्रयोग सोधे विनिर्दिष्ट बोरछिड्र हेतु 31-12-481 पर्यन्त “इन्डोजेल-614, इन्डोजेल-634, इन्डोजेल-674 (पम्प एंबल कर्दम विस्फोटक) जोड़ा जाये”।

दिनांक 15 दिसम्बर 1980

सं०ई०II (7) — इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई 1969 के अधिसूचना सं० ई०-II (7) में श्रेणी 2 नायट्रेट मिश्रण के अधीन “केलवेक्स-100, केलवेक्स-200, केलवेक्स-500, केलवेक्स-700, तथा केलवेक्स-800” तथा “केलवेक्स-90, केलवेक्स-210, केलवेक्स-220, केलवेक्स-600, केलवेक्स-650 तथा केलवेक्स-पं” प्रविष्टि के पश्चात विनिर्दिष्ट स्थालों पर अभिप्रयोग विनिमणि एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु” 31-12-80 पर्यन्त तथा विनिमणि एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु हटाया जाय।

सं० ई०-II (क) — इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई 1969 के अधिसूचना सं० ई०-II (7) में श्रेणी 2 नायट्रेट मिश्रण के अधीन—

- (i) “डायनेक्ट-!” प्रविष्टि के पश्चात् “डायनेक्स-सी” विनिर्दिष्ट स्थालों पर अभिप्रयोग विनिमणि एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु 31-3-1981 पर्यन्त जोड़ा जाये तथा
- (ii) “पावरएलास्ट” प्रविष्टि के पश्चात् “प्रीमियर डायनामाइट” विनिर्दिष्ट स्थालों पर अभिप्रयोग विनिमणि एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु 31-3-1981 पर्यन्त हटाया जाये।

चंरणजीत लाल
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

सं० 9672-बो०/ए०-19012 (3-एस० जी०)/80-19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बरिठ तकनीकी

सहायक (रसायन) श्री एस० गणेश को सहायक रसायनक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 ह० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 16-10-1980 के पूर्वाल्क से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महा निदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय
नई दिल्ली-1, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

सं० ए-38 013/1/80-स्था०—अधिकार्यिता की आयु पर पहुंचने के फलस्वरूप इस निदेशालय के लेखा अधिकारी, श्री पी० आर० कोली, 20 नवम्बर, 1980 के अपराह्न को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

जनकराज लिखि
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

सं०-6-47/80-डी०सं०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता में अधीक्षक श्री एस० बनर्जी के 20 नवम्बर, 1980 के पूर्वाल्क से आगामी आदेशों तक उसां संस्थान में कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थं आधार पर नियुक्त किया है।

एस० एस० गोठोस्कर
औषधि नियंत्रक (भारत)
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1980

सं० ए०-19018/11/80के० स० स्वा० यो०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० रामेश्वर प्रसाद पाण्डे को बैर्ड्रेय सरकार स्वास्थ्य योजना अहमदाबाद में 8 अगस्त, 1980 पूर्वाल्क से तदर्थं (ad-hoc) आधार पर आयुर्वेदिक फिजिमियन के पद पर नियुक्त किया है।

के० एल० भाटियां
उपनिदेशक प्रशा०

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1980

सं० ए-12025/20/77 एम्प्राईश्रीपीएमप्रा०), प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री नरेन्द्र कुमार कल्मादी, प्रबंधक, प्रोस्टेटिक वर्कशाप (प्रॉसट्रेशन) अखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वासि संस्थान, बस्टी को 6 अगस्त, 1980

पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में अधिकारक प्रास्थेटिक और आर्थिक वर्कशाप के पद पर अस्थायी आधार नियुक्त किया है।

मं० ए०-12025/1/80-(जे०आई०प००) प्रशा०-१—राष्ट्रपति ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पांडिचेरी के सहायक जीव रसायन डॉ०ए० बालासुभ्रमणियम को 4 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में जीव रसायन के पद पर स्थानापन्न आधार पर नियुक्त किया है।

जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में जीव रसायन के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप डॉ०ए० बालासुभ्रमणियम ने 4 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से उसी संस्थान से महायक जीव रसायन के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 20 दिसम्बर 1980

मं० ए०-12025/23/79/एन०आई०स००ड००/प्रशासन-१—राष्ट्रपति ने श्री एम० को० शर्मा को 9 मित्रस्वर, पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में महायक निदेशक (कोटि विज्ञान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

मं०ए०-12026/9/80-प्रशा०-१—स्वास्थ्य मंत्री महानिदेशक ने केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो के श्री एम०ड० यादव एच०ई०ट०० ग्रेड- को 28 नवम्बर, 1980 पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक उसी व्यूरो में महायक मम्पादक (हिंदू तथा अंग्रेज़) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

मं० न०प०वि०प०/प्रशा०/१(१५६)/८०/एम०१६४७१—
नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, श्री विजयपाल सिंह, अस्थाई महायक सुरक्षा अधिकारी को तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में, वेतमान रु० ६५०-३०-७४०-३५-८८०-द.रो.-४०-९६० में नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक 5 दिसम्बर, 1980 से 4 मार्च, 1981 तक, के लिए भूमि प्रबंध अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० वी० सेलुमाधवन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

नाभिकाय इंधन समिति

हैदराबाद-५००७६२, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

मं० का० प्र० भ०/०७०४/७८५८—प्रानाभिकाय इंधन समिति के मुख्य कार्यपालक औद्योगिक अस्थायी आशुलिपिक (प्रबरण श्रेणी) श्री भ०ल० गणपति शास्त्री को स्थानापन्न महायक कामिक अधिकारी के पद पर नाभिकाय इंधन समिति में अवकाश रिक्ति पर दिनांक १७-१२-१९८० से १९-१-८१ पर्यन्त, अथवा अगले आदेशों तक के लिए जो भी पहले घटित हो, नियुक्त करते हैं।

य० वासुदेवा राव
प्रशासनिक अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-५०००१६, दिनांक 19 दिसम्बर 1980

मं० प०ब०-प्र०१/६/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतदद्वारा श्री देवाशीग मुख्याधायय को परमाणु खनिज प्रभाग में ८ दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न में लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस०बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 दिसम्बर, 1980

मं० प०ब०-प्र०८-१/८०-प्रशासन—इस कार्यालय की दिनांक 13 अक्टूबर, 1980 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतदद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक एवं स्थानापन्न हिन्दी अनुवादक श्री सोमनाथ सचदेव को उसी प्रभाग में श्री जे०आर० गुप्त सहायक कार्मिक अधिकारी जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर २-११-१९८० से लेकर ६-१२-१९८० के अवराह्न तक स्थानापन्न रूप से महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम०ए०राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-५६००२५, दिनांक 11 दिसम्बर 1980

मं०-१०/५(१४)/७९-सी०ई०ड००(एच०)—चीफ इंजीनियर, मिशन इंजीनियरी प्रभाग, अंतरिक्ष विभाग, मिसन-नियित तकनीकी कर्मचारियों को अन्तरिक्ष विभाग के सिद्धि

इंजीनियरी प्रभाग में स्थायी पदों पर प्रथमक के सामने दी गई तारीखों से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं:—

श्र० सं० नाम	स्थायी पद यदि कोई हो	पद, जिसपर प्रभावी अब स्थायी तारीख रूप में नियुक्त किया गया है	1	2	
			3	4	5

सर्व श्री

1. वाई सीता- रामद्वा	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
2. आर० वाल- कुण्डन	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
3. एस०एन० आयंगर	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
4. जी०एन० कृष्ण कुमार	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
5. धू० जयराजन	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
6. ए०एस०मुद्द- लियार	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
7. सी० जार्ज	फोरमैन (विद्युत)	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
8. वाई० राधा- कुण्डन	फोरमैन (विद्युत)	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
9. एस०एस०राव	फोरमैन (विद्युत)	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
10. पी०आर० गोपीनाथन	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
11. टी० राममूर्ति	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
12. आर० चन्द्रन	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
13. बी० बैंकटरा- मना ग्राहार	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
14. के०मधु० राव	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
15. के० विश्वनाथन	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
16. एम०बी० कृष्णमूर्ति	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
17. के०टी० कुरियाकोसे	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	

1	2	3	4	5
18. एस०बी०	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
19. जी०सी०	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
20. बी०के०	तकनीकी शक्ति	इंजीनियर सहायक "सी"	1-4-1980	
21. पी०बैंकटे०वरलु	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
22. एच०डी०	तकनीकी पाठिल	इंजीनियर सहायक "सी"	1-4-1980	
23. जी०के० भट्ट	तकनीकी सहायक "सी"	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
24. मुहम्मद असगर	—	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
25. एम०पी०	—	इंजीनियर कृष्णा	1-4-1980	
26. ए०एस०	कनिष्ठ शिल्प बदामी	इंजीनियर सहायक	1-4-1980	
27. सी०नागिरेड्डी	—	इंजीनियर एस०बी०	1-4-1980	
28. एम० निर्मल	—	इंजीनियर दास	1-4-1980	
29. एम० अरुणा-	—	इंजीनियर चलम	1-4-1980	
30. रवि जे०	—	इंजीनियर वर्मज	1-4-1980	
31. एम० ओ०	—	इंजीनियर एटो	1-4-1980	
32. के०के०के०	तकनीकी नायर	इंजीनियर सहायक "सी"	1-4-1980	
33. पी०जी०	तकनीकी सुगुनाशेखरन	इंजीनियर सहायक "सी"	1-4-1980	
34. पी०एस०	तकनीकी शंकरनारायणन्	इंजीनियर सहायक "सी"	1-4-1980	
35. सी०लक्ष्मैया	तकनीकी सेठी	इंजीनियर सहायक "सी"	1-4-1980	
36. एम० मत्य-	तकनीकी शीलन	इंजीनियर सहायक "सी"	1-4-1980	
37. बी०चन्द्र	तकनीकी बालन	इंजीनियर सहायक "सी"	1-4-1980	
38. च०बी० राधव	तकनीकी राव	इंजीनियर सहायक "सी"	1-4-1980	

एम० पी०आर०पाणिकर
प्रशासनिक प्रधिकारी-II

अन्तरिक्ष विभाग

इमरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

सं-020/3(061)पी/80.—निदेशक, इसरो उपग्रह केन्द्र, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर के निम्नलिखित अधिकारियों की इसी केन्द्र में, स्थानापन्न रूप में प्रत्येक के नाम के सामने दिये गये पदों पर तथा प्रत्येक के सामने वी गई तारीखों के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पश्चोन्नति करते हैं :—

क्र० सं० नाम	पद तथा ग्रेड	पद तथा ग्रेड	तारीख
	जिससे पदोन्नति	जिस पर पदोन्नति	
	की गई	की गई	
1. श्री ए० अन्नाराव वैज्ञानिक	वैज्ञानिक/ सहायक“सी”	वैज्ञानिक/ इंजीनियर “एस०बी०”	1-10-80
2. श्रीमती प्रेमा हरिदास	वैज्ञानिक	वैज्ञानिक/ सहायक“सी”	1-10-80
3. श्रीमती एनी नेल्सन	वैज्ञानिक	वैज्ञानिक/ सहायक“सी”	1-10-80
4. श्रीमती ललिता नारायणम्	वैज्ञानिक	वैज्ञानिक/ सहायक“सी”	1-10-80

सं-020/3(061)/ग्रार०/80.—निदेशक, इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में वैज्ञानिक/इंजीनियर “एस०बी०” श्री एस० रामानुजम् का सेवा से त्याग पत्र दिनांक 1 मित्रांस्त्र, 1980 के पूर्वाह्न में स्वीकार करते हैं।

एस० सुश्रूषाप्यम
प्रशासन अधिकारी-II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं-ए०-३२०१३/५/७९-ई०८०.—राष्ट्रपति ने श्री प्रेम नाथ को 1 अगस्त, 1980 से 6 मास के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, पर नियुक्त किया है।

2. श्री प्रेम नाथ को मुख्यालय में उपनिदेशक (योजना) के रूप में तैनात किया गया है।

एस० गुप्ता,
उपनिदेशक
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक, 12 दिसम्बर 1980

गं० ए०-३२०१३/१०/८०-ई०-१—राष्ट्रपति ने श्री एस०के० बोप, उपनिदेशक/नियंत्रक, विमानक्षेत्र को दिनांक 20, नवम्बर 1980 (पूर्वाह्न) से छः मास के लिए अधिका नियमित नियुक्त होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर निदेशक विमानक्षेत्र के रूप में कलकत्ता एयरपोर्ट, दम दम पर नियुक्त किया है।

सुधाकर गुप्ता
उपनिदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

सं० ए०-३२०१३/६/७८-ई०सी०—इस विभाग की दिनांक 15-11-80 की अधिसूचना सं० ए-३२०१३/६/७८-ई०सी० कि क्रम संख्या 4 का आंशिक संशोधन करते हुए राष्ट्रपति ने श्री बी० एन० सिल, सहायक सचार अधिकारी की जो इस समय क्षेत्रीय निदेशक, नागर विमानन विभाग, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में तदर्थ आधार पर संचार अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं, दिनांक 31-7-1980 (पूर्वाह्न) से संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० ३२०१४/३/७९-ई०सी०(पार्ट-IV)—इस विभाग की दिनांक 15-11-1980 की अधिसूचना संख्या ए०-३२०१४/३/७९-ई०सी०(पार्ट-IV) की क्रम संख्या-1 का संशोधन करते हुए महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, पालम के श्री ओ० पी० चड्ढा, तकनीकी सहायक को दिनांक 8-९-1980 (पूर्वाह्न) से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तैनात किया है।

सं० ए०-३८०१३/१/८०-ई०सी०—वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-10-80 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है :—

क्र०सं० नाम और पदनाम स्टेशन

सर्वश्री

- जी०बी० बहू
- महायक तकनीकी अधिकारी
- एस०रामामूतम,
- वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।
- महायक संचार अधिकारी

सं० ए०-३२०१३/५/८०-ई०सी०—इस विभाग की दिनांक 13-6-1980 की अधिसूचना सं० ए०-३२०१३/५/८०-ई०सी०

के ब्रह्म में, राष्ट्रपति से श्री एन० के० पुरी, सहायक निदेशक, संचार की विनांक 8-7-80 से 23-11-80 तक की अधिकारी के लिए उपनिदेशक संचार (योजना) के घोड़े में नदर्थ नियुक्ति को जारी रखने की संजूरी प्रदान की है।

मं० ए०-३८०१५/३१/८०-ई०सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलौर के श्री के० एस० रत्नम्, सहायक तकनीकी अधिकारी को मूल नियम 56(के) के उपबन्धों के अन्तर्गत दिनांक 31-10-1980 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत होने की अनुमति प्रदान की है।

श्रार० एन० दास
सहायक निदेशक, प्रशासन

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 19 दिसम्बर 1980

मं० ए०-३२०१४/१/८०-प्रशासनाच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर(इंजीनियरी) के घोड़े में पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-810-इ०रो०-35-880-40-1000 इ०रो०-40-1200 के वेतनमान में 6 महीने की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, उनके नामों के भासने दिखाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:—

क्र०स० अधिकारी का
नाम तथा पदनाम

अतिरिक्त सहायक निदेशक/
सहायक इंजीनियर का कार्य-
भार ग्रहण करने की तारीख

1	2	3
सर्वश्री		
1. श्रार०पी० त्रिपाठी, पर्यवेक्षक	15-9-80 (पूर्वाह्न)	
2. श्राई०जे० शर्मा, पर्यवेक्षक	19-9-80 (पूर्वाह्न)	
3. जे०सी० दास, पर्यवेक्षक	10-11-80 (पूर्वाह्न)	
4. वाई० नागेश्वर राव, पर्यवेक्षक	21-11-80 (पूर्वाह्न)	
5. श्रार०एन०मिश्र, पर्यवेक्षक	10-12-80 (पूर्वाह्न)	
6. एन०एन०सरकार, पर्यवेक्षक	1-10-80 (पूर्वाह्न)	
7. पी०एन० मिश्र, पर्यवेक्षक	29-11-80 (पूर्वाह्न)	
8. ए० तिवारी पर्यवेक्षक	17-11-80 (पूर्वाह्न)	

1	2	3
9. ए०के० घोष पर्यवेक्षक	23-10-80 (अपराह्न)	
10. वीरेन्द्र पाल, पर्यवेक्षक	12-10-80 (पूर्वाह्न)	के० एल० भण्डुला अवर सचिव, केन्द्रीय जल आयोग

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1980

आयकर

फा० सं० जुरि-दिल्ली-१/८०-८१/३१०५—आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-६, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि दिनांक 15-12-80 से निम्नलिखित आयकर संकिल बनाया जाएगा।

टी०डी०एस० (सेलरीज) संकिल-५, नई दिल्ली

सं० जुरि-दिल्ली-६/८०-८१/३२०४६—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए स्था टी०डी०एस० सेलरी संकिल, नई दिल्ली के बारे में पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिकमण करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-६, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि अनुसूची के कालम-३ में निर्दिष्ट नियोक्ताओं के बारे में जिनके कार्यालय या कार्य का स्थान संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली में स्थित है, सेलरी से टी०डी०एस० के बारे में कालम-२ में निर्दिष्ट आयकर अधिकारियों का अधिकार क्षेत्र होगा।

यह अधिसूचना दिनांक 15-12-1980 से लागू होगी।

अनुसूची

1	2	3
1. आयकर अधिकारी टी०डी०एस० (सेलरीज) संकिल-१, नई दिल्ली	1. वे सभी नियोक्ता जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के “ए” से सेकर “एच” तक के किसी भी अक्षर से आरम्भ होते हैं, किन्तु इनमें निम्नलिखित नियोक्ता शामिल नहीं हैं:— (क) सभी द्रस्ट, सभी सरकारी समितियां, समिति अधिनियम 1960 के अन्तर्गत पंजीकृत	

1	2	3	1	2	3
		समितियां, बक्फ, धर्मदा तथा अन्य पूर्व संस्थान।			II सभी अस्पताल और नर्सिंग होम, मेडिकल प्रैक्टिशनर, वकील, चार्टर्ड एकाउन्टेंट यथा अन्य कानून प्रैक्टिशनर।
	(ख)	सभी होटल, भोजनालय रेस्तरां तथा वाणिज्यिक अतिथि गृह।			
	(ग)	सभी अस्पताल तथा नर्सिंग होम, मेडिकल प्रैक्टिशनर, वकील, चार्टर्ड एकाउन्टेंट तथा अन्य कानून प्रैक्टिशनर।	3 आयकर अधिकारी टी०डी०एस० (सेलरीज) सर्किल-3, नई दिल्ली	(I)	वे सभी नियोक्ता जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के "आर" से लेकर "जेड" तक के किसी भी अक्षर से आरम्भ होते हैं। किन्तु इनमें आयकर अधिकारी टी०डी०एस० (सेलरीज) सर्किल-I, II, IV, तथा V के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मामले शामिल नहीं होंगे।
	(घ)	सभी ठेकेदार, आर्किटेक्ट तथा इंजीनियर, आन्तरिक साज-सज्जाकार तथा संबद्ध परामर्शदाता।		(II)	सभी ट्रस्टर, सभी सहकारी समितियां समिति अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत समितियां, बक्फ, धर्मदा तथा अन्य पूर्त संस्थान।
	(ङ)	सभी विश्वविद्यालय, कालेज, स्कूल तथा अन्य शैक्षिक संस्थान।		(III)	सभी विश्वविद्यालय, कालेज, स्कूल, तथा अन्य शैक्षिक संस्थान।
	(च)	सभी एयर लाइनें, यात्रा तथा पर्यटक एजेन्सियां।		(IV)	सभी प्रकाशक जिनमें अखबारों के प्रकाशक, प्रिन्टर तथा प्रिन्टिंग प्रेसों के मालिक शामिल हैं।
	(छ)	सभी प्रकाशक जिनमें अखबारों के प्रकाशक, प्रिन्टर तथा प्रिन्टिंग प्रेसों के मालिक शामिल हैं।			
	(ज)	बिजली के सामान तथा इलेक्ट्रोनिक वस्तुओं और उपकरणों के सभी निर्माता तथा व्यापारी।	4. आयकर अधिकारी टी०डी०एस० (सेलरीज) सर्किल-IV, नई दिल्ली	(I)	सभी ठेकेदार, आर्किटेक्ट और इंजीनियर, आन्तरिक साज-सज्जाकार तथा संबद्ध परामर्शदाता।
	(झ)	1-4-1978 के बाद निगमित सभी कम्पनियां।		(II)	बिजली के सामान तथा इलेक्ट्रोनिक वस्तुओं तथा उपकरणों के सभी निर्माता तथा व्यापारी।
	(ঁ)	केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों के सभी मंत्रालय और विभाग तथा दिल्ली प्रशासन।		(III)	1-4-1978 के बाद निगमित सभी कम्पनियां।
2.	सभी फिल्म निर्माता, वितरक, प्रदर्शक तथा फिल्म फाइनेन्सर।				
	3.	सभी रोड ट्रांसपोर्टर, ट्रक आपरेटर मालबाहक, टैक्सी मालिक तथा आपरेटर।	5. आयकर अधिकारी टी०डी०एस० (सेलरीज) सर्किल-5, नई दिल्ली	(I)	सभी होटल, भोजनालय, रेस्तरां तथा वाणिज्यिक अतिथि गृह।
2.	आयकर अधिकारी टी०डी०एस० (सेलरीज) सर्किल-II, नई दिल्ली	(I)			
		वे सभी नियोक्ता जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के "आई" से लेकर "क्यू" तक के किसी भी अक्षर से आरम्भ होते हैं। किन्तु इनमें आयकर अधिकारी टी०डी०एस० (सेलरीज) सर्किल I, III, IV तथा V के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मामले शामिल नहीं होंगे।			

1	2	3
(II) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों के सभी मंत्रालय और विभाग तथा दिल्ली प्रशासन।		

डॉ. एन० चौधरी
आयकर आयुक्त विल्ली-6, नई दिल्ली

कार्यालय आयकर आयुक्त विल्ली-5,

नई दिल्ली, दिनांक 18 विसम्बर, 1980

सं० जुरि/विल्ली/5/80-81/32323—धनकर अधिनियम 1957 की धारा 8 ए ए की उपधारा (1) तथा दानकर अधिनियम 1958 की धारा 7 ए ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धनकर/दानकर आयुक्त, विल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि इसके साथ संलग्न अनुसूची “ए” में निर्विष्ट मामलों के बारे में धनकर/दानकर अधिकारी डि० 4(10) को प्रदान की गई या सौंपी गई सभी अध्यवा किसी भी कार्य की शक्ति के प्रयोग या कार्य निष्पादन के बारे में निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज 5 एफ, नई दिल्ली का समर्त्त अधिकार होगा।

कार्य-निष्पादन की सुविधा के प्रयोजन के लिए धन-कर दानकर आयुक्त, विल्ली-5, नई दिल्ली धनकर अधिनियम की 8 ए ए की उपधारा (2) और दानकर अधिनियम की धारा 7 ए ए में अपेक्षित आवेदनों को पास करने के लिए निरीक्षीय सहायक धनकर/दानकर आयुक्त, रेंज-5 एफ को भी प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 19-12-1980 से लागू होगी।

आर० डॉ. सक्सेना
आयकर आयुक्त विल्ली-5,
नई दिल्ली

अनुसूची-क
धनकर मामलों की सूची

1	2	3
1. श्रीमती आशा खंडेलवाल	व्यक्ति	
2. श्री बद्रीप्रसाद	व्यक्ति	
3. श्री बद्रीप्रसाद	हि० अ० प०	
4. श्री विश्ववरदयाल	व्यक्ति	
5. श्रीमती बिमला देवी	व्यक्ति	
6. श्रीमती भोरीदेवी	व्यक्ति	
7. मैसर्स विश्ववरदयाल बद्रीप्रसाद	हि० अ० प०	

1	2	3
8. श्री द्वारिकाप्रसाद	हि० अ० प०	
9. श्री द्वारिकाप्रसाद	व्यक्ति	
10. श्री घासीराम गुप्ता	व्यक्ति	
11. श्री घासीराम गुप्ता	हि० अ० प०	
12. श्रीमती गिन्दोड़ी देवी	व्यक्ति	
13. श्रीमती कशमीरी देवी ।	व्यक्ति	
14. श्रीमती खालिक उत्तीर्णा	व्यक्ति	
15. श्री मोहम्मद यूनिस	व्यक्ति	
16. श्री महेश चन्द्र	हि० अ० प०	
17. श्रीमती मुन्नीदेवी	व्यक्ति	
18. श्रीमती महेन्द्र कुमारी	व्यक्ति	
19. श्रीमती मधु खंडेलवाल	व्यक्ति	
20. श्री नरेश चन्द्र	हि० अ० प०	
21. श्री नरेश कुमार	व्यक्ति	
22. श्री रामेश्वर दयाल	व्यक्ति	
23. श्री रामेश्वर दयाल	हि० अ० प०	
24. श्री राजेश कुमार	व्यक्ति	
25. श्री राजेश कुमार	व्यक्ति	
26. श्री सुरेश चन्द्र	हि० अ० प०	
27. श्रीमती शशि खंडेलवाल	व्यक्ति	
28. श्रीमती सुनिता देवी	व्यक्ति	
29. श्री विश्ववरदयाल	हि० अ० प०	
30. श्रीमती पतिमावाई	व्यक्ति	

लखनऊ, दिनांक 18 विसम्बर 1980

आयकर विभाग

सं०-123—श्री पुष्प कुमार श्रीवास्तव, आयकर निरीक्षक, इलाहाबाद प्रभार को आयकर अधिकारी वर्ग “ख” के पद पर आफ्फीसियेट करने के लिये रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने विनांक 1-11-80 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी (संग्रह तथा साँचिकी) कार्यालय आयकर आयुक्त, इलाहाबाद के रूप में कार्यभार संभाला।

सं०-124—श्री श्रीराम भारती (अनु०जाति) निरीक्षक इलाहाबाद प्रभार को आयकर अधिकारी वर्ग “ख” के पद पर आफ्फीसियेट करने के लिये रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 1-12-1980 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी, जी-वार्ड इलाहाबाद के रूप में कार्यभार संभाला।

धरनी धर
आयकर आयुक्त
लखनऊ

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निवेश सं० 2383—यतः युक्ते, आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोविन्द मार्किट जौ० टी० रोड से स्थित है (और इससे उपावद्ध सूचना में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथावौक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरन (अन्तर्कों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से मुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर केने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः ग्राम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कुलबीर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह बासी गांव शंकर, तहसील नकोदर (अन्तरक)

(2) श्री भूपिन्द्र सिंह पुत्र मोहन सिंह मारफत दविन्द्र सिंह पुत्र तेजा सिंह न्यु मोहन टेलर्ज एण्ड डायर्ज वैड पिंड रोड गुराया मारफत पिंड मोहन सिंह (प्रस्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 237 अप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्सौर ने लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-12-80

मोहर:

प्रधान प्राईंटी-एन-एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जलनधर

जलनधर, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निम्नेश सं० ए० पी० नं० 2384—यतः मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्वायत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोविन्द माकिट माकिट जी० टी० रोड, गुराया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, फिल्सौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्लिन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्लिन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्लिन का पन्नह प्रतिक्लिन प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा काया काया प्रतिक्लिन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक क्षय से कठिन नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिन्स में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवक्षियों अर्थात्:—

(1) श्री कुलबीर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह मुख्यायर-ए-प्राम जगतार सिंह वासी गांव शंकर तहसील नकोवर जिला जलनधर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अवतार कौर पत्नि मोहन सिंह पुत्र गुरहांस सिंह और भूपिन्द्र सिंह पुत्र तेजा सिंह न्यु टेलर्ज एंड डायर्ज वडा पिण्ड रोड गोराया

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा र (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिकोग में सम्पत्ति र)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता र (वह व्यक्ति, जिनके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता बताता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापक।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या उससंबंधी व्यक्तियों पर पूछना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रो 45 दिन के भीतर उक्त स्वायत्र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्युक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम के प्रम्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 239 अप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी फिल्सौर ने लिखा है।

आर० गिरधर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जलनधर

तारीख: 17-12-1980

मोहर:

प्रकाश आई० टी० पूर० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निवेश सं० ए००पी० नं० 2385—यत. मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपवे से अधिक है और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है और जो गोविन्द मार्किट जी० टी० रोड, गोराया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्हौर में रजिस्ट्रीकरण के अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिक्रिया से अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरक से तुरं किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारियों, अर्थात् :—

(1) श्री कुलबीर सिंह पुत्र श्री सुरजीत सिंह मुख्यायार-ए-ग्राम भूपिन्द्र वासी गांव शंकर तहसील नकोवर (अन्तरक)

(2) श्री प्रितपाल सिंह पुत्र मोहन सिंह मारफत देविन्द्र सिंह पुत्र तेजा सिंह, न्यू मार्डन टेलर्जे एण्ड डायर्स, बड़ा पिण्ड रोड गोराया (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(2) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ता री जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-री के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 238, अप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्हौर ने लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-12-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 विसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी०/2386—यतः मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोविन्द मार्किट जी० टी० रोड, गोराया में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; औरया

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कुलबीर सिंह पुत्र श्री सुरजीत सिंह मुख्तार-ए-ग्राम गुरमुख सिंह वासी गांव शंकर तहसील तकोदर जिला जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री जसबीर सिंह पुत्र मोहन सिंह मारकत देविन्दर सिंह, पुत्र तेजा सिंह, न्यु मार्डन टेलर्ज एण्ड डायर्स, बड़ा पिंड रोड, गोराया

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयाद्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंकड़ा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एष्टोकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 240, अप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर ने लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-12-80

मोहर:

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2387—यत्/मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'एकत्र अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी संसदीय अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोबिन्द माकिट, जी० टी० रोड, गोराया में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर बेने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-घ की संपादना (1) के अधीन निम्ननिवित अधिकारी, अर्थात्—

- (1) कुलबीर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह मुख्तयार-ए-आम महबूबन सिंह वासी गांव शंकर तहसील नकोदर जिला जालन्धर (अन्तरक)
- (2) प्रितपाल सिंह जसबीर सिंह सुपुत्र मोहन सिंह पुत्र गुरदास सिंह मारफत देविन्दर सिंह पुत्र तेजा सिंह, न्यु टेलर्ज एण्ड डायर्स वडा पिण्ड रोड, गोराया (अन्तररिती)
- (3) जैमा कि उपर नं० 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में दक्षि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानका है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभासित हैं, बहुत अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

प्रमुखोंका

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं 241, अप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर ने लिखा है।

आर० गिरधर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरी १४)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 17-12-80

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर
जलन्धर, दिनांक 17-12-1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2381—यतः मुझे, आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गोबिन्द मार्किट, जी० टी० रोड, गोराया में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्हौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
प्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने ना कारण है कि व्यापूर्वौक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्पत्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपग्राहा
(1) के प्रवीत नि स्तुलिखित अवितरणों, प्रर्थातः—

(1) श्री कुलवीर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह मुख्यार-
ए-आम मुमन्तर मिह वासी गांव शंकर तहसील
नकोदर जिला जलन्धर

(अन्तरक)

(3) श्रीमती अवतार कौर पत्नि मोहन सिंह पुत्र गुरवास
सिंह मारफत देविन्दर सिंह पुत्र तेजा सिंह,
न्यु मार्झन टेलर्स एण्ड डायर्ज वडा पिण्ड रोड,
गुराया (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानसा है
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी इवांडी बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 242 अप्रैल
1980 का रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी फिल्हौर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 17-12-1980

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17-12-1980

निदेश सं० ए० मी. नं० 2389--यतः मुझे, आरा० गिर-
धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
घ के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोविन्द
मार्किट, जी०टी० रोड, गुरगांव में स्थित है (और इसमें उपबन्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, फिल्हौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) उक्तरण से हूँई किसी आय की भावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचते में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---
3-406GI/80

- (1) कुलबीर सिंह पूजा मुरतीन मिह मुक्तयार-ए-
आम गुरुमुखसिंह वार्गी गांव फंकर नहसीन
नकोदर जिला जालन्धर. (अन्तरक)
- (2) श्री प्रितपाल सिंह, जसबीर मिह, मुप्रव्र मोहन सिंह
मारफत देविन्दर सिंह पूर्व नेजा सिंह न्यु
मार्डिन टेलरज एण्ड डायर्स वडा पिण्ड रोड,
गोरगांव (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 265,
अप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता फिल्हौर ने लिखा
है।

आरा० गिरधर
गढ़म अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखः 17-12-80

मोहरः

प्रकृष्ट प्राई॰ डी॰ एन॰ एस॰—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सन्तायक आयकर व्यापक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलनदीर

जानवर, दिनांक 17 दिसंबर 1980

निवेश मं० ग० पी० नं० 2390—गत: मही, आर० गिरग्रह आयकर 'अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उत्तम अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र के अधीन राखम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

यीर जिसकी मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोविन्द माकिट, जी०टी० रोड, गोराया में स्थित है (और इसमें उत्तरांचल अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्पृष्टि वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्मोर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई,

1980

को पूर्वोक्त सम्भाल के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भाल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर बलरिसी (प्रतिरिप्रयोग) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तांग लाया गया प्रतिपाल, निम्नतिवित उत्तर से उपर अन्तरक विवित में व्यापक रूप से उल्लेख नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन उक्त देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अवधि में सुविधा (विष, पोष/।।।)

(ख) ऐसी किसी थार या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उत्तरांचल अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालं अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, लिंगाने में संविधा के लिए;

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र के अनुसार भौम अधिनियम की धारा 269-प्र की उपचारा (1) के अधीन, निम्नतिवित अधिकारी, प्रवति:—

- (1) श्री कुलवीर मिह पूर्व मुरजीत मिह मुख्तयार-पा-आम मुमिन्तर मिह, भूपिन्दर मिह बासी गांव शंकर तहसील, नकोदर (अन्तर्गत)
- (2) श्रीमती अवतार कीर पनि मोहन मिह श्रीर भूपिन्दर तस्मिह पुरु मोहन मिह मारकन देविन्दर मिह पूर्व तेजा मिह न्यु मार्डन टेलर्ज एण्ड ड्रायर्स, बड़ा पिण्ड रोड, गोया (अन्तरिसी)
- (3) जैमा कि उक्त नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिकारी में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति समाज में सूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह समाज में हितवड़ है)।

को यह सूचना बारी उक्ते पूर्वोक्त सम्भाल के अधीन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्भाल के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेष :—

- (क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमबद्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधि बाब में समाप्त होती है, के भीमर पूर्वोक्त अधिकारी ने से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीमर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए रा सङ्गें।

स्पेशली रिपोर्ट—इगमें प्रयुक्त शब्दों और पाठों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उग अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पन्न तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 266, मई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्मोर ने लिखा है।

आर० गिरग्रह
मक्षम अधिकारी
गहायक आयकर आयकर व्यापक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलनदीर

तारीख: 17-12-80

गोहर:

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 नम्बर 1980

निदेश सं० 2027-ए०/सहायतपुर—अतः मुझे, वी० सं० चतुर्वेदी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको सं० दुकान है तथा जो मेहर मार्किट, सहायतपुर में स्थित है (आंदे इसमें उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण या दुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कार दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किस जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तिलक राम पुत्र श्री गन्तराम पेणा दुकानदार महारतपुर, 17 ई० हक्कित नगर सहायतपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती भाया देवी विधवा मुन्द्रदान निवासी महारतपुर ज्वालानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नस्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निम्नलिखित

एक दुकान नं० 18०० ६७ प०, जिसका नं० पा० नं० १४१५९६/६७ प०, क्षेत्रफल ९ वर्ग गज बाजार नेहरु मार्किट जिला सहायतपुर में स्थित है जो कि ३५०००/- रु० से बेचा गया है।

वी० सा० नतुर्वेदी
ग्रन्थ प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज. कानपुर

तारीख: 3-11-80
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राष्ट्रायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, कानपुर

बातपृष्ठ दिनांक 3 नवम्बर 1980

निर्देश मं० 2035प०/बुलन्दशहर/80-81—अतः मुझे,
वी० सौ० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

आरंभिकम् सं० जमीन नया गांव है तथा जो नयागांव में
स्थित है (आरंभिकम् उपावद्व अनुसूची में, और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्टर्कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में,
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-४-८०

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उगके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की थित नहीं दिया गया है।—

(क) अन्तरण सं हाइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्ने के अन्तरक के दायित्व
में करी दर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयाजनार्थ अन्तरिती सुवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :—

(1) श्री बदल मिह पुत्र श्री पूरन मिह निवासीं बर्जन
जिला सहारनपुर (अन्तरक)

(2) श्री दरगाह शरीफ मैयद मसूर अली माहबूब नयागांव
डागा श्री मंसुर अली अहमद बलद अली अहमद
मौ० शेखान जिला बुलन्द शहर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसंचारी

जमीन नयागांव परगना बर्जन जिला बुलन्द शहर में
स्थित है जो कि बुलन्दशहर में स्थित है जो कि 13,250/- रु०
में बेचा गया है।

वी० सौ० चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, कानपुर.

तारीखः 3-11-1980
मोहरः

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर दिनांक 3 नवम्बर 1980

निदेश सं० 28 ९वी०/कानपुर—अतः मुझे, वी० सी० चन्द्रबेंदी,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पात्रात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमें उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में प्रधिक है

ओरजिमको सं० मकान 59/18 है तथा जो नाचघर बिरहाना
रोड में स्थित है (ओर इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कानपुर में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, नारिक 21-4-80

को पूर्णस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिय के लिए अन्तरिक्ष को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथायुर्वेदित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का
पश्चात् प्रतिरिति से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भी र
प्रतिरिति (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरोग के लिए तथ
पात्र गण प्रतिरिति निम्निक्षित उक्ति स उक्ति अन्तरग लिखित
में वास्तविक रूप से किया तहो किया गया है:—

(ए) अन्तरण गे हुए हिसो आय को बाजार, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
रही करने या उसपे बचने में सुविधा के लिए,
बौर/या

(ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन निम्ननिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवो प्रसाद दाक्षिण पुत्र थे, अम्बिका प्रसाद
दाक्षिण निवासी 59/8 1 नाचघर बिरहानारोड
कानपुर। (अन्तरक)

(2) श्रोमतो दयावतो जैन पुर्वी श्री रामनाथ जैन
निवासी 24/40 बिरहानारोड, कानपुर।
(अन्तर्गती)

मैं यह मूल्या जारी करना पुर्वी। नमानि के अन्तर्गत
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस मूल्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूल्या की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस मूल्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा अधीकृत्याकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इन्हें प्राप्त जब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20-व में परिभासित हैं, वही
अर्थ हींगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महान नम्बर 59/81 नाचघर बिरहानारोड कानपुर में
स्थित है जो कि 49000/- रु० में बेचा गया है।

वी० सी० चन्द्रबेंदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 3-11-1980

मोहर:

प्ररूप बाई० दी० एन० एच०-----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) को आरा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 1516-ए०/देहरादून/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ए के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद सुनाने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिमकी सं० 67 है तथा जो ऋषिकेण में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेकर्टी अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रेकर्ट
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 7-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उस के दूषयमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यरित को गई है और मुझे यह विवाद सुनाने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दूषयमान प्रतिफल से ऐसे दूषयमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत
अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और प्रत्यरिती
(अस्सरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरक के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से उचित नहीं हिया गया है।—

(1) श्रीमतो श्रमृतकार पर्ति रविन्द्र मिह नारेश
निवासी रेलवेरोड ऋषिकेण देहरादून।

(अन्तर्गत)

(2) श्रीमतराम सोनी पुव प्यारेंगम सोनी निवासी
67 तेजबहादुर देहरादून ऋषिकेण रोड, देहरादून
मर्माप्र क्षिप्री मिनेमा, ऋषिकेण, देहरादून।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवैतन के संबंध में कोई भा० प्राप्तेव।—

(क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अधिकारीयों वर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि शाब्द में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से किसी
अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजान्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी घन्य अधिकता द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

प्रधानीवरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर पद्धों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिमाणित है, वही
अर्थ होगा, जो उन प्रधानाय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से तुर्दि किमी ओय छी बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; पौर/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी ओय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ प्रत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

एक किता भकान दं० 67 ए० देहरादून ऋषिकेण रोड
ऋषी मिनेमा के पास ऋषिकेण में स्थित है तथा जो 14000/-
रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

अतः उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ए के अनुसरण में,
मैं उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ए की उपाधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारीयों अर्चात ।—

तारीख : 13-10-1980
मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

- (1) श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र कश्मीरी लाल निवासी
179 लूनिया मोहल्ला देहरादून (अन्तरक)
- (2) श्री एन० बॉ० कुरेशी पुत्र श्री स्व० एन० य०
कुरेशी निवासी 42 पलटन बाजार देहरादून
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 1519-ए०/देहरादून/79-8 ०—अन्तः मुझे,
वी० मी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि किसी स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्या 76 है तथा जो पलटन बाजार देहरादून
में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, नारीख 10-4-80

को पूर्वांक भंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वांकित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यान्वयन किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों की अधीक्षण:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मनुष्य

मकान जिनका नम्बर 76 पलटन बाजार देहरादून में
स्थित है जो कि 62000/- रु. में बेचों कर्यो है।

दी० मी० चतुर्वेदी
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घास,
269-व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, तारीख 3-10-80

निवेशक नं० 1513-ए०/देहरादून/79-80—अतः मेरे
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घास 269-व
के अधीन नम्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक है।

ओर जिसकी सं० 44, है तथा जो नम्रविनागोड़ में स्थित
है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट भूमि
है), 2जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, 2जि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 3-4-80

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि मध्यपूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों)
और प्रत्यरिति (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण,
निषिद्धि में वास्तविक रूप ने किया नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में मुविषा के लिए
घोर/मा।

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रथम प्रारितियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रविनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उन-कर प्रधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रत्यरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
था, छिराने में मुविषा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की घास 269-व के अनुसर
में, मैं उक्त अधिनियम की घास 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री विमलभर नाथ कपूर, पुत्र सुनदरदास कपूर
निवासी 44 नम्रविना रोड, देहरादून ।
(अन्तरक)
- (2) श्री यामाकपूर पत्ती एस० डी० कपूर, निवासी
4/11 कालका जी एक्सटैनमन, नई दिल्ली
110019
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोंत सम्पत्ति के प्रबंद्ध के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में जो आलोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी घन्य व्यक्ति द्वारा अधोदलताधारी के पास
निषिद्धि में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अहयाय 20 के परिभाषित हैं, वही पर्व होगा, जो उस प्रधिनियम में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक किना मकान नं० 044 नम्रविना रोड देहरादून
पर स्थित है और जो 30,000 ह० में बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-10-80

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० पृग०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

शारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, कानपुर

कानपुर, तारीख 5 नवम्बर 1980

निवेश नं० 196 वी०/कानपुर/80-81—अन० मूले
वी० मी० चनुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उच्च प्रधिनियम' बढ़ा गया है) की शारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वाप फॉर्म का कारण
है कि शारा सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

ओर जिसकी मं० 17/79 है तथा जो नवायगाहव अहाता
में स्थित है (ओर इसमें उपायद अनुबंधी में ओर पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी जिक्रार्ग के कान्यालय
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 2-4-80,

गो पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विज्ञान
करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गढ़ ह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (पन्तरकों) और
पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर जिनके लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर विविध में
वास्तविक रूप में नहीं बड़ी दिखा रहा है।

(क) अन्तर से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में
कभी करने या उसमें बदले में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) तेसी विसी ग्राम या किसी ग्राम या प्रत्य अस्तित्वों
को जिन्हें भारतीय प्राप-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

ग्रन्त: ग्रब, उक्त प्रधिनियम की शारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की शारा 269-घ की उपशारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—
4—406GI/80

(1) श्रीमती मरदार वेगम धर्मपत्नी डॉ स्व० जफर
हृमैन।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीकृष्ण श्रात्मज ला० गमा किशोर कैमर
वानीनिवासी 20/102 लारी पार्क गमनागामण
बाजार कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

लारी गांव के अर्जन के अन्तर्थ में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापीन में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर
स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

साल्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही
अर्थ होगा जो उक्त प्रधाय में दिया गया है।

अनुसंधी

एक किना मकान नम्बर 17/79 नवाब माहब का
अहाता कुर्मवा कानपुर में स्थित है जो कि 27000/रु०
में बेचा गया है।

वी० मी० चनुर्वेदी
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज़, कानपुर

तारीख: 5-11-80

मोहर:

प्रकल्प भाई० दी० एन० पृ० १०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के प्रत्येक सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6-11-80

निदेश नं० 3637-ए/कानपुर/79-80—ग्रन्त : मुझे
बी० मी० चन्द्रबेंदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 107/296 है तथा जो
अन्धा नगर कानपुर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण-अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 16-9-80,
को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमात्र
प्रतिफल के निए अन्तरित बी० गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमात्र प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमात्र प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और प्रबन्धक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से फ़ारित नहीं किया गया है।—

(5) अन्तरा से इँ हिसी आप की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दावितमें कभी
करने या उसमें बताने में सुविधा के लिए; और/या

(३) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य स्थिरगो
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
दर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
मयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रन्त: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपलाई (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्री दीपक कुमार मिश्रा पुत्र श्री विनोद कुमार
मिश्रा निवासी 107/296 अन्धा नगर कानपुर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सर्जु देवी पत्नी श्री बमललाल निवासी
7/90 तिलक नगर कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रत्येक सम्बात के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में फोड़ मी धाक्केप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रत्यधि
आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय इसी
अन्य अवधि द्वारा अधोवस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्वाक्षरण —इसमें पृष्ठ १० शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रतिनियम के अध्याय 20 के
परिवर्तित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

एक किला मकान नम्बर 107/296 एक मंजिला
बना है जिनका रकबा लगभग 160 वर्गमीट्री बाके अन्धा नगर
कानपुर में स्थित है जो कि 28,000/- में बेचा गया है।

बी० मी० चन्द्रबेंदी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-11-80
मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती आमागनी गुप्ता बी०-१२ ए० तिलकनगर
कानपुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती प्रेमा शर्मा निवासी 129/एल०/९ अली
जहीर माकट किदवई नगर कानपुर।

(अन्तरिसी)

भारत सरकार

कामोलब, सहायक आयकर आमूल्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 11-11-80

निदेश नं० 293 बी०/कानपुर/80-81—अतः मुझे
बी० भी० चतुर्वेदी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ब(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानर संपत्ति जिम्मेदार भूम्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० गकान 129/आई०/९ है तथा जो किदवई
नगर कानपुर में स्थित है (और उपावड्ड अनुसूची में पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 18-4-80को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उगते दृश्यमान अनिकाल में, एवं दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाल्तानिक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हहै किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने पा रसमें वर्तने में संग्रह के लिए,
और/या(ख) एंगां किसी अ.या किसी धन या अन्य आमितयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में संविधा
के लिए;बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मै. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यावितयों अर्थात्:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के 45 दिन की अवधि से तारीख में
45 दिन के भीतर स्थानर संपत्ति से हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।**स्पष्टीकरण:—**इनमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में पैरभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।**गद्दस्थी**एक फिला मकान नं० 129/एल०/९ अलीजहीन मार्केट
किदवई नगर कानपुर में स्थित है जो कि 95000 रु.
में बेचा गया है।बी० मी. चतुर्वेदी
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आमूल्य (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुरतारीख: 11-11-80
मोहर:

प्ररूप आइ^१. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

निर्देश नं० 1741-ए/दहरादून/80-81--अन्त : मुझ
बी० स० चन्द्रेशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि व्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य है तथा जो मोहनी रोड में स्थित
है (और इसमें उपावड़ अनुभूची में और पूर्ण मृग से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दहरादून में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नामिक 8-5-80

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में एंस दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिक्रिया, जिसने इसे उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(न) एंसी किसी आय या किसी बन या अन्य आमतया
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती कमला आत्मजीत गिह पत्नी आत्मजीत मिह
निवार्मी 7 ए/दहरादून (मोहनी रोड)।
(अन्तरक)

(2) डॉ संजय कुमार पहाड़ी पुत्र अमर बहादुर
पहाड़ी निवासी महाराजगढ़ काटमन्डू।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी बनक 'पूर्वांक ग्राहण' के अंत में
लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंत में सम्बन्ध में कोई भी आदाय—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर^२
उपनामी नामांतर ना दिया जाए, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तात्मकों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राप्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 7 ए० मोहनी रोड दहरादून में स्थित है जो कि
53916 रु० का बेचा गया है।

बी० स० चन्द्रेशी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

अन्त: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमति
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

नामिक : 6-11-80
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण),

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

निदेश 2025-ए०/सदा०/नम०/7०-८०—अतः मैं, वा०
मा० चतुर्वेदी:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदचारा 'उन और उनपर' कहा जाता है), की धारा
269-घ के अंदीन सक्षम शास्त्रज्ञानी को, यह विद्याग करने का
कारण है कि स्थानक सम्पत्ति, दिग्का उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसका मा० माहान न० 6/1234 है तथा जो भावोनगर
महाराजपुर में स्थित है (प्रोट इमो उपावड अनुभूति में और
पूर्ण घर में वर्णित है), रजिस्ट्रीसरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अंदीन, नारंग 9-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का लाभ है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के तिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृष्टेश में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहिं
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई दिया गया की बाबत उक्त अधि-
नियम के अंदीन उक्त दिये के अन्तरक के दायित्व
में कमों करने पर उसमें बचत में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) एसी दिया गया की बाबत उक्त अधि-
नियम के अंदीन उक्त दिये के अन्तरक के दायित्व
में कमों करने पर उसमें बचत में सुविधा के
लिए ; और/या

(ग) एसी दिया गया की बाबत उक्त अधि-
नियम के अंदीन उक्त दिये के अन्तरक के दायित्व
में कमों करने पर उसमें बचत में सुविधा के
लिए ; और/या

अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
मत्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपयारा
(1) के अंदीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति :—

(1) श. रामचंद्र अग्रवाल मुपुव लाला मीरचंद्र
तिवारी कदम ग्राम बहावड जिला मुजफ्फर
नगर द्वारा 4 आफ्फम एनेट निगला नगर अधिनियम।
(अन्तरक)

(2) श. विजय कुमार मुपुव श. गणदाम लाला तिवारी
महाराजपुर मोहना माधोनगर 6/1234।
(अन्तरित)

को पहली सूचना जारी होने पूर्वी। सम्पत्ति के अंदीन 6
दिन का अंदीन करना कराया जाएगा।

उक्त सम्पत्ति के अंदीन के अंदीन में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रत्यावाको तारीख ने 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
आमीन से 30 दिन की अवधि जो भी तत्वावधि बाद में
प्राप्ति हो तो तीव्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में या
दिसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजात्र में प्रत्यावाको तारीख से 45
दिन की अवधि तक स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वितीयों
प्रत्यावाको द्वारा, या द्वारा अन्तरिती के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त अब्दों और पद्धति का, जो उक्त अधि-
नियम के अंदीन 20-घ में परिभासित है, वही
अर्थ द्वारा, जो उक्त अंदीन में दिया गया है।

श्रुत्याकृति

सालिम पाठ मकान दक्षिण मुहाना एवं मजिला तम्बर
6/1223 थोकफल 373, 1/3 वर्ग गज मावोनगर महाराज-
पुर में स्थित है जो कि 48,000/- रु. में वर्ता गया है।

वा० मा० चतुर्वेदी
नथम प्रधिकारी
सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

नारंग : 15-10-80

मोहन :

प्रस्तुप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्वाचण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश मं० 2014-ग०/हरिहार/79-8०—अन्०, मुख्य,
बी० मा० चतुर्वेदी:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

अंग्रेजिम का मं० भूमि है तथा जो निरंजन आमद़ा में रिश्त
है (अंग्रेज इसमें उपाख्य अनुभूमि में छोड़ पूर्ण रूप से वर्णित
है), निम्नलिखित अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, नारीख 9-4-1980

को पूर्वोंका मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का
कारण है कि यथापूर्वोंका संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसें इष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दबने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27),
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबावा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुत्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री गंगदाम अर्जनजा पुब श्री स्व० अर्मस्चन्द्र
निवास, पा० मगान, जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) अ.मत. ऊरादेवी पुब श्री विष्णवर्णद्वयाल निवासी
2/10 दयावन्ती रेलवे कालोनी, देहली।

(अन्तरित)

परे यह सूचना जारी करके पूर्वोंका सम्बन्धित को अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्बन्धित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकंप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध बाद में समाप्त होती हाँ, के भीतर पूर्वोंका
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदध
किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 1050 बर्गफुट स्थित निरंजन आमद़ा हरिहार
में स्थित है जो कि 4000/- रु० में बेचा गया है।

बी० मा० चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निर्वाचण)
अर्जन रेज, कानपुर

लागेंब: 13-10-80

मोहर:

प्रस्तुत आईडी०एन०एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, महाराष्ट्र आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 2098-ए०/हरिद्वार/8 ०-४ १-०-०-ग्रन्त: मङ्गे,
बा० मा० चतुर्बेंदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेकास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० शेषपुण है तथा जो शेषपुण में भित्ति है
(और इसमें उपाबृ० अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रेकर्ना प्राधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में, रजिस्ट्रे-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 17-4-1980

को प्रवृत्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वार्ताविन
रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे-
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की नप्रधान (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पंचायति अब्दाडा निवासी; वनखल दाग मण्डल
रिश्वत नागरण पुर; मेकिटो उक्त अब्दाडा शिल्प
या कवितमुनि जा० महाराजा निं० उक्त अब्दाडा
कन्धव एवं ज्ञानापूरा (हरिद्वार) महाराज-
पुर। (अन्तरक)

(2) श्री म्वामी निरंजन नन्द जा० शिल्प श्री॒ म्वामी चन्द्र
शेखर गिरि जा० निं० मन्याम आश्रम लालाब
बहारिया वापुरथना रोड, जालनधर शहर।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके प्रांतीक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

एवं सम्पत्ति के अर्जन के गमनमय में कोई भी जामने :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दबारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृत-
बद्ध किसी अन्य घटित दबारा अधोहस्ताक्षरी के
पाय लिखित में किया जा सकेंगे।

प्रकाशनः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय गे० दिया
गया है।

अनुसूची

मुमि 78 22.6 वर्गफुट मिश्र शेषपुण उर्फ कन्धव
पर. ज्ञानापुर निश्च अटल अब्दाडा पर है, जो कि
39112.50 में बेचा गया है।

बा० मा० चतुर्बेंदी
मक्षम प्राधिकारी
गदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 13-10-80

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०————

आयोकर परिषिक्षणम्, 1961 (1961 का 43) की आरा

२६९म (१) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कागदिय भाष्यक आयकर आयवत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 1515-ग०/देहरादून/79-80—अन्. मंत्री,
वै० सं० चतुर्वेदी।

प्राप्तवार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अध्यात् 'उक्त प्रधिनियम, बोहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन मक्षम प्रधिनार्थी वा, यह विष्वास करने का नारग है तिस स्थान पर मणि, लिपा रचित बाजार में 25,000/- रुपये जो प्रधिक है

ओर जिम्बारे में मान 67 है तथा जो कृपिकेश में स्थित है (प्रीर इके उपावह अनुसन्धान में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), गोमट्यार्दी शविकार, के कारबलिय, देहरादून में, गोमट्यार्दी करण वर्णियम, 1908 (1908 नं 16) के अधीन, तारीख 7-1-80

को पूर्वोंता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और भुग्ये यह विषयासु करने का कारण है कि यथापूर्वोंका समाज का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण है जिए तब आप यहा प्रतिफल, निम्नविवित उद्देश्यों द्वारा प्रनालय विभिन्न में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया जाया है।

(क) प्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रविनियम, के प्रधीन कर देते के अन्तरक के वायित्व ने कमी करने या उसमें बचाने में सुविधा के लिए, शीर/या

(प) ऐसी किसी आवय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या मनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्ली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या कियाने में विद्या के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रभु सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के शासीक निम्नलिखित अविकार्यों ग्रथति -

(१) अमरनाथ अमृतकांड पत्नी शक्तिकृष्ण मिश्र निवारणी
चेतवे स्टेशन चोड लहरीपाल, तिया देहराड़न।
(अन्तर्गत)

(2) अमनः खेनकीर्ण पर्त्ति श्री परमार्थ ६/१४१
मुभाग नगर, नई दिल्ली -२८। (अन्तर्गत)

सो पह यत्ता जारी करके पुरी भगवानि के प्रत्यंत के लिए सार्वभूतियों करता है।

उक्ता कार्यनि के प्रर्क्षण के अस्तित्व में सोई भी प्राप्तेण :—

(c) इग सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि पर नएवारी अक्षितयों पर सूचना की तापीत । 30 दिन की अवधि, जो भी अग्रिध वार में अपार्ट होती है, तो भी 15 एवंद्वितीय अक्षितयों में से किसी अवधि नहीं;

(न) इस वृक्षता के सारंपत्र में प्रशासन की तारीख में 45 दिन का भीतर उत्तम स्थापन सम्भवि ते दिए गए हैं।
प्रत्य अक्षित द्वारा, अग्रह अधिकारी के पाप तिविजन
में दिए जा सकते हैं।

सर्वोक्तव्यः—इसापूर्व अद्दीपोत्तरों का, जो उक्ता अधिनियम के अन्याय 20-के परिभासित है, वही प्रयुक्त अस्ति या या प्रयोग में दिग्दाया ।

प्रत्यक्षी

एक फिल्म मकान दो कमरा आगे 2 पीछे व एक रसोई व एक बॉर्ड म्यूनिसिपल नम्बर 67 का भाग स्थित है अधिकारी (देहरादून) में स्थित है जो कि 23,000/- रु. में बेचा गया है।

वी० मी० चतुर्वेदी
मध्यम प्राधिकारी
महापक्ष ग्रामपाल ग्रामपूर्ण (निर्विक्षण)
श्रीजीत रेण्ज, कानपुर।

तारोः १३-१०-८०

मोहरः

प्रह्लप आई०टी० एन० एस०—

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा।

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर विनांक 6 नवम्बर 1980

निदेश सं० 1733-ए/देहरादून/79-80—अतः, मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है तथा जो मालवाला ग्रान्ट मुभाप
नगर देहरादून में स्थित है (और इससे उपावच अनुभूति में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
नय, देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 20-5-1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निभित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय की भावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी शाय या किसी धा या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
शनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
गुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

5-406GI/80

(1) नगरपाल द्वारा जाहेंगिह पुत्र सरदार भगवान
विह निवासी श्राम छाता खुद जिला अमृतसर
व वर्नमान निवासी मुभाप नगर परगना केन्द्रीयदून
जिला देहरादून।

(2) श्री विद्या मार्ग जुनेजा मुप्रिन्टेप्लिंग इंजीनियर
पुत्र श्री मध्यमिह जुनेजा जहेंगिह करता हाइड्रू
अविभाजित परिवार जिसके मदस्य खरीदार व
उनके पुत्र विद्या भूषण जुनेजा व विरेन्द्र जुनेजा
तथा पत्नि श्रीमती दुगदिवी हैं निवासी त्रिवेणी
इंजीनियर वक्तव्य लिमिटेड खतोली जिं० मुजफ्फर नगर
(अन्तरिती)

को पृ० सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त नियम के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति:—

(क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की
नामीन से 30 दिन की प्रतिधि, जो भी अवधि बाइ में
उपाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में
किसी अस्तित्व द्वारा;

(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अस्तित्व द्वारा, अधिकृताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

साडी हरण:— इपवें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधि-
नियम के अधाय 20 न में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकानपुल्ता जिसमें एक बराण्डा सिमेंट की चादरों
में छाया हुआ व योप लिन्टरोप है तीचे क सम्बन्ध की
1200 वर्गमृ या 1004 वर्गमीटर या 25 एकड़ भूमि
आवादी के प्लाटों में से प्लाट नम्बर 12 व 13 का भाग
व खसरा नं 710,715, 716 व 744 का भाग स्थित ग्राम
गालवाला ग्रान्ट मासमा मुभाप नगर पर० केन्द्रीयदून जिला
देहरादून में स्थित है जो कि 18500/ रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख: 6-11-80

मोहर:

प्रस्तुत आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निवेश सं० 1728-ए०/देहरादून/80-81—प्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट से अधिक है

और जिसकी मं० 20 है, तथा जो ई. सी. रोड में स्थित है (और इससे उपार्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुद्वय प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हृदै किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी रहते या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी श्रत या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

एक किता मकान नं० 20 का हिस्सा ई० सी० रोड देहरादून पर स्थित है और जो 41296 रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेंज, कानपुर।

प्रतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधीतः:—

तारीख: 10-11-80

मोहर:

(1) श्री एस० एन० बनर्जी, ए० एन० बनर्जी पुल डा० एन० जी० बनर्जी निवासी 248 ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री नन्दा दत्त पुनर कुलाना नन्द निवासी 28 काली-दाम रोड, देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन्ट के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन्ट के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की नापी न से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियाँ द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षियाँ द्वारा अधिवृद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभासित है, वही प्रय॑ द्वारा, जो उस प्रश्नाय में दिया गया है।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निवेश मं० 1727-ए/देहरादून/80-81—अतः, मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रभावात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 20 है तथा जो ई० सी० रोड, देहरादून
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख 23-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० एन० बनर्जी, ए० एन० बनर्जी, पुल
डा० एल० डी० बनर्जी, निवासी 248 प्रेटर कैलाश
नहीं दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री रेवतीनन्दन शर्मा पुत्र मंगतराम निवासी 321
चुकुवाला देहरादून।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी अवित्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 20 ई० सी० रोड, देहरादून पर
स्थित है और जो 40,318/- रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख : 10-11-80

मोहर :

प्रलूप आइँ. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निवेश सं० 2051-ए०/मुजफ्फर नगर/80-81—अतः,
मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी गं० मकान नं० 376 है तथा जो गान्धी
कालोनी में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुशूली में और
पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 11-4-1980

के पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से अधि० के दृश्यभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्यालय में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सक्षम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्ति:—

(1) श्री कश्मीर सिंह व दर्शन लाल पुत्र मोहरा सिंह
निवासी 1047 पंजाबी कालोनी कस्बा शामली
तह० कैराना, जिला मुजफ्फर नगर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजरानी पत्नी मोहनलाल निवासी
मकान नं० 230-गान्धी कालोनी मुजफ्फर नगर
गली नं० 22।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

एक किना मकान नं० 376 गान्धी कालोनी उत्तरी
जिला मुजफ्फर नगर में स्थित है जो कि 47500 रु. का
बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 10-11-80
मोहर:

प्रश्न प्राईं ८० श्री० एन० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा:
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत गरकार

कार्यालय, गद्यायक आय एवं आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निदेश मं० 220-वी०/गजियावाद/79-80--अन०, मृग, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिवाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० एकाठ नं० 6/19 आर० है तथा जो राजनगर गजियावाद में स्थित है (आंग इसमें उक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), गजियावादीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गजियावाद में रजिस्टर्टेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीब 15-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सुरक्षा के दृष्टिभाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूझे यह विश्वास करने का कारण है कि पश्चात्पूर्वोक्ता उत्तिवाजार मूल्य उसके दृष्टिभाव प्रतिफल में से एक दृष्टिभाव प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण नियमित में वान्निक रूप से नियन्त्रित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई किमी आय से गवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलयों को, जिन्हे भारतीय आनंद कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषासा (1) के अधीन, निम्नलिखित बासितयों, प्रवर्ति:—

(1) श्री गत्य प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री निवार्मी ९ लाज विनिंग रोड़नक रोड़, नई दिल्ली, ५, गुड व हैमियत मुख्यार आम आंग में श्रीमती श्रीगुप्ता निवार्मी ९ लाज विनिंग रोड़नक रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिक)

(2) श्री पी० सं० वाधवा पुत्र श्री एच० नी० वाधवा निवार्मी के० जे० १२१ कवि नगर, गजियावाद (अन्तरिती)

मैं यह भूतना नारी उक्त पूर्वावधि उत्तिवाजार में पर्याप्त लिए कार्यान्वयित्वों करता हूँ।

उक्त उत्तिवाजार के उत्तमता में दोषों का अवश्यकता नहीं है।

(क) इस पूर्वावधि के राजपत्र में प्रकाशन की नारीब से 45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती विविधाओं पर यूक्ता की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में माना होती है, के भीतर पूर्वोक्त विविधाओं में ने सिपा अवधि द्वारा;

(ख) इस पूर्वावधि के राजपत्र में प्रकाशन की नारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इन्हीं दरगा:—इतमें रुक्त गवदों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अक्षय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता। एकाठ नं० आर०-6/19 क्षेत्रफल 813-33 वर्ग-गज पट्टेदारी है जो कि राजनगर गजियावाद में स्थित है जो कि 26,839.89 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर।

नारीब: 21-11-80

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी• एन• एस•-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निदेश सं० टी० आर० नं० 1121-अर्जन/आगरा/79-80—
अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० आराजी है तथा जो आगरा में स्थित है
(प्रीत इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
23-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान पतिहन के लिए अक्षरता की गई है प्रीत मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अंधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, भिन्नतिभिन्न
उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अक्षरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब्र, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन तिन्तिवित अक्षियों, प्रथात् :—

(1) श्रीमती अनिलकुमारी यादव पत्नि श्री रामचन्द्र सिंह यादव निवासी ए०/१ लोयर्स कालोनी बाई पास रोड, आगरा
(अन्तरक)

(2) श्री अशोक महाजन, अजय महाजन व संजय महाजन पुत्र श्री केशोराम महाजन निवासी ६/२९० ए० रानीवाला घेरा, बेलन गंज, आगरा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्लियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्लियों में से किसी अविक्लिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य अविक्लिय द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रत्यक्ष शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता आराजी संख्या 787 रक्षा वस विस्वासी व 988/1 रक्षावाह विस्वा जाके मौजा मऊ पर० जिला आगरा में स्थित है जो कि 90000/- रु० की बेर्थी गयी है।

बी सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-11-80

मोहर:

प्रखण्ड आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती सुशीला रानी पत्नि रत्न सिंह निवासी जयपुर जिला जयपुर, राजस्थान।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसंबर 1980

निवेश सं० 2056-ए०/मु० नगर/80-81—प्रतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो भगत सिंह रोड में स्थित है (और इसद्वे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फर नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-6-80

के पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भवे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

एक कित्ता मकान मौजा गोडायान भगत सिंह रोड, मुजफ्फर नगर में स्थित है जो कि 60,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख: 2-12-1980
मोहर:

प्रकल्प प्रार्थी श्री० एन० एस०—
आयत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार
साम्राज्यिक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 2068-ए०/सहारनपुर/79-80— अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
या जारी है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है तथा जो राजपुताना में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रुड़की में
गजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24-4-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ती सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण है तिए तथा आगे गढ़ा प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उस अन्तरण नियन्त्रित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(a) घन्तारण ने तुझे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
1961 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रतीक्षार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाता चाहिए या कियाने में
ग्रविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तुष्ण गुमार पुा रु० बाबूविश्वास रवमा
वैय्य प्रग्राम निवासी मिलिल लाइन रुड़की
परगना तह० रुड़की, जिला सहारनपुर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्वरूप देवी विधवा लाला मीनाराम
बजनेश्वर दाम व बणेश्वर दास पुत्र श्री लाला
मीनाराम निवासी पत्थरवाली गली कस्बा रुड़की
परगना तह० रुड़की, जिला सहारनपुर
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त गम्भीर के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
अमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में हिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्यात्र 20-क में परिभाषित हैं, वरी
पर्यंगीय, जो उस अध्यात्र में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान राजपुतान रुड़गी परगना रुड़की जिला
सहारनपुर में स्थित है जो कि 40,000/- रु० में बेचा गया
है।

श्री० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
साम्राज्यिक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 2-12-80
मोहर:

प्रस्तुप आइ^१. टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निवेदन सं. 3051/ए०/हरिद्वार-80-81—ग्रन्ति, मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो बड़ा बाजार हरिद्वार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुपूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 3-5-1980

को पूर्वानुसार संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिपाल के लिए अन्तरिक की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने को कारण है कि अपापद्वायत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उम्मेद दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिक्षियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यानुसार नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई^२ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बी०/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्ति वास्तवियों
में, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

6-406 G T/80

(1) श्री आर० श्री पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार शाह
निवासी 5, भगवानदास रोड, नई दिल्ली ।
(प्रत्यक्ष)

(2) श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्री हरबन्सलाल,
अनिलकुमार, देवन्द कुमार पुत्र श्री हरबन्सलाल
निवासी गंगाटकीज हरिद्वार जिला सहारनपुर
(अन्तरिक्षिया)

को यह सूचना आरो करके पूर्वानुसार सम्बति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्बति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस ओं 45
दिन की अवधि या सत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वानु
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में अन्तरिकी त्रैरंगा में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लाभ में विहार जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकृत
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

एक किता मकान बड़ा बाजार हरिद्वार जिला सहारन-
पुर में स्थित है जो कि 90000/-रु. की बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 21-11-80

मोहर :

प्रकाश प्राईंट ट्री० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निदेश नं० 2085-ए०/मंसूरी/80-81--अतः, मुझे, वी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अंदरीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो संडोर कैण्ट मंसूरी में स्थित है, (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मंसूरी में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का फ्रॅक्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षितियों, अथवा :—

(1) वी० कमीशन आफ एकूमेनिकल मिसन एण्ड रिलेशनस आफ वी० यूनाइटेड प्रेस वार्क ट्रेसियान इन दी, यू० एस० ए० द्वारा मिस्टर राबर्ट कोपले निवासी 14 बीरबल रोड, जंगपुरा, एक्सटैण्शन, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) एयर मार्शल पी० सी० सन्तरा और श्रीमती पूथा सन्तरा निवासी हमेन्ट हाउस, लंडोर कैट, मंसूरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में जाइ या आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्राप्ति, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राप्ति अक्षितियों में दियी जानी द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा रहे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख पात्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित है, वही अर्थ होगा, और उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूरी

एक किता मकान हमेन्टलहाऊस और सान्ता स्टेट लंडोर कैट मंसूरी, में स्थित है और जो 34,000/-रु० की बेची गई है।

वी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-11-80

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निवेश सं० 173-ए०/देहरादून/79-80--अनः, मुझे,

बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 15 है तथा ओ डिस्पेंसरी रोड,
देहरादून में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है),), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-5-80

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायदिल में कमी करने या उसमें बचने में सूचिभा
के सिए; और/या

(1) श्री रायबहादुर उप्रसेन पुत्र लक्ष्मीराय जैन निवासी
15-डिस्पेंसरी रोड, देहरादून
(अन्तरक)

(2) श्री केवल कुमार ओहरा पुत्र श्री खेमचन्द्र ओहरा
निवासी 5/1 लेटीन रोड, देहरादून
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था छिपाने में
संविधा के लिए;

एक किता मकान नम्बर 15 डिस्पेंसरी रोड, देहरादून
में स्थित है जो कि 35,000/- रु. का बेचा गया ।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख: 21-11-80

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निवेश नं० 184बी०/कानपुर/80-81—अतः, मुझे, भी०
सी० चतुर्वेदी,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन प्रधन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 3/141 है जो विष्णुपुरी में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रायुक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाठ्य नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायदीन में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रबृ, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम, प्रथातः—

(1) श्री जमुना प्रसाद दुबे, पुत्र श्री जगन्नाथ प्रसाद दुबे निवासी 253 फेलुगंज, कानपुर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीला मेहरोत्ता पत्नी श्री आनन्दब्रह्मन मेहरोत्ता 113/35 स्वरूप नगर, कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, इसी मर्यादा की तारीख से दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 3/141 विष्णुपुरी कानपुर में स्थित है जो कि 98000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-12-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निम्न नं० 195 बी०/कानपुर/80-81—अतः; मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
स के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानदर संपत्ति क्रिया उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. के अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 120/255 है तथा जो नरायणपुरवा,
कानपुर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 7-4-80

को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल से अधिक है और इसके अन्तर्भूत विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यांत्रिक प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
एवं वास्तविक रूप से ज्ञान गया है।—

(क) अन्तरण से ह्र० किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दीजे के अन्तर्क के वायित्व में
गमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय शब्दकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीती दृश्यांक प्रकट नहों किया जा-
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ (1) ज्ञानान (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जगदीश कृष्ण चौपडा थल्ड दीवान बी० डी०,
चौपडा निवासी 120/255 लाजपत नगर कान-
पुर हाल 60/7 शर्वन स्टेट, गुडगांध हरियाणा
प्रान्त ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र मोहनी गुलाटी पत्नी मुदर्शन कुमार
गुलाटी निवासी 120/255 नरायणपुरवा, कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्खांकित सम्पत्ति के अर्जन वो लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्ता मत्तिया को उक्त वह स्थान में कोई भी जाकरेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि तक उपलब्ध करायें। पर सूचना
वही दासीन हो जा सकती है। तिन दिन की अवधि, जो भी अवधि
दो दो ग्रन्ति होती है, वह भी अवधि पूर्खांकित
व्यक्तियों में ग्रन्ति व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रस्तुतीकरणः—इनका अनुकूल शब्दों और पर्दा का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-के परिमाणित
हैं, वही शब्द और जो उन अन्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

एक किता मकान नम्बर 120/255 नरायणपुरवा, कानपुर
में स्थित है जो कि 1,10,000/- रु. में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
मन्त्रालय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-12-1980
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) पोद्दार सन्स लिं, पोद्दार चैम्बर्स, एस० एन्नलवी
रोड, बम्बई नं० 400001

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निवेश नं० 3033-ए/संस्की/80-81—आतः, मुझे, वी०
सी० चतुर्वेदीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं० औंसा अनुसूची
में है तथा जो अनुसूची में है में स्थित है (आंदर
इससे उपावरु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीफर्टा अधिकारी के कार्यालय, बाम्बे में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-5-80को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः :--(2) के० एण्ड एम० इण्डस्ट्रियल फायरेंस, टेंडिंग कम्पनी
प्रा० लि० पोद्दार चैम्बर्स, पांचवी मंजिल
एम० एन्नलवी रोड, बाम्बे-400001

(अन्तरक)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोहे भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वाक्षरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किसी मकान एक मंजिला वी माल तथा कैमिल
बैक रोड के बीच में मंसूरी में स्थित है जो कि 1,05,000
रु० में बेचा गया है।वी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 2-12-80

मोहर:

प्रह्लप प्राईंटींएन्‌एस्-

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 विसंबर 1980

निवेश सं० 3638-ए०/कानपुर/80-81—प्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट 6/25 है तथा जो पारवती वागला रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्रत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या नियंत्रण जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवार्ति :—

(1) श्री हरिकृष्ण प्रग्रावाल पुत्र श्री बृजकिशोर प्रग्रावाल निवासी 48/76 जनरलगंज, कानपुर

(अन्तरक)

(2) डॉ अमरनाथ सेठ पुत्र श्री रामनाथ सेठ निवासी 15/82 सिविल लाइन, कानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त व्यक्ति के अजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजंन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भवोद्दस्ताखरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किना प्लाट नम्बर 6/25 पारवती वागला रोड, पर स्थित है प्लाट का क्षेत्रफल 500 वर्गगज है और जो 22,500 रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वदी
सक्षम प्राधिकारी
नियंत्रण याचक अनुसूचित (निरीक्षण)
अजंन रेज, कानपुर

तारीख: 4-12-80

मोहर:

प्रस्तुत आद्य.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश नं० 3116-ए०/कैराना/80-81—अतः, मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो कैराना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और गुण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ना अधिकारी के कार्यालय, कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण संलग्न किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, भू. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री हिरदेवाम व कपूरचन्द्र
पुत्र श्री अमनसिंह देवेश अग्रवाल छस्ता
कैराना मीहल्ला चाह जोड़वा पर० तह० कैराना
जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरक)

(2) श्री गुरवरन सिंह, मादासिंह, हरभजन सिंह पुत्र
श्री लाभ सिंह व इस्तरसिंह पुत्र श्री लद्धा सिंह
निवासी ठिरवा माजरा डा० जलमाना जिला
करनाल, हरियाणा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

माझी 26-9-10 पुल्ता भूमि ख० 108628/2-1-
0-8629/5-0-00-8649/2-19-0, 8650/8-9-0 नं०
8655, 8-0-10 कुलपात्रकिलेगानीमु० 0185-65 एसेस
वार्षिक बाके कैराना पर० व तह० कैराना जिला मुजफ्फर-
नगर में स्थित है जोकि 1,06,000/- रु० को बेची गयी है।

बी० सी चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-12-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश नं० 3023-ए०/खुर्जी/80-81—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो खुर्जी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरणी अधिकारी के कार्यालय खुर्जी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

6-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष्मध्ये प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमाणित :

7 —406 GI/80

(1) मु० कल्लो पत्नी चन्द्र सिंह निं० कोठीगेट हापुड जिला गाजियाबाद
(अन्तरक)

(2) श्री राजेश्वर दयाल व सुशील कुमार (नावालिंग)
संरक्षक व पिता श्याम लाल, शान्ति लाल पुढ़ लकड़ी सिंह निं० कोठी गेट खुर्जी, (बुलन्दशहर)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त नहीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होंगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुष्यादी

कृषि भूमि ग्राम खुर्जी भन्दरखुंगी जिला बुलन्दशहर में स्थित है जो कि 61,200/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीखः 2-12-80

मोहरः

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसंबर 1980

निवेश नं० 3015-ए०/रुड़की/80-81—अतः, मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसको 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में कृषि भूमि है तथा जो ग्राम झवरेडी में
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, रुड़की
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 15-5-80

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) एंग्री पिसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरबन्न पुत्र श्री रिमाल निवासी झवरेडी
कला परा० मंगलोर तह० रुड़की, जिला सहारनपुर
(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र व रामानन्द व चतुरपाल पुत्र बरवा
व जयपाल व इन्द्रपाल पुत्रण सुलतान व सत्य-
पाल व जिजेन्द्र व विनोद व विसन व बालिस्तर
पुत्रण मुखराम व दुज्जा पुत्र सुककड निवासी
बूडपुर परा० मंगलोर तह० व जिला सहारनपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के भी परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 248 रुक्ता 15 बीचे 11 बिस्ते 15 विस-
वासी पुक्ता लगानी 128 रुपए में 45 पैसे बाके ग्राम झवरेडी
कला परा० तह० जिला सहारनपुर में स्थित है जो कि
38,579 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 2-12-80

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निवेश नं० 3044-ए/नकुड़/80-81—अतः मुझे, बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ((जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो बुडाखेड़ा में स्थित है (और
इससे उपांच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नकुड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करी करने या उससे बचते में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् १--

(1) श्रीमती मु० कृष्णी देवी पत्नी लालाबेनी प्रसाद अग्रवाल
निवासी सहारनपुर मोहल्ला मिसरान खातापार
(अन्तरक)

(2) श्रीमती नजमा बेगम पत्नी मोहम्मद मिया खाँ
निवासी सहारनपुर मोहल्ला पिलखन तला व श्रीमती
जरीना बेगम पत्नी हाजी शफीप अहमद निवासी
मो० चबखादारान सहारनपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमिग्राम 15-14-25 मौजा बुडाखेड़ा परा०
सुलतानपुर तहा० नकुड़ जिला सहारनपुर में स्थित है जो कि
70000/ रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 1 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्रकल्प पाई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत चारकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निवेश नं० 2093-ए/सहारनपुर/79-80— अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 14/210 है तथा जो कुतबशेर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-5-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कह देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने वा करने वाले सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आम वा किसी वन्धु वा वन्ध्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अस्ति :—

(1) श्री प्रलता फर्हदमान पिसर हाफिज प्रबद्ध मरहूम निवासी सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री हाजी बशीर अहमद पुत्र श्री दिलदार अहमद व सरफराज अहमद पुत्र श्री हाजी बशीर अहमद उर्फ निवासी जी० दी० रोड़ कस्बा सिकन्दराबाद, जिला बुलन्दशहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रद्याय 20-क में यथा परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान 14/210 मोहल्ला कुतबशेर जिला सहारन-पुर में स्थित है जो कि 35000/- रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 2 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट हो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

निदेश नं० 287 बी/कानपुर/80-81—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 113/53 है तथा जो स्वरूप नगर कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्व संर्वेषण है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 21-4-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्भत्रु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिक्षी (अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया यथा है।—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बदले में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या क्रम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन विव्लिखित अवक्षियों, अर्थात्—

(1) श्री मनमोहन सक्सेना पुत्र सरदा प्रसाद सक्सेना 7/105 सी० स्वरूप नगर कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एस० चौधरी पुत्र श्री एम० एल० चौधरी निवासी 112/367ए, स्वरूप नगर कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आलेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाव 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उन प्रधायाव में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 113/53 स्वरूप नगर कानपुर में स्थित है जो कि 1,17,092.50 पैसे में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 5 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुत आइं. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 नवम्बर 1980

निवेश सं. 217 श्री/गाजियाबाद/80-81—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो लोहिया नगर में स्थित है (और
इसमें उपांचद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-4-80
के पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाता गया प्रति-
फल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अनुरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है—

(क) अनुरण से हूँ इनकी कोई बात उक्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अनुसिती दूवारा प्रकट तरीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अहं बड़, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा किया—

(1) श्री विजय कुमार अग्रवाल पुत्र श्री कान्ती प्रसाद
अग्रवाल निवासी घर्ष सी, 62 नेहरू, नगर गाजियाबाद
तहसील जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री महिप नरायण व श्री अशोक नरायण पुत्र श्री
नरायण दत्त निवासी 87 'ए' गोतम नगर नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर संपत्ति भौत-
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्तानरी के
पास निवित्त में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

बन्दूची

एक किता प्लाट सी, 22-क्षेत्रफल 485 वर्ग मीटर स्थित
लोहिया नगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि 48,542 रु.
में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 27 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन०एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निदेश नं० 1127 फिरोजाबाद/8 0-81—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन गक्षण प्राधिकारी को, यदृ विश्वास करने का कारण है कि स्थान पर सम्पत्ति, जिन्हाँ उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० कृषि भूमि है तथा जो सुखमलपुर में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-5-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी/किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रहृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नत्थीलाल पुत्र विश्वनुलाल व श्री मती सरदादेवी पत्नी दलबीरसिंह निवासी सुखमलपुर निजमाबाद फिरोजाबाद जिला आगरा

(अन्तरक)

(2) जनता गृहनिर्माण समिति लि० फिरोजाबाद द्वारा द्वेष्वन्द्व पुत्र श्री लाला रमेश्वर दयाल निवासी जलेश्वर रोड फिरोजाबाद, सचिव, उपरोक्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्य व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अर्थ व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिपालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्राराजीगाठा सं० 373 रकबा दो बीघा दसविस्वा 3756 बीघा 6 बिस्वा व 400 रकबा 3 बीघा आठ बिस्वा आराजो 12 बीघा 4 बिस्वा पांच विस्वासी पोकता बाके मोजा-सुखमलपुर निजमाबाद, फिरोजाबाद में स्थित है जो 35,000/- रु० की बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 21 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप् आहै. टो. एन. एस.—

(1) श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री रामलाल निं० सहारनपुर मोहल्ला कुज्जात

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निवेश नं० 2094-ए०/पी०एन/सहारनपुर/79-80—अतः
मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो कुज्जात में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-5-80
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरीत
(अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से की थी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे कमने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

62) श्री पिरथी सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह
निवासी सहारनपुर मोहल्ला मिस्सर मुरार

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद भैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
ब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता भकान नं० 10/3970 मो० कुज्जात हृकूक
सहारनपुर में स्थित है जो कि 45000/ रु० की बेची गई
है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 21 नवम्बर 1980
मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1980

निकेश नं. 1736 प/देहरादून/79-80—यतः, मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 114 है तथा जो गोविन्द नगर देहरादून
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 13-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

8-406GI/80

(1) श्रीमती सुरेन्द्र कौर जुनेजा पत्नी श्री के० बी०, एस०
जुनेजा निवासी 139 एल मंडल दाउन
होमियारपुर, श्रीमती निहालकौर पत्नी श्री दलीपसिंह
जुनेजा मकान नं० 114 गोविन्द नगर, देहरादून
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कोमला देवी पत्नी श्री जानचन्द्र निवासी
रेसकोर्स देहरादून 46 देहरादून
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्पुरी से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक छाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 114 ग्रोलूड नम्बर 11 डी गोविन्द
नगर देहरादून में स्थित है जो कि 38,000/- का बेजा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 21 नवम्बर 1980

मोहर :

महाप्रिहः, डी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयदत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश नं० 5038-ग/मुजफ्फर नगर/80-81— अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो उदयवाली में स्थित है
(और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनेयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-5-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे घृ विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाण्य गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वाल्मीकि-
षण से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दारिग्रह में
कमी करने या उससे बचने में सहाय्य के लिए
और/या

(म) गांसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पायोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहाय्य
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मुरेन्द्र शिंह पुत्र श्री रामचन्द्र योग्यलाल पुत्र लक्ष्मण
मिह निवासी ग्रामउ दयवाली गोरखन पर० तह०
मुजफ्फर नगर
(अन्तरक)

(2) मामा चन्द्र पुत्र श्री भगीरथ मिह व श्री शरवती देवी
पत्नी भीमचन्द्र व श्री राजकुमार पुत्र श्री मामचन्द्र
व श्रीमती मधुवाला पत्नी श्री राजकुमार निवासी
चौकबाजार जगाधरी हरियाणा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेष।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या इत्यम्बन्धी व्यक्तिगत पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

साझेकरण:—इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ छोगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, नं० 25, 49 का 1/2 भाग बाके ग्राम उदयवाली
पर० गोरखन जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है जो कि 31387
रु० की बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 2 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री अतर हुसेन पुत्र दुल्ला निवासी तिगरी
डा० खास तह० व जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निंदेश नं० 3041-ए/मु० नगर/ 80-81—अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 424 है तथा जो मौजा तिगरी में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 30-5-80

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह पतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरीतिश्च) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्राप्ति-
फल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

प्रधानमंत्री:—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

कृषि भूमि नं० 424 रकवाई, 9-17-10, ग्राम तिगरी
पर० व तह० जिला मुजफ्फर नगर में स्थित है जो कि 60000/-
रु० में बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, दो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्ननिखित व्यक्तिश्च अर्थात् :—

दिनांक : 2 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 विसम्बर 1980

निदेश नं० 3013-ए/ बुलन्दशहर/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० कृषि है तथा जो औरंगाबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-5-80 को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इसकी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री बाबू राम पुत्र श्री कुन्दन निवासी कस्बा औरंगाबाद पर० बरन जिला बुलन्दशहर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चमेली धर्मपत्नी मुकन्दी श्रीम ती हरप्यारी पत्नी रामरतन निवासी औरंगाबाद परगना जिला बुलन्दशहर

(अन्तरिती)

क्वो यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 4-15-8 ग्राम औरंगाबाद पर० बरन जिला बुलन्द शहर में स्थित है जो कि 73,500/रु में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 2 विसम्बर 1980
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् E—

प्रस्तुप आइ^१, टी. एन. एस. - - - - -

(1) श्रीमती विश्वनदेशी पत्नी चमनलाल
निवासी रुडकी जिला सद्गुरनपर

(प्रत्यक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं।

धारा 269-ब (1) के अधीन संचाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निर्देश मं० 3028-ए/सहारनपुर/80-81—अतः मुझे, ब्री०
सी० खतुख्यदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-से के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिस की सं० कृषि भूमि है जो ग्राम सिम्मा में स्थित है (और
इससे उपायद्वयनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्स अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-5-8
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है : -

(2) श्री गुरदीप सिंह व रणबीर सिंह व सुरेन्द्र सिंह
पुत्र श्री दयाराम सिंह महेन्द्र सिंह पुत्री श्री
कृष्णसिंह निवासी गजमाला तहां थानेसर (कुरुक्षेत्र)
डिसियाणा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह्यं भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वानुकूल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हैंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

४८५

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

कृषि भूमि ग्राम सिम्मा तकी गुजरात पर ० हरोडा जिला सहारनपुर में स्थित है जो कि ९२,५०० रु० में बेची गई है ।

बी० स०० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 2 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I एच ब्लाक, विकास भवन, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसंबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू-I/एस० आर०-III/4-80/
151—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मूल्य 17 छटा हिस्सा कृषि भूमि है तथा जो 17 बीघा
17 विस्वास गांव संभालका तहसील महरौली से रिपत है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-4-80
का प्रति न गांवाल का दोजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल न होना अन्तरित का गई है और मूल्य दृश्यमान
करने का कारण है कि वथायांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उगक दृश्यमान प्रतिफल में, एवं दृश्यमान प्रतिफल का
दृश्यमान न होना अन्तरित का गई है तथा अन्तरित (अन्तरित) जा अन्तरित
(अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा यात्रा गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्त्रिक
रूप में कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गंभीर
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यांकितयों अर्थात्:—

(1) श्री जवाहर सिंह पुत्र श्री चन्द्रपी
गांव संभालका तहसील महरौली नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) मैसर्स टी० ई० पैटरसन इण्डिया प्रा० लिमिटेड
जे-162 राजोरी गार्डन नई दिल्ली वाया
डायरेक्टर डी० डी० धवन पुत्र हरनाम दास
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन दो अपार्प द्वारा अन्तरित व्यांकितयों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यांकितयों में से किसी व्यांकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारोहस्ताक्षरी के
पास लिंगित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के से परिभासित
हैं, वहाँ वर्ण होता जो उम अध्याय से दिया
गया है।

अनुसूची

छटा हिस्सा कृषि भूमि परिया 17 बीघा 17 विस्वास,
एम० नं० 2 कित्ता नं० 8 (1-6), 12 (4-16), 13(4-16)
15/2 (2-3) गांव संभालका नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक 10 दिसंबर 1980

मोहर :

एस्टा. बाई० हौ० एस० एम०

(1) श्री हरबन्स राय राही पुत्र मूल्ख राज साही
101 भुमत बाजार, शोगल, नई दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, विकास भवन, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/ एम०आर-III/४-८०/

123—अतः मुझे, आर० बी० एस० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिस की सं० एम-340 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावस्था ग्रन्तमूल्य में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 26-4-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
एसें अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तर्क के शायत्व में
कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से मूल्य
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति ।—

(1) (1) श्रीमती रमन आनन्द पत्नी अशोक आनन्द
डी-289 डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली
(2) श्रीमती प्रवेश बोहरा पुत्र एम० बी० बोहरा
17ए/62 डब्ल्यू हॉ० ए० करगल बाग
नई दिल्ली
(अन्तरिती)

के प्रह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त व्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में निम्न व्यक्ति द्वारा,
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
मूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 340 ब्लाक एस 204 वर्गज ग्रेटर कैलाश
नई दिल्ली गांव याकूतपुर नई दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है :—

पूर्व—प्लाट नं० एस-342

पश्चिम—प्लाट नं० एस-338

उत्तर—एस लेन

माउथ—रोड

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I विकास भवन, एच ब्लाक,
द्वंद्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एम् एस्—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एम्ब० १/ए० आर०-III 4-80/
156—ग्रामकर मुझे, आर० बी० एल० प्रग्राम

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए रो प्रधिक है।

और जिसकी सं० एच 8 है तथा जो हौज खास इन्कलेव नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-4-80

मां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्दह प्रतिशत से अधिक है और ग्रामकर (ग्रामकरों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी ग्राम की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, प्रांग/पा;

(ब) ऐसो किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, गे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविषयों, प्रार्थना:—

(1) श्री सुरेश चन्द्र एच-7 हौज खास इन्कलेव
नई दिल्ली-16

(अन्तरक)

(2) मैसमं प्रीमियर प्लार्टमेन्ट्स प्रा० लि०
1205 न्यू दिल्ली हाउस 27 बाराबाब्दा रोड
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जारीकरिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याधेण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा अधिकृताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संघीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला जो कि फी होल्ड रेसिडेंशियल प्लाट आफ लैंड नं० 8 ब्लाक नं० एच जो कि 504.2 वर्ग गज और 421.62 वर्ग मीटर में हौज खास इन्कलेव में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—मकान नं० एच-१

पश्चिम—रोड

उत्तर—रोड

दक्षिण—मकान नं० एच०-७ए

आर० बी० एल० प्रग्राम
सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, विकास भवन, एच ब्लाक,
इन्ड्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 10 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट दी० एस० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक
(आई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-I/एस० आर० JII/4-80/

124—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
को धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एस-83 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 26-4-80 को
पूर्वोक्त प्रमाणिति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रमाणित ही नहीं है और मूल्ये यह विष्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़
प्रतिफल से प्रधिक है और अन्तरक (प्रधरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमाणित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन को देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के
लिए और/या

(घ) दूसी किसी आय या किसी बदल या अन्य आस्तियों
को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया
जाना चाहिए था, जिपामे वे सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपशारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

9-406GI/80

(1) श्री उज्जगर सिंह पुष्प पूरम सिंह
65/66 रोहतक रोड
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) पोदार कन्स्ट्रक्शन कं० प्रा० लि०,
एफ-3 कैलाश कालोनी
नई दिल्ली-48

(अन्तरिती)

मैं पृष्ठ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताशरी के बास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के पद्धत्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्ती नं० एस-83 ग्रेटर कैलाश II 300 वर्गगज नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक,
इन्ड्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० ए० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, विकास भवन, एच ब्लाक,
(आई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-1/एस आर-III/4-80/
68—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25.000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी मं० एम-384 है तथा जो एटर कैलाश-II, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 11-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत उक्त प्राधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी
करने गा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपावड़ा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारीयों 'अर्थात्—'

(1) श्री रवि किरत मल्होत्रा पुत्र सदन लाल मल्होत्रा
21 बैन्टिक स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) लेफिट० कर्नल कंवलजीत सिंह (गिटार्वर्ड)
पुत्र एस० हरवन्स सिंह
जी-360 डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद
में समाप्त नहीं हो, के भानर पूर्वोक्त अविक्तियों में
में किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सातीं तरण :—इनमें प्रपुक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 384 ब्लाक एस 297 वर्ग गज एटर कैलाश
पार्ट-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—सर्विस लेन

पश्चिम—रोड

उत्तर—प्लाट नं० एस-380

दक्षिण—प्लाट नं० एस-386

प्रार० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, विकास भवन, एच ब्लाक,
इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक,
(आई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002 दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० मं०/एम्ब०-1, एस० आर०-III, 4-80/
28—प्रतः मुझे, आर० बो० ए० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसको सं० 1/2 हिस्सा एम 34 प्लाट में है तथा जो ग्रेटर
के नाम-II नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, 1908
1908 (का 16) के अधीन दिनांक 3-4-80 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाधार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रो नवीन कुमार भाटिया डब्ल्यू-41
ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली:

(अन्तरक)

(2) श्रामिक हरबन्स कौर गुरु नानक भवन
राजू शाह लेन, मुजफ्फरपुर (बिहार)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा प्लाट नं० एम-34 ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली
195 वर्ग गज के एरिये में निम्न प्रकार से स्थित है:—
पूर्व—रोड
पश्चिम—रोड
उत्तर—हाउस नं० एम-33
दक्षिण—हाउस नं० एम-35

आर० बो० ए० अग्रवाल
गठम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक
इन्ड्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 10 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक

आई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस आर- /4-८०/ 29—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० आधा हिस्सा प्लाट में एम-34 है तथा जो ग्रेटर कैलाश- नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमति में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के फ्रॅट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता प्रतिरक्षण नियित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धागा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति :—

(1) श्रीमती राजकुमारी भाटिया

डब्ल्यू-41 ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह गुरु नानक भवन

राजू गाह लेन, मुजफ्फरपुर (बिहार)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा प्लाट नं० एम—34 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में 195 वर्गगज में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—रोड

पश्चिम—रोड

उत्तर—मकान नं० एम-33

दक्षिण—मकान नं० एम-35

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी

सदायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक,

इन्ड्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I विकास भवन, एच ब्लाक,
(आई० पो० इस्टेट) नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एस० आर०-III/4-80/
115—अतः मुझे, आर० बो० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इतने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधार सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसका संख्या कृषि भूमि 4 बोधा 16 विश्वास है तथा
जो जीनपुर, नई शिला। ई में स्थित है (ओर इसमें उपाखड़
अनुपुर्वों में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-4-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रमत्रित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रदानुरूपन सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यामा
गया प्रतिकरण, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निश्चित में
शास्त्रिक रूप से कर्तृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
प्रतिनियम के धनीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रतिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रतीतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी बात काहिं था, छिगाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुभवों
में, भी उक्त प्रतिनियम को पारा 109-प ई उपकारा (1)
अन्तीन निम्नलिखित अधिकारी, अवक्ति :—

(1) श्रोमती बस्तों पत्नी मनोराम अपने लिये एवं श्री जी०
प० श्रोमती पुत्र मनोराम अन्ती श्रीमती पुत्री मनीराम
तेज राम खजान पुत्र राम प्रसाद हरदेवी विडो धर्म सिंह
रामलाल हरकेश पुत्र धर्म सिंह संस राम पुत्र शंकर
गांव जीनपुर, नई दिल्ली।

(आन्तरक)

(2) आईशर टेक्टर्स इन्डिया लि० 212 दीनदयाल
उपाध्याय मार्ग नई दिल्ली बाया सेक्टर। और जी० ए
श्री एन० एस० श्रीनिवासन पुत्र लेट श्री एन० सुन्दरेसा
अथव निवास डब्ल्यू-५७ ए प्रेटर कैलाश-I
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के योग्य में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में नितान्त
किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :— इनमें प्रयुक्त गठों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्णित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एरिया 4 बोधा 16 विश्वास खमरा नं० 16/1
गांव जीनपुर, नई दिल्ली

आर० बो० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I विकास भवन, एच ब्लाक,
दल्लू प्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एस.—

प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक,

(प्राई. पो.० हस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई विल्ली-110002, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० स०/०/एम्य०-१/एस आर-III/४-८०/

११४—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा यात्रा है), की धारा 269-व
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि 4 बीघा 16 विस्वासी है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 23-४-८०
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रभारित की गई है और मुझे यह विवाद करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फलदृश्य
प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल विवरणित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवरण में वास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण द्वारा दुर्विधायी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के प्रधीन कर देने के प्रतिरक्त के दायित्व में कभी कहना
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन्नकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रथोबन्धाद्य
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता
जाता है वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अवसरण से,
वै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपषारा(1) के अधीन,
विवरणित अवित्यों, अवैत: :-

1. (1) श्रीमती वसन्ती पत्नी मना राम अपने लिये और
जी ए आफ श्री चत्व धुत मना राम निवासी गांव
जौनपुर, नई दिल्ली।

(2) श्रीमतो गान्ति पुत्री मना राम तेज राम खजान
धुत राम प्रसाद हरदेव विडो आफ धर्म मिह
राम लाल हरकेश धुत धर्म मिह सोम राम धुत शंकर
निवासी गांव जौनपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. आईशर ट्रैक्टर्स इन्डिया लि० २१२ दीनदयाल
उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली वाया सैकेटरी श्रीर जी०
ए० श्री एन० एम० अनिवासन पुत्र सेट श्री एन०
क० सुन्दरेसा डब्ल्यू निवासी डब्ल्यू-५७-ए, ग्रेटर
कलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहित करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के नंबर में कोई भी वाक्यप:—

(क) इस मूल्यन के राजाव में प्रजातान की तारीख से ५५
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी प्रधिय बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्यन के राजाव में प्रकाशन की तारीख से ५५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अस्त्रहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एरिया 4 बीघा 16 विस्वाम ख्रमरा नं०
15/5 गांव जौनपुर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
मक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक,
इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्रकरण धाई० टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, एच ब्लाक, विकास भवन
(ग्राई० पी० हस्टेट, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू-1/प्र० आर-III/4-80/
113, अतः मुझे, आर० बी० ए० ए० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसको पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सकल प्राधिकारी को, पहुंचिवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति विस्तार बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी मं० क्रिपि भूमि 4 बीघा 16 विस्तार है तथा जो
जौनपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरिताँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती घ्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

उक्त अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखण्ड
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतः :—

(1) श्री राजे राम जागे राम हरपाल भारमल पुत्र लूबी,
हरपाली ग्रामी पुली लूबी, गांव जौनपुर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) आईशर ट्रैक्टर्स हन्डिया लि०, 212 दीनदयाल
उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली वाया सैक्षेत्री और
जी० ए० श्री एन० एस० श्रीनिवासन पुल लेट
एन० के० सुन्दरेसा अव्यर, डल्ली-57 पै. ब्रेटर
कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
भूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित अधीक्षिती के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं,
वही पर्याय होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

अमुसूची

क्रिपि भूमि 4 बीघा 16 विस्तार एम० नं० 15 किल० 1 नं० 6,
गांव जौनपुर, नई दिल्ली ।

प्रार० बी० ए० ए० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10-12-1980
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, पंच ब्लाक, विकास भवन
(आई० पी० डिस्ट्रेट), नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-I/एस आर-III/4-80/
112—अतः मुझे, आरा० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 बीघा 10 विस्वास है तथा जो गांव जौनपुर
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 23-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तव्यों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

(1) श्री राजे राम जागे राम हरनाम भागमल रंग लाल
पुद्र खूबी, हरयारी अंगरी पुक्की खूबी,
गांव जौनपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ईश्वर ट्रैफर्स इन्डिया लि०, 212 दीनदयाल
उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली, बाया सेक्टरी
और जी० ए० श्री एन० एस० श्रीनिवासन पुत्र
लेट एन० के० मुन्दरेसा अध्यर डब्ल्यू-57 ए,
ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइै भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समस्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इषि भूमि एरिया 5 बीघा 10 विस्वास एम० नं० 15
किला नं० 15(4-16) एम नं० 16 किला नं० 11/2
(0-14), गांव जौनपुर, नई दिल्ली।

आरा० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10-12-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एम०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, एच अनाक, विकास भवन,
(आई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एस आर III/4-80/45—
श्रावतः श्रीमि, आर० श्री० एल० अग्रवाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मंडपा कुषि भूमि 6 बीघा 19½ विस्वास है तथा जो गांव गढ़ईपुर तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्वा अनुसूची में पूर्ण स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 7-4-80 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निवित में वास्तविक हूँ से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भलः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की संपत्ति (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-406GJ/80

(1) श्री अशोक कुमार ककड़ पुत्र दरगाही दास ककड़ निवासी 81/41, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अस्तरक)

(2) मैसर्स लक्ष्मीचन्द्र रामप्रकाश, 560 गांधी नगर मार्केट, चान्दनी चौक, देहली वाया पाटनर्स सर्वश्री राम प्रकाश मदन लाल हरभजन लाल सतीश कुमार और विनोद कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुषि भूमि 6 बीघा 19½ विस्वास प्रसरा नं० 208 मिन (2-8) 232 मिन (2-8) मिन० (0-4) 233 मिन (1-15½) 270 (0-4), गांव गढ़ईपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

आर० श्री० एल० अग्रवाल

मकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10-12-1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एष ब्लाक, विकास भवन,
(आई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 दिसंबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-I/एस आर-III/4-80/

41—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या क्रषि भूमि 6 बीघा 19½ विश्वास
है तथा जो गांव गदईपुर तहसील महरीली, नई दिल्ली में
स्थित है (ग्रोर इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 7-4-80

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूल्यांकन के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मूल्यांकन के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पृथी लाल भर्मान पुल मानन चन्द,
जी-77, मस्जिद मोठ, गेटर कैलाश, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) मैसर्म लक्ष्मीधन रामप्रकाश, 560 गांधी
क्लाय मार्केट, घान्दनी चौक, देहली वाया
पाठनर राम प्रकाश मदन लाल हरभजन लाल
ओर सतीश कुमार।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्योपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तसूची

क्रषि भूमि 6 बीघा 19½ विश्वास खसरा नं० 208
मिन (2-8) 232 मिन (2-8), 233 मिन (0-4)
233 मिन (1-15½), 270 मिन (0-4), गांव गदईपुर,
तहसील महरीली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

दिनांक: 10-12-1980

मोहरः

प्रस्तुत आई. टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन,
(आई०पी० इम्पेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 दिसंबर 1980

निर्देश सं० आई०पी० एक्य०-१/एम आर-III/4-80/
44—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि 7 बीघा 4 विस्वाम है तथा जो
गांव गदर्हपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-4-80
के पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ऋण आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन,
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, यै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अशोक कुमार कक्कड़ पुत्र दरगाही दास
निवासी 81/41, वेस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) ईस्ट इन्डिया, एपारेल्स, सी-1/51 सफदरजंग
एस्ट्रिया नई दिल्ली बाया पाठनर सुरिन्द्र साहनी
जगदीश सोनी सं० १८० एल० असीन पंड चन्द्र भान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बापूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लक्ष्मी

कृषि भूमि 7 बीघा 4 विस्वास खसरा नं० 206 (2-8),
207 (2-8) 234/1 (1-4) 234/2 (0-6), 234/3
(0-18), गांव गदर्हपुर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसंबर 1980
मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-1, एच ब्लॉक, विकास भवन,
(प्राई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-एस प्रा-III/4-80/
40—अतः, मुझे, प्रार० बी० एल० अग्रवाल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है
और जिस की सं० कुपि भूमि 7 बीघा 4 विस्वास है तथा
जो गांव गदर्हपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 7-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से दुई किसी आय की बचत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायिद
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रोत्तरार्थ प्रत्यक्षीती द्वारा प्रकृट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
सुविधा के लिए ;

परन्तु अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए
की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी,
अवकाश :—

(1) श्री पृथ्वी लाल भसीन पुत्र मानक चन्द्र,
जी-77, मस्जिद भोठ, प्रेटर कैलाश नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स इस्ट इन्डिया एपारेलस सी-1/52
सफदरजंग डी० एरिया नई दिल्लीं वाया पाटनसे
मुरिन्द्र साहनी अगवाई सोनी, सी० एल० भसीन
ओर चन्द्र भान।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधिया तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से
किसी अधिकता द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकता द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उद्दीकरण :—इसमें प्रपुत्र शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
पर्यंत होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि एरिया 7 बीघा 4 विस्वास खसरा नं०
206 (2-8) 234/1 (1-4), 234/2 (0-6), 234
(0-18) गांव गदर्हपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

प्रार० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 10-12-1980
मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-1, एच ब्लाक, विकास भवन.

आई.पी.० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 विसम्बर 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्य०-१/एस आर-III/4-८०/
६३--अन्तः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 21 बीघा 17 विस्तास है तथा
जो गांव तेव सराय, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 10-4-80

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थगमन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थगमन प्रतिफल से, ऐसे स्थगमन प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती कुमारी सचदेवा पत्नी शाम लाल,
एस-10 लाजपत नगर-नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सिम्पालसिटी इंजीनियरस् प्रा० ए० बी०-१११,
मायापुरी फेस-१ नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 444, 445, 446, 447,
421, कुल 21 बीघा 17 विस्ता, गांव सतवेरी, तहसील
महरौली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मर्जन रेज-१, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

बत्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 10-12-1980

मोहर :

प्रलेप प्राईंट ट्री० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-1, एच ब्लाक, विकास भवन
(प्राईंटी पी० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ग० सी०/इक्य० एस० आर० 480/
69—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० कृषि भूमि 14 बीघा 10 विस्वास है तथा
जो गांव नेब सराय तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपावद अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 11-4-80

बां पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधारातः:—

(1) श्री जगें राम (2) धाने पुत्र अमी लाल
गांव नेब सराय, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री रिसाल सिंह पुत्र शेर सिंह श्रीमती कृष्णा
गहलावत पत्नी बलवन्त सिंह गहलावत, निवासी,
मकान नं० 537 डी एल एड ब्लाकोनी, रोहतक
श्रीमती राम बलाल पत्नी कर्नल के० एल० बलाल
कुमारी जान बलाल पुत्र कर्नल के० एस० बलाल
फ्लैट नं० 505, ब्लाक नं० 15 सरदार पटेल
मार्ग नई दिल्ली, मोहन सिंह पुत्र बलवन्त सिंह
निवासी ई-22 ईस्ट आफ कैलाश, अजय कुमार
जैन पुत्र विजय चम्द जैन, निवासी 2702, छत्ता
प्रताप सिंह, किनारी बाजार दिल्ली।

(प्रतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 14 बीघा 10 विस्वास, खसरा नं० 283
(5-4), 293 (4-16), 296 (4-10), गांव नेब सराय,
तहसील महरोली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980
मोहर

प्रकल्प ग्राई० टी० एन० एग०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन

(ग्राई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य०-१/एस प्रार-III/4-80/
122—अतः, मुझे, आरा० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पारनात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिस की सं० कुण्डि भूमि 16 बीघा 12 विस्वास है तथा
जो गांव सतबेरी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 24-४-८०

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
फन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शक्तियाँ में कमी करने या उससे बचने में सुधारा
के लिए; और/या

(ख) एम्बा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रसः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपबारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सत्यादेवा शोरी पुत्र प्रोफेसर के० एल०
गोतमा, 2/5, बेस्ट पटेल रोड, नई दिल्ली-८
कर्ता एच० य० एफ० (एस० डी० शोरी)।
(अन्तरक)

(2) मैसर परफैक्ट पावर सिस्टम्स्, 25/1, आसफ
अली रोड, नई दिल्ली वाया प्रोपराइटर मिसिज
किरन मोहन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्राप्ति के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के ममत्वमें कोई भी आश्वेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन ही अवधि, तो
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हिन्दू दिनी अन्य वर्षित द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुण्डि भूमि गांव सतबेरी, तहसील महरौली, नई दिल्ली
क्रसरा नं० 525/2 (3-10) 526/2 (3-10), 527 (4-16),
528 (4-16) कुल 16 बीघा 12 विस्वास. टेम्परेरी चौकीदार
राम और ट्यूब वैल।

आरा० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्रलेख आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, एच ब्लॉक, विकास भवन
(आई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली 110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-1/एस आर-III/4-80/

146—असौ, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 रु० से अधिक है।

और जिस की सं० कृषि भूमि में छठा हिस्सा है तथा जो
17 बीचा 17 विस्वास गांव समालका, तहसील महरौली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 19-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रन्तिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये
तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जान चाहिये था, छिपाने में सुविधा
के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम किशन, नन्द किशोर और हरकेश
पुत्र अगरी, निवासी गांव समालका, तहसील महरौली,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्सैं टी० ई० पैटरसन्स (इण्डिया) प्रा० लि०,
जे-162, राजौरी गाँव, नई दिल्ली वाया
डायरेक्टर श्री डी० डी० धवन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बति के घरेलू के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्बति के घरेलू के उद्देश्य में कोई भी आवेदन:—

(क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि पर तरवाद्वयी व्यक्तियों पर सूचना
हो जाती है तो वे 30 दिन तक अवधि, जो वे वर्तमान
में वरापत्र होते हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वट्ठ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पाय लिखित में किए जा सकें।

उद्देश्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रविनियम के प्रध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

प्रमूल्य

1/6 हिस्सा कृषि भूमि जिसका एरिया 17 बीचा 17
विस्वास जो एम नं० 2, किला नं० 8(1-6), 12(4-16),
13(4-16), 16(4-16), 15/2(2-3) गांव समालका,
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

प्रार० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-12-1980
मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० ए० ए० प० स०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-ए एन अनाक विकास भवन (आई पी इस्टेट नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-ि/एस०आर०-III 4-80/
147—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
फारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिस की सं० कृषि भूमि में छठा हिस्सा है तथा जो
17 बीघा 17 विस्वास गांव समालका तहसील महरौली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन विनांक 19-4-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनश्वित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निम्न तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण व्यक्ति में वास्तविक
रूप में कथित नहीं हिया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बात उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शायित्र में कमी
करने या उससे बचने में सहिता के लिए। और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्राप्तजगार्थ प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिष्ठि
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—
11-406GI/80

(1) श्री रघबीर सिंह पुत्र चन्दगी
गांव समालका तहसील महरौली, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) मैसर्म टी० ई० पैटरसन (डिंड्या) प्रा० लिमिटेड
जे-162 राजीरी गाँड़न, नई दिल्ली वाया
डायरेक्टर श्री डी० डी० धबन।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

संस्करण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/6 हिस्सा कृषि भूमि जिसका एसिया 17 बीघा
17 विस्वास गम नं० 2 किल्ला नं० 8(1-6), 12 (4-16)
13 (4-16), 14(4-16), 15/2 (2-3) गांव समालका
तहसील महरौली, नई दिल्ली।

श्रार० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली।
दिनांक : 10 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्रतीकार्यों के लिए

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, एच ब्लॉक, विकास भवन (ग्राह्य पी० इन्स्टेट)
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी० /एक्स०-१ ए० स० आर०-III/

4-80/148—अल: गुर्जे, आर० वी० ए० स० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम्मे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), सी आर० १६०
ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिग की मं० छठा हिस्सा क्षणि भूमि है तथा जो
17 बीघा 17 विष्वास गांव समालका तहसील महारानी
में स्थित है (और इसमें उपावह अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 19-4-80

का प्रतिफल अधिनियम के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विष्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवैक्षणि भंपत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उनके अप्रमाण प्रतिफल में, एवं इष्वास प्रतिफल का
पन्दह प्रतिनिधित्व में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिनियमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हाँ^१ किसी आय की नावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में वभी करने या उसमें करने में मूर्चिभा
के लिए; और/या

(ख) एगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तिमी दिनांक प्रकृत मन्त्री लिखा गया
था या किया जाना चाहिए था, लिखाने में गुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री धर्म सिंह पुत्र श्री भोस्त्रिया

निवासी गांव गोगाला, नद०

महाराष्ट्र, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० टी० ई० पेटरसन (इंडिया) प्रा० लि०

जे-१६२ राजौरी गाँव नई दिल्ली वाया लायरेखटर

श्री डी० डी० धवन पुत्र हरनाम दाम।

(अन्तर्गती)

वह यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के वर्जन के लिए
दायरेवाहियां करता है।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन तो सम्बन्ध में कोई भी आश्रयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
याद में अमान होती हो, के भीतर पूर्वांकित
सम्पत्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ड्रितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरसाक्षरी के पास
निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—उम्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ लेंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसंधा

छठा हिस्सा क्षणि भूमि जिसका एस्ट्रिया 17 बीघा 17
विष्वास एम नं० 2 किल्ला नं० 8(1-6), 12 (4-16),
13 (4-16), 15 (4-16), 15/2 (2-3) गांव समालका
तहसील महारानी, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० वी० ए० स० अग्रवाल

मक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एम० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

संवार्ता, महाधर प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एस्य०/प्रग० आर०-III/4-80/
149—अनु: मुझे, आर० बी० एन० अप्रवाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाह करने का कारण
है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

आर० जिस की सं० छठा हिस्सा कृपि भूमि है तथा जो
17 बीघा 17 बिस्वास गांव समालका तहसील महरौली
में स्थित है (आर० इसमें उपावड़ अनुमूली में पूर्ण स्पष्टि
गर्वित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 19-4-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरूप के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या फिसी धन या अन्य आमितयों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में
मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्युक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री चरण सिंह पुत्र राम सिंह निवासी
गांव समालका तहसील महरौली, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स टी०ई० पैटरसन (इण्डिया) प्रा० लिमिटेड
जे-162 राजौरी गाँड़न नई दिल्ली वाया डायरेक्टर
श्री डी०ई० धवन पुत्र हरनाम दाम।
(अन्तरिता)

मैं यह गृहा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायेवाहियां करता हूँ।

उक्त गमति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविनियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविनियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास
लिखित म किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही मर्यादित होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छठा हिस्सा कृपि भूमि एरिया 17 बीघा 17 बिस्वास एम०
नं० 2 किला नं० 8(1-6), 12(4-16), 13(4-16),
15/2(2-5) गांव समालका तहसील महरौली, नई दिल्ली
में स्थित है।

आर० बी० एन० अप्रवाल
सकाम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 10 दिसम्बर 1980
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-I/एस० आर०-III/4-
80/150—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० ७ठा हिस्सा कृषि भूमि है तथा जो १७ बीघा १७ बिस्वास समालका तहसील महरौली, नई दिल्ली
में स्थित है (और हस्से उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 19-4-80

को दृष्टिकोण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में नमी हरने या उम्मे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) एप्री किसी प्राप या निसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्ह भारी प्राय-हर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम मेहर, ओम प्रकाश, लक्ष्मण सिंह, ब्रह्म
प्रकाश पुन भोबू गांव समालका तहसील महरौली,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैससं टी० ई० पैटरसन (द्विंडिया) प्रा० लिमिटेड
जे-162 राजौरी गाँड़न, नई दिल्ली वाया डायरेक्टर
श्री डी० डी० धवन पुल हरनाम दास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भालि के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
मूल्य की जामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा ;

(ब) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उत्तर अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छठा हिस्सा कृषि भूमि 17 बीघा 17 बिस्वास
एम नं० 2, किला नं० 8(1-6), 12 (4-16), 13
(4-16), 15 (4-16), 15/2 (2-3) गांव समालका
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली ।

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रह्लद प्राईंटो० टी० एन० एस०

(1) श्री डी० बी० सूरी कर्ता (एच० य० एफ०)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

सी-38 डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली ।

269-ख (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री सरपति सिंह सीठिया, लखपतमल सीठिया
और नरपतमल सीठिया सी-37, डिफैन्स कालोनी,
नई दिल्ली ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(ग्रन्तरक्ती)

आर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी० ३/एक्य०-१/एस० आर-III/4-80/

11—अन्तः सुन्न, आर० बी० एन० एस० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करते क
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाजार मूल्य 25,000/
रुपये से अधिक है

और जिस की सं० सी-37 है तथा जो डिफैन्स कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबृद्ध अनुसूची में पूर्व
स्थल में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, में 1908
1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने करने के दृश्यमान प्रति-
क्षल के लिए अन्तरित की गई है और सुन्न वह वह विश्वास करते
हो कारण है कि यथापूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिक्षल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिक्षल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिहित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्य में कमी
करने या उसे करने में सुविधा के लिए; और/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के आर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के आर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी भाव्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित अधिकारी
के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें पूर्वोक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रायाय 20-क में
परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस
प्रायाय में दिया गया है।

अनुसूची

सी-37 डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली ।

(ख) ऐसी किसी धारा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिराने में सुविधा
के लिए ।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम अधिकारी
सहायक आय कर आयुक्त (निरीक्षण)
आर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कामालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज। नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसंबर, 1980

निःशंग मं० आई० ए० मी० /ग्रम० I/एस० आर० III
4-80/126 --- श्री, मुमे, गार० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दृष्टके पदचात 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन संधार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि आवार संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में छापा है।

ओर जिम्मी मंथ्या दुकान नं० 12/ग्रा० फ्लोर है तथा जो
कर्माण्डल कामिनी क्रेटर कैनाश II नई दिल्ली-48 में स्थित
है (यह इसमें उमावह अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित
है), तंत्रीमार्गी प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में ग्राम्यान्वय अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 26-4-80

का दूरवित्त रार्मार्ट के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का ज़रूर है कि यापूर्वोक्त सम्बन्ध का डोनेश बाद र
मूल्य, उमर्से दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अंदर नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) यो किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्ताओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

प्रा: प्रब्र उमा निरीक्षण की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मे. उमा निरीक्षण की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नान्वयन अधिनियम, ग्रामी०:—

(1) डी एल एफ बिल्डर, 21-22 नरसिंहा प्लेस
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्री मती सतिंद्र कौर और एम० सतीरी मिह
ई-150, इस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहासा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गृहना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में पारिभावित
हैं, वही अर्थ होग जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 12 (ग्राउंड फ्लोर) कर्मशिल कम्पनीस
मेटर कैलाश, पार्ट-II, नई दिल्ली-48।

श्रीर० बी० एल० अग्रवाल
संधार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 10-12-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राईटी० पन० एम० ००००
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत शरकार

(1) श्रीमती मोहिनी सेठ जे-8 राजीरी गार्डन, नई
दिल्ली-27।
(अन्तरः)
(2) श्री मनोज राणा देवी, फै-२४७, बैरांग के गाँव-II
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेजिस्ट्रिकेशन भवन
एच ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसंबर 1980
निर्देश सं० आर्ड० प० सी० /एक्यू०-II/एम० आर० III/
4-80/105—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इन्होंने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन गत्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान 5 (आधा हिस्सा) है तथा जो गावित्री मिनेमा कम्पलेक्स ग्रेटर कैलाण ई नईडु दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायद्वारा अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्टी अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में निजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-4-1980

फो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यान्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यान्त प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यान्त प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किमी आय की बाबन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोगनार्थ पन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या जो किया जाना चाहिए तो, जिससे पूर्विधा न हो।

प्रतः यद्युपर्याप्त अनुग्रहण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों परापूर्ति:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उस प्रपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेत:—

(क) इस सूचना के गतिपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रश्निया तथा अन्तिम तारीख से 15 दिन की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक वाद में गमाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के गतिपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर संपत्ति में द्रिःग्रद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्तान्त्री के पास निखित में किया जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा दुकान नं० 5 मायिनी मिनेमा कम्पलेक्स ग्रेटर कैलाण, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सधम प्राधिकारी
महापाल आयकर आयकर (नियंत्रण)
अर्जन रेता-I, नई दिल्ली

नारंग: 10-12-1980

मोहर:

प्रकल्प प्राईंटी एन० एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-II/एस० आर० III/
4-80/165—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- हपये से अधिक है
और जिसकी मंज्या फ्लैट नं० 80 है तथा जो भगत सिंह
मार्केट, नई दिल्ली में स्थित है) और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण हप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिकल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान
प्रतिकल का पत्रिह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
पर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलाश (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :—

- (1) श्रीमती रानी राजिन्द्र कौर पल्ली एस० श्वतार
सिंह ई-552, प्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)
- (2) मैसर्म बेरी आर्ट इंडिया 80, भगत सिंह मार्केट,
नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेत के
निए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी ग्रन्थ अन्तरिती द्वारा अघोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही ग्रन्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 80 जो कि भगत सिंह मार्केट, शहीद भगत सिंह
मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है ।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, नई दिल्ली

दिनांक : 24-12-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० प्राईंटी० मं० सी०/एक्यू I/एस०आर० III/4-8०/

125—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-32 है तथा जो निजामुदीन, ईस्ट नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-4-1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एमें द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सहित के लिए; आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहृ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

12—406 OI/80

(1) श्री धर्मयश देव पुत्र लेट खान जन्द देव निवासी 32, निजामुदीन ईस्ट, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अनीस पुत्र सलमत जान खान 126, कटरा गोकल शाह, जामा मस्जिद, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मध्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० ए-32, निजामुदीन ईस्ट, नई दिल्ली 200 वर्ग गज में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—सर्विस लैंड

पश्चिम—रोड

उत्तर—मकान नं० ए-33

दक्षिण—सर्विस लैन

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 10-12-1980

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, विकास भवन

एवं बनाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्य०-१ (एस० आर०-III/
4-8 0/93—अतः मुझे, आर० बी० ए८० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाग करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसका सं० बी०-149 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-१, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 16-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अस्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के पश्चात इनायित
में कमी करने या उससे बचन में मुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनामं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अस्तिः—

1. मैसर्से आर० सं० मूद एण्ड कं० प्रा० नि०,
इरोज़ सिनेमा, बिलिंग जंगपुरा, पंक्षमटेशन,
नई दिल्ली।
वाया मैनेजिंग डायरेक्टर थ्रो आर० सं० मूद
(अन्तरक)

2. लेफ्ट० कर्नल शान्ति मह्य दुग्गल,
पुत्र दीवान राम दुग्गल
आर्मी डेफल कार्यस प्लैट नं० 6/412,
मविमज, आफैसर्ज इन्कलेव सरदार पटेल मार्ग,
नई दिल्ली,
और मिसेज इन्ह दुग्गल
(अन्तरिती)

को त्रि सूचना जानी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतें
लिए वार्तादियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
पाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में मैं
किसी अवित्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्त द्वारा, या दूसरा क्षमता के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

सम्पूर्णीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्राट नं० बी०-149 वर्ग गज, 665 ग्रेटर कैलाश, नई
दिल्ली में स्थित है ।

आर० बी० ए८० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, विकास भवन,
एच० बनाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट,
नई दिल्ली।

तारीख 10-12-1980

मोहरः

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस० —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, विकास भवन,

एच ब्नाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निरोग मं० आई० ए० मी०/एम्प०-I/एस०आर०-III/480/

8 6—अतः मुझे, आर० बी० ए० अप्रवाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० कुपि भूमि 47 बोधा 15 विस्वास है तथा जो
गांव सतबैरी तहमान महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेशन के
कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अवान दिनांक 14-4-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

1. मैसर्म मोर मिह एण्ड कं०
निवास: गांव सतबैरी, देहली ।

(अन्तरक)

2. अन्सल हाउसिंग एण्ड इस्टेट्स प्रा० लि०
115, अन्सल भवन, 16 के० जो० मार्ग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यालयांक करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तक्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

साप्तोकरण :—इसमें प्रयुक्त गव्डों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि 47 बोधा 15 विस्वास गांव सतबैरी, देहली
नं० 662/2 (3-14), 663/2 (3-14), 664 (4-16),
665 (4-16), 666 (4-16), 667 (4-16), 668/2 (2-0),
669 (4-16) 670 (4-16)), 797 (4-16) तथा
798 (4-15) ।

आर० बी० ए० अप्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, I विकास भवन,
एच० ब्नाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली
तारोऽव 10-12-80
मोहर

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायदिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रीराजन रेंज II, विकास भवन
एच ब्लॉक, इन्द्रप्रस्थ हस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/पक्ष्य०-II/एम० आर०-I/ 4-80/
6397—अतः मुझे, बलजीत मठियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख को अधीन सभाम प्राप्तिकरी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिमको सं० क्षि-5/5 है, तथा जो आर० पी० बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 ई 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भर्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भर्तुरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अव्याप्त रूप से इन अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से उल्लिखित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरग मे हुई फिलो आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरग के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सविधा के लिए; और/पा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके प्रविनियम, या धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए।

१. श्रो राम सरन दास हंस राज, और हरभंस लाल बेटे
फतेह चन्द डी ५/५, आर० पी०, बाग, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री परम राम बेटा श्री भौज राज
बी-12, आर० पी० आग, दिल्ली।
(ग्रन्तिरत्नी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोत्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राब्रन्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्णस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स्थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रशासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सप्तष्टीकारणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय १०-क में परिभ्राष्ट हैं, वही पर्यंत्रोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय

प्रोपर्टी नं० डी-५/५, आर० पो- बाग, दिल्ली में जिसका
क्षेत्र फल २३३-१/२ वर्ग गज है।

श्रोमती बलजीत मटियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आधिकार आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज II, विकास भवन
एच ब्लाक, हन्द्रपथ इस्टेट, नई दिल्ली

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 289-ग के भनवरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-12-80
मोहर :

प्रस्तुति प्राइंट टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज II, विकास भवन

एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्वैशं सं० आई० ए० स००/एक्य०-II/एम०आर०-II/4-80/

3359—अतः मुझे, श्रीमती बलजीत मटियार्नी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।
और जिमकी सं० 1/1 (3-18) है, तथा जो और 4(4-16),
गांव, मसुदाबाद नजफगढ़ नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबड़
अनुसूची में और जो पूर्ण स्थापना में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथ्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तारी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अंकितियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राम रत्ने पत्नी रूप चन्द,
गांव बनरा बलौ, तहमोल बलबगढ़, डिस्ट्रिक्ट
फरादाबाद। (हरियाणा)
(अन्तरक)

2. श्री कैप्टन राजीव बहल बेटा, इन्द्र पाल बहल
9-ए, श्रीगंगाम रोड, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवक्षियों पर सूचना की
तामोल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अंकितियों में से
किसी अंकित भारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी
ग्रन्थ अंकित द्वारा, प्रधोइस्नाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 8 बीघा व 14 विस्वास जो कि गांव मसुदाबाद
(नजफगढ़) नई दिल्ली में स्थित है खसरा नं० 1/1 (3-18)
और 4(4-16) है ।

श्रीमती बलजीत मटियार्नी
सभी प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज II, विकास भवन,
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख : 12-12-80

मोहर :

प्रस्तुप आई॰टी॰ एन॰ एम॰—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेज II, विकास भवन,

एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं. आर० ए० सी०/एक्य०-II/एस०आर०-II/4-80

3322—यतः मुझे, श्रीमती बलजीत मटियानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसका सं. 53-बा है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवृहए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में भै, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वे श्री सोहन मिहू और चरन दास, ब्रेट हजारी मल
83, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री रोशन लाल ब्रेटा श्री धोरत राम
डब्ल्यू -124, प्रेटर कैलाश, पार्ट-II, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कमरा नं. 2, जोकि प्राप्टी, नं. 2, रोड, नं. 53-बा,
पंजाबी बाग, दिल्ली जिसका क्षेत्र फल 133 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आर्जन रेज II, विकास भवन,
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 12-12-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कायांनय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, विकास भवन,
एवं ब्लॉक, इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सं०/पक्ष०-II/एम० आर०-1/4-80/

6450—यतः मुझे, श्रीमती बलजीत मटियां।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय गंभीर जिम्मा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

ओर जिम्मी सं० 1 ब्लॉक-ग है, तथा जो जा० टी० रोड,
प्रदीप नगर, दिल्ली में स्थित है (ओर इसे उपायुक्त अनुसूची में
ओर जो पूर्ण स्व में वर्णित है) राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में राजस्त्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के प्रवान्त दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अलगाव की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने
का कारण है कि दस्यापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रमाणग्राह अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. (1) श्रीमती इन्द्रा गुप्ता, पत्नी राकेश कुमार
(2) अर्चला अग्रवाल पत्नी मुद्रशन कुमार
(3) आदर्श अग्रवाल पत्नी इन्द्रजीत
बं०-1, एम० ज०० रोड, आदर्श नगर दिल्ली-33
(अन्तरक)

2. डा० मिम संयोगता गुप्ता बेटी श्री नन्दलाल गुप्ता
11/3, शक्तिनगर, नई दिल्ली।
(अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के बजान के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बदल नियमी वा अन्य द्वारा अधोहस्ताधरी के
पास लिनित गंभीर किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ब्लॉक नं० 1 ब्लॉक 'प' जिम्मका क्षेत्रफल 395.5/6 वर्ग
गज है डीड जो० टी० रोड, आदर्श नगर, में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियां
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-, विकास नगर,
एच, ब्लॉक, इन्द्र प्रस्थ इस्टेट नई दिल्ली।

तारीख 12-12-80
मोहर :

प्राकृप प्राई० टी० एम० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, विकास भवन,

एच ब्लाक, हन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली;

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० आर०० ए० सी००/एक्य०/एम० आर०-१/४-८०/
६४१५—अतः मुझे बलजीत मटियानी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के प्रधीन संशोधन प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है।

और जिसकी मंदिरा 32-ई/16, है, तथा जो पटेल नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रेकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नया पाठा गया प्रतिक्रिया नियन्त्रित उद्देश्य से उक्त अस्तरक
लिखित में शास्त्रिक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के
शब्दों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
प्रतन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपाया (1)
के प्रधीन नियन्त्रित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. श्री कृष्ण लाल बेटा श्री अमर चन्द,
8281, आदानी छोक, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जितेन्द्र नाथ पुरी, बेटा श्री राम आमरे पुरी और
श्रीमती इन्दू पोपली, पत्नी श्री कृष्ण राम पोपली;
154, /1, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी चरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी प्रथम अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रश्नित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
है, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अमृसूची

खाली प्लाट नं० 32-ई/16, पटेल नगर, नई दिल्ली;
जिसका क्षेत्रफल, 200 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, विकास भवन,
एच० ब्लाक हन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली
तारीख : 12-12-1980
मोहर :

प्रूफ आई०टी० ९८० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, विवास भवन,

ग्राच, बलाक, इन्द्रप्रस्थ इम्पेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 12 दिसंबर 1980

निर्देश मं० आई० ए० स००/एक्य०-II/एम० आर०-I/4-8 ०/

648 9—यतः मुझे, बलजीत मटियानीः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसको मं० 2277 है, तथा जो गला पहाड़ वाला, धर्मपुरा, दिल्ली-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूली में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-३-1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान परिवर्तन, उसके दृश्यमान परिवर्तन का अन्दरूनी प्रतिशत भी अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हड़ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सहायता ने निएः और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिनी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या उसके अधीन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अन् श्रव, उक्त अधिनियम, जो धारा 269-ग ते अनुग्रह में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

13—406 G 1/80

1. श्री प्रेम नारायण बेटा श्री लक्ष्मन स्वरूप

१०, गला तुंडी, गोम, दरिवाकलान, दिल्ली-6
(अन्तरक)

2. श्रीमति लालबल्ला पत्नी श्री हर्षगोविन्द,

२७४, गला कुर्ज वाला, दरिवाकलान, दिल्ली-6
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारी बनाता हूँ।

उक्त गम्भीर के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ~

(म) ए इसका ले राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भास्त रहती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(न) इस सूचना के राजपत्र जो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-विद्युत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

प्रष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तसूची

नान मंडिल बिल्डिंग, फिसला झेव द्वल 1031/2 वर्गगज है, जिसका नं० 2277, वर्षम गला पहाड़गला, धर्मपुरा, दिल्ली-6।

श्रीमति बलजीत मटियानी
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, विवास भवन,
ग्राच डोला, इन्द्रप्रस्थ इम्पेट, नई दिल्ली

नामांक्षणिक : 13-12-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

एच ब्लाउ, विकाम भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली,

निर्देश मं० आई० ए० य०/एक्य०-II/प्रम० आय०-II/48०/

3288—वतः मुझे बलज.त भट्टियान्;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
दायरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और दिनांक मं० ८९/१५ है, तथा जो गांव पालम नई दिल्ली,
में स्थित है (और इसमें उपावड अनुमति में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) अन्तर्राती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
ग्रास्टूपरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन
प्रत्रै८, 1980

को पूर्वोक्त नियम के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का दायरण है कि यहाँ उपावड़ के अन्तरित बंपन्न का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से दामतविक
मूल्य से कठिन ही किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने का उसमें वचन से मविधा
के लिए; और/गा

(ख) ऐसी दिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या
धनदर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता नहीं था, हिसाब से
प्रतिशत ही दिया:

1. नक्षमा नारायण

गांव पालम, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

2. श्रमत बलज.त मोदतगा पत्नी प्रम० के० मोदतगा
सं० ए०, १/१०-ए०, ड०० ड०० ए० प्लैट, मुनरका,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित से किए जा सकेंगे।

रघुनाथकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रघुनाथकरण, 2 विगाह घरमग नं० ८९/१५ गांव पालम,
नई दिल्ली।

श्रमत बलज.त भट्टियान्;

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली

नारंग 12-12-80

मोहर :

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तर्गत
में, नै, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तर्गत (1)
के अधीन निम्नलिखित अविकल्पों, लक्ष्यहृ:—

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०-
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज-II,

एच० ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०II, एम०आर-II 480/
3309 अतः मुझे बलजोत भट्टाचार्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उपर पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रतीनि नियम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसको सं० जी० 79 है, तथा हरिनगर, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास उठने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिक्तिर में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

1. श्री राजेन्द्रप्रसाद बेटा श्री विशेशर लाल,
ई-23, शिव नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम नाथ बेटा श्री कुम्हन लाल
उब्लय० पृ०-25, मायापुरी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० जी०-79, ब्लाक 'जो जिसका क्षेत्र फल 200 वर्ग-
गज है हरिनगर, नई दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती बलजोत भट्टाचार्य
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
अर्जन रेंज-II,
दिल्ली नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 12-12-1980
मोहर :

प्रेरणा आई० टी० एन० एस० —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II,

एच ब्लाक विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ हॉटेल, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

निर्देश मं० आई० ए० मं०/एक्य०-II/एम०आर०-II/480/
3341—यतः मुझे बलजीत भट्टियाने:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22 बिंगाह तथा जो गांव मसूदा बाद दिल्ली
इस्टेट दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आम
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 5 अप्रैल 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित रामर्पात का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसें दृश्यमान प्राप्त ताजल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कं
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अमृसंजी

भूमि 22 बीघा गांव मसूदाबाद, दिल्ली स्टेट दिल्ली।

श्रीमती बलजीत भट्टियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली-नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-12-1980

मोहर :

अतः ऊब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नांगन व्यक्तियों अधीक्षित हैं।

1. श्री मोहन मिह बेटा श्री रघुबीर मिह नजफगढ़,
दिल्ली;
(अन्तरक)

2. श्री मतांश कुमार बेटा भगवता प्रसाद
गांव हृदौर पुर, यू० पी०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यतात्त्विक होती है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भूमि किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिये
गया है।

प्रस्तुप आई. टी. पू. एस. -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- ,
एच० ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०-II/एस०आर०-III/48 ०/
3317—यतः मुझे बलजौन भट्टाचार्य;
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमा उचित वाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24 बीघा व 10 विस्वामी है तथा जो
गांव जट्टकार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्र कर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्र/कर्ण अधिनियम 1908 (1980 का
16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करते
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह ग्रहण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रत्न राम बेटा श्री मोहर मिह
गांव शाही पुर
(अन्तरक)

2. श्री जूटर मिह बेटा श्री दीलत राम
गांव मुनिरका, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापरिशाखित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि 24 बीघा, व 10 विस्वामी, गांव जट्टकार, दिल्ली
स्टेट, दिल्ली ।

श्रीमती बलजौन भट्टाचार्य
मक्षम अधिकारी
अर्जन रेंज-II,
दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख 20-12-80
मोहर ।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,

एच० ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली;
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980
निर्देश सं० आई० ए० सं००/एक्य०-II/एस० आर०-II/48०/
3351—यह मुझे बलजीत भट्टाचार्य;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उत्तरके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1 बोधा व 15 विस्वास है, तथा जो गांव बरारा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथात् वर्तीन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैमर्स साहनों प्रॉटरप्राइसेज (पौ०) लिमिटेड,
14 सफ्ट फो०, सकन्ड माकट, अशोक विहार,
दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री हम राज बेटा श्री धनीराम
ए० एल० ए०, रामा रोड, आदर्श नगर,
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्त्य होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि 1 बोधा व 15 विस्वास खसरा नं० 800 गांव बुरारी, दिल्ली।

श्रोमर्ती बलजीत भट्टाचार्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,
दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-12-80

मोहर :

प्र० ल० प० डा० १० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, विकास भवन,

एच, ड्वाक, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली;

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० आ०ह० ग० म००/एक्य०-II/एम० आर०-II/-480/

3347—ग्रन्ति. मुझे बताओ त मटियारी;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संरचित निम्न उचित वाजाह मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

ग्रीष्म जिमकां सं० 25 विगाज हैं तथा जो आरे 6 स्थावर बुद्धनपुर, दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित हैं (आरे इससे उपावड़ अनुसर्व में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्नी अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में नियंत्रण करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत दिनांक 22-4-1980

को पूर्वांकत संपरित के उचित वाजाह मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने वाला यह हूँ कि इसपर्वाक्त नियंत्रण या उचित वाजाह मूल्य, उग्रके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरीती) के द्वीप पार्स अन्तरण से नियंत्रण या प्रतिफल नियंत्रित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोई नहीं विद्या गया है।—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने और संविना वे लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट भूमि किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

1. श्री आल छुण बेटा श्री भानु मिह
गांव बुद्धनपुर, मजरा, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मंगाराम बेटा श्री माया राम
गांव बुद्धनपुर, मजरा, दिल्ली;

(न्यन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सार्विकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ देंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूम्ची

भूमि 25 बोगाज व 6 विस्वाह गांव बुद्धनपुर, मजरा दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

श्रीमति बर्जन राम अधिकारी

सक्षम अधिकारी

जमहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली-110002

नामांक्ष : 12-12-1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को धारा (1) के अधीन, नियंत्रित व्यक्तियां अधोन्—

प्रस्तुप आई. टी. पैन. एम.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, विकास भवन,

एन० ब्लाक, आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली।

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसंबर 1980
निर्देशमं० आई० ए० स००००-एक्य०-II/एम० आग०-II/48 0
3316—अतः मुझे, बलजूत भटियान्—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 4 है तथा जो शकुणपुर दिल्ली, स्टेट, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबूद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण स्पष्ट
में वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्न अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 1908 का 16) के अधीन
दिनांक अप्रैल, 1980

को उव्वर्कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकन गपर्ति द्वा निजा राजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, तर्में दृश्यमान प्रतिफल का
पन्हुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच तर्में अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रविक
द्वय में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्यन्त में
किसी करने या उससे बचने में संविधा के लिये;
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिनियमों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपान्त में भविता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्रीमता शोभा वन्ती, विजय लक्ष्मी कौल व मिस
शूला वौल हारा ए. मोहन गांग ब्राह्मण आदि,
ओं नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमता राम श्रीमती कौशल्या और श्रीमती विमलादेवी,
8/26, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

संज्ञोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खाली प्लाट नं० 4, रोड नं० 4, जिसका क्षेत्रफल 555.55
वर्ग गज है पंजाबी बाग, गांव शकुणपुर में स्थित है।

श्रीमती बलजूत भटियानी
मक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली-110002

नामांक: 12-12-80
मोहन:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) से धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-II, नई दिल्ली-110002

एवं ब्लाक, यिकाम भवन

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० स०० /एक्य०-11/एस०आर०-II/480/

6493—यतः मम बलजात भट्टियान्;

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), सी धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसका नं० बैंक-208-एफ है, जो बरोला, मजलिम पार्क कालोनी, दिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायद्वय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टर्ड बर्टा प्रधिकार के कार्यालय दिल्ली, में रजिस्टरेशन प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोंभत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वक नियमित कार्यालय बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाशा गया प्राप्तफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन नं० दो के अन्तरक के शायित्र में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—406 GI/80

1. श्री राम चन्द्र बेटा श्री अमीर चन्द्र,
मकान नं० बैंक-208 एफ गल्ली नं० 2 मजलिम पार्क
दिल्ली-33

(अन्तरक)

2. श्री मन्तोप मिह बेटा श्री महामिह
मौ-85, नई मव्ज़ी मन्डी, आज़ाद पुर
दिल्ली-33

(अन्तरित)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोंका नियमित के अर्जन के लिए कार्यालयों द्वारा गुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ देंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बैंक-208 एफ जो कि गांव बरोला मजलिम पार्क कालोनी में स्थित है।

श्रीमती बलजात भट्टियान्
मकान अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-II नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-12-1980

मोहर

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायग्रह आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II,

एवं ब्लाक, विकास भवन नई दिल्ली

नई दिल्ली 11002 दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस०आर०-I-4-80/

3319—अतः मुझे, श्रीमती बलजीत भट्टाचारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी० एल०-12 है तथा जो ब्लाक एल० हरिनगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप हे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है— और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उचित से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उचित अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचित अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उचित अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उचित अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री मनोहर लाल चौधरी बेटा लेट श्री बौलत राम चौधरी बी० एल०-12, ब्लाक एल, हरी नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरकृत राय बेटा लेट श्री हरिकृष्ण लाल एलाइस, हरिकृष्ण दास चौधरी, उद्ध्यू० एस० 101, मायापुरी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के पर्वत के मंत्रंत्र में नोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससंबंधी अधिकारी पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी पर्वत में किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष अविक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० बी० एल०-12, ब्लाक एल० जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, हरिनगर में स्थित है।

श्रीमती बलजीत भट्टाचारी
सकाम अधिकारी
सदायग्रह आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली,
नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-12-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) श्री परमानन्द मोहनलाल व श्री नथूराम, 1358,
बगीची तनसुबराय अजमेरी गेट, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह बेटा हरबेल सिंह जे०-११/२५,
रजौरी गाँड़न, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन

आई०पी० एस्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II—अतः मुझे,
बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी०-८९ है तथा जो मान सरोवर गाँड़न
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और
पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 2-४-८०

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि नाथपूर्वांश्ल गंगानित का उपितृ बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत गंगांश्ल अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तर्गतियों) के बीच एं में अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बहूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसंची

प्लाट नं० डी०-८९, जिसका क्षेत्रफल 220 वर्ग गज
है मानसरोवर गाँड़न में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-12-1980

मोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रतीन मूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, 11, पंच० ब्लाक, विकास भवन
आई० पी० एस्टेट नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनांक 8 दिसंबर, 1980

निदेश नं० आई० पी० एस्टेट/११-एम० आर०-१-४-
८०/६४६४—अतः मुझे, बलजीत मटियानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
में प्रधिक है।

और जिसकी डब्ल्यू० जै३-८/६ है तथा जो कीर्ति नगर
कालोनी, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-४-८०
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति
फल के लिये अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परदह प्रतिशत
में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शान्तिकाल लाने लक्षित नहीं हिता गया है:—

(1) श्री राजेन्द्र मिह बेटा गोहम मिह 4/42, रमेश
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अश्वनी कुमार गच्छेवा पुत्र श्री जीवन
दाम सच्चदेवा, 344/2, मुभाप रोड गांधी
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्यत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

प्राप्ती जो कि प्लाट नं० डब्ल्यू० जै३-८/६, जिसका
क्षेत्रफल 104 वर्ग गज है कीर्ति नगर, गांव बमाई छोटा-
पुर में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख: 8-12-1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः:—

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री हरवन्स मिह मिन्हा औ०/10, माइन टाउन,
दिल्ली-9
(अन्तरक)

(2) श्री रवि कुमार अशोक कुमार मनमन्दा, 99-
ई०, कमला नगर, दिल्ली-9
(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन
आई० पी० एस्टेट नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर, 1980

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एम० आर०-I-4-80/
6443—अतः मुझे, बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 29 ब्लाक ई० है तथा जो नार्थ सीटी
एक्स्टेशन स्कीम, अब कमला नगर में स्थित है (और डम्से
उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 1908) के अधीन तारीख
अप्रैल, 1980

को प्रवृक्षित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाङ्कित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ अन्तरित किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके प्रवृक्षित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रम।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन का अवधि या उत्तमवन्धि व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृक्षित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
प्रदूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 99, ब्लाक-ई० नार्थ सीटी एक्स्टेशन स्कीम
जोन कमला नगर, मुनिसिपलटी, नं० ई०/6798 दिल्ली।

श्रीमती बलजीत मटियानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीखः 8-12-80

मोहरः

प्रलूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन आई० पी०
एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश नं० आई० ए० सी०/एक्य०-II-एस० आर०-II-4-80/
3308—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का छारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-4/66, है तथा जो रोहतक रोड,
दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 8-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या घण्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रर्यात :—

(1) श्रीमती कमला मेहता w/o श्री एस० सी० मेहता
सेक्टर नं० 7, क्वाटर नं० 1274, आर० को०
पुरम, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती जान देवी पत्नि लेट श्री बाबू राम
गुप्ता, बी०-4/66, पश्चिम विहार, रोहतक
रोड, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करला हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवृत्ति या तत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारीयों में से किसी अवृत्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य अधिक द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संदर्भीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वहीं अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० बी०-4/66, जो कि प्लाट नं०
66 ब्लाक नं० बी०-4 गांव पीरान गढ़, पश्चिम पुरी में
स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सशम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख : 8-12-80

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली
 नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/ग्रू०/II/एम० आर०-II/
 4-80/3326—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है
 और जिसकी सं० डब्ल्यू० जैड-216 है तथा जो जी० बी०-
 15, हरी नगर नई दिल्ली में ब्लाक जी० में स्थित
 है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 16-4-80
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 अन्तर ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरग के लिए तय पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की मावत, उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरान के वायित्व में
 कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरीदत्त सिंह बेटा श्री महताब सिंह, 138,
 गौतम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सरदारी लाल मरवाहा बेटा राम अन्द
 मरवाहा डब्ल्यू एस०-222, मायापुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहिया करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
 दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० डब्ल्यू० जैड-216, जो कि प्लाट नं० जी०/
 बी०-5 पर बना है जिसका क्षेत्रफल 266 वर्ग गज है, हरीनगर
 ब्लाक नं० जी० में स्थित है ।

श्रीमती बलजीत मटियानी,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 8-12-1980

मोहर :

प्रस्तुप आर्ष.टी.एन.एस.-----

(1) श्री हरीदन सिंह बेटा श्री महेनाव सिंह
138, गौतम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

(2) श्री मनोहर लाल चौधरी बेटा श्री दीलत राम
चौधरी, जैड-14, मायापुरी नई दिल्ली।

(अन्तरित)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० आई० प० सी०/प्रक०-II/प्र० आर०-II-
4-80/3327—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से ऊंचिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू० जैड-216 है तथा जो ब्लाक
'जी०' हरोनगर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
ग्रन्तुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 16-4-1980

क्वो पूर्योक्त भम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही शर्त होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अन्सूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

एक मकान नं० डब्ल्यू० जैड-216, ब्लाक 'जी०'
जो कि प्लाट नं० 'जी' 109, 110 111 और 112 पर²
बना है जिसका क्षेत्रफल 800 वर्ग गज है हरी नगर में
स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख: 8-12-1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

प्रारूप आई० टी० एस० एम०

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की भारा

२६९-३ (१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रेष्ठ रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक ४ दिसम्बर १९८०

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-II/
४-८०/६४७८—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे ६से
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा २६९-३
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जी०-३/७५ है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण
स्तर से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८
का १६) के अधीन, तारीख प्रत्रैल, १९८०
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास सूचने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किंवदन्ति नहीं
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें वचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, वा
बन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था तिसमें
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा २६९ ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-३ ही उपशारा (१)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

15—406GI/80

(१) श्री रतन चंद चौपड़ा बेटा श्री कशीरी लाल
नगर एटारनी श्री अर्जीत कुमार चौपड़ा और
श्रीमती लता, जी०-३/७५, माडल टाउन,
दिल्ली।
(अन्तरक)

(२) श्रीमती गुरमीत कपूर पत्नी सुदर्शन कपूर ६७,
रमेश्वर नगर आजादपुर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षितयों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्रु किसी
अन्य अविक्षित द्वारा, अदीहस्ताक्षरी के पाय लिखित
में दिया जायें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० जी०-३/७५ जिसका क्षेत्रफल १४० वर्गगज
है जो कि माडल टाउन में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२
तारीख : ८-१२-८०
मोहर :

प्रस्तुप प्राईडी० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० आई० प० सी०/एक्य०-II/ए० आर०-II/4-80/
7534—अतः मुझे, बलजीत सटियानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त प्रधिनियम’ कहा गया है), को धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी बी-74, है तथा जो खमगा नं० 1607 इन्द्रपुरी
कालीनी, दिल्ली-12 में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुमूली
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है। क्योंकि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टिमान प्रतिफल से असम्भव है, उसके दृष्टिमान प्रतिफल का पद्धति
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और घन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन उक्त देने के अन्तरह के अधिकार में
किसी करों या नियमों वज्रों में गुविधा के लिए;
जीर/ग्रा।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
धीन निम्नलिखित वर्णनों, अर्थात्:—

(1) श्री विक्रम सिंह, लीदर सिंह बेटा निरन्जन सिंह
लिदर, श्रीमती पंजाब कौर, बिठे श्री
निरन्जन सिंह लिदर बी०-75 इन्द्रपुरी, नई दिल्ली,
श्री बलबीर सिंह लिदर बेटा श्री निरन्जन सिंह
लिदर 501, महात्मा गांधी रोड, (वेस्ट बंगाल)
और श्री सुरिन्दर सिंह लिदर और मे० हरदेव
सिंह, बेटा निरन्जन सिंह गांव गदर हिल्स,
शिमला।

(न्यूतरक)

(2) श्री पूरन लाल और अशोक कुमार बेटे गुरदियाल
श्रोरा, 3073 मोहल्ला शाहगंज, होजकाजी,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को प्रवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना भी
तामील में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, यथोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्याम 20-क में परिवर्तित हैं, वही
अर्थ होंगा, जो उस अन्तर्याम में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी०-14, खसरा नं० 1607, गांव नरायना
इन्द्रपुरी, विल्ली-12।

तारीख: 10-12-80

मोहर:

श्रीमती बलजीत भोटियानी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली नई दिल्ली-110002

प्रह्लप आई० ई० इ० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शास्त्र (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/ एन्क्य०-II/एम० आर०-I/

4-80/6383—अतः मुझे, बलजीत मटियानी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं 767, पुराना नं० 1658-1660) लुधियान रोड, कश्मीरी गेट दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाठ्य ग्रन्थ प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखितियों, अवृत्त :—

(1) एम० एस० विल्डर्स और कन्ट्रेक्टर्स 1118-धी० आसफाली रोड, थू. पार्टनर्स श्री जे० पी० गुप्ता और उमेश गुप्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री सुदेश कुमार खशा बेटा श्री हुकम चन्द, 5210 कोलापुर रोड, सज्जीमण्डी, दिल्ली-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त सम्बन्ध के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापार :—

(क) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राउण्ड प्लॉर व पहली मंजिल प्राप्टी जिसका मु० ना० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) जो कि लुधियान रोड, कश्मीरी गेट में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर शास्त्र (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-12-80

मोहर:

प्रकृत्य आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन, दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०II/एस आर-II/4-80-3297—ग्रतः मुझे, बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पास्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० सी-101-102 है तथा न्यू मुलतान नगर नई दिल्ली-110056 में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1980

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित री गई है और युझे यह विश्वास करने का लाया जाता है कि यथापूर्वोक्त गांधी जी उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत में प्रधित है और अन्तरह (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निर्मिति उद्देश्य व उक्त प्रतिशत विविध में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक क वायित्व में कमी करने या उसमें बचतें में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी असंग आय या अक्सा धन या ग्रन्थ आस्तीयों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, इस्ते अधिनियम, की धारा 269-व के ग्रन्तुस्तण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यां, अर्थात्:—

(1) श्रीप्रकाश देव ढींगरा बेटा लेट श्री परमानन्द ढींगरा मकान नं० ५ और श्रीमती गुप्ता रानी ढींगरा पत्नी श्री प्रकाश देव माडल टाउन, रोहतक (हरियाणा)।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता बेटा श्री जीत बहादुर गुप्ता और श्री हरी शंकर गुप्ता बेटे श्री बसुदेव गुप्ता, डब्लू ६१, मायापुरी फेज-II खिरी लाईन दिल्ली (अन्तरित)

(3) श्री प्रकाश देव ढींगरा।

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय विकास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमूसूची

प्लाट नं० सी-101-102 जो कि मुलतान नगर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 373-1/3 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 8 दिसम्बर, 1980

भाँहर :

प्रकल्प पाई० टी० एन० ए०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाषुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, पंच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० इस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली; दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०II/एम० आर०-I/4-80/
6519—यतः मुझे बलजीत मटियानी,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उच्चत प्रधिनियम' कहा था है), को धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 355 है तथा जो कुचा घासी राम, चांदनी चौक, इलाका नं० 2 दिल्ली में है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 दिसम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के दशवरावन प्रतिफल के लिये उन्नरिया को गई है और मूल्य यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति हा उचित बाजार मूल्य उसके दशवरावन प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पठ्ठ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्रांशु का बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी रहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिता राग या नियोगी राग अंतर्गत को जिन्हें भारतीय कायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11)या उक्त प्रधिनियम या अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथवा :

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी प्रकाशवती बेटी श्री बाबू प्यारे लाल पत्नी श्री रविन्द्रनाथ बहल 3/34 निराला नगर, लखनऊ अब 178, राऊज एवन्ट्यू, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री रामरूप बेटा मनोहरलाल, बलदेव सिंह बेटा रामरूप, निवास 2241 गली डींगा ब्रेग फाटक हवास खान, दिल्ली, राजेश कुमार बेटा अमर नाथ सी-55, पंचशील एनक्लेय, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

दो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए वार्यादियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर दूबन्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा, पछोड़तात्त्वकी के पान लिखित में दिए गए नोटों

उपलिखितः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

4 मंजिल मकान नं० 355 जिसका क्षेत्रफल 90 वर्ग गज है जो कि कुचा घासी राम, चांदनी चौक इलाका नं० 2 नई दिल्ली-6 में स्थित है।

बलजीत मटियानी
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर भाषुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-12-80

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1
एच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट
नई दिल्ली
नई दिल्ली-1 दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-II/
4-80/6491—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 2593 है तथा जो गली पीपल वाली, छत्ता प्रताप
सिंह दिल्ली में स्थित है (आंतर इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्व स्पष्ट
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, दिल्ली-6 में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 24-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण
में, भौत अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फूल चन्द जैन बेटा मोहकम चन्द जैन
2593, गली पीपल वाली, छत्ता प्रताप सिंह
दिल्ली-6।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम नारायण बेटा श्री लक्ष्मण सिंह 2593,
गली पीपल वाली, छत्ता प्रताप सिंह दिल्ली-6।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए जारीवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बढ़ निसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृत्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिल मकान नं० 2593, जिसका क्षेत्रफल 108 J
वर्ग गज है। पीपल वाली गली, छत्ता प्रताप सिंह, इलाका
नं० 4, दिल्ली-6 में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1

तारीख : 8-12-1980
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 जा 43) को भारा
269-व (1) प्रधानमंत्री

भारत सरकार

कार्यालय, वित्तायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज एच ब्लाक-II,
(आई० पी० स्टेट) विकास भवन,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश संख्या आई० ए० सी०/एक्यू०/एस० आर०-
1/80/6490—अतः मुझे, बलजीत मठियानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 जा 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-व के अधीन सदम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25.000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या जे-87 है तथा जो राजीवी बाग, दिल्ली
स्टट दिल्ली में स्थित है और उससे उपाख्य अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 22-8-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और शम्भरक (अन्तर्कर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य पे उक्त अतः जिस लिखित में वास्त-
विक रूप से उल्लिखित नहीं है। यह यहाँ है :—

(क) अस्तरण से हुई छिसी आय का बाता उक्त अधि-
नियम के अधीन रुपदेने के प्रत्यक्ष के रायितव में लिही
करने या उभये बचने में सुविधा के लिए। और/एवं

(ख) ऐसी छिसी आय का किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविधि 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पर्योजनाओं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
अधिकारी, प्रधानमंत्री

(1) श्रीमती बिमला रानी स्त्री श्री राम दास श्री
जवाहर नाल श्री राजीन्द्र कुमार और श्री मुभाप
चन्द्र पुत्र श्री राम दास निवासी 11/119 डी०
एस० निलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र कुमार जुनेजा मंजीव कुमार पुत्र
श्री राम चन्द्र जुनेजा निवासी 14-ईण्डर नगर,
गोखला ठर्न, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) द्रांसफर 5 नाम श्री भीम सेन, रामकिशन,
पूरन सिंह, धर्मेन्द्र, एस० के० सब्बरवाल।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूच्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यशाहिंशु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अल्पेप :—

(क) इस मूच्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
43 दिन की प्रवृत्ति या तस्वीरधी अधिकारी पर मूच्चना
की तारीख में 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रवृत्ति
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी
में से किभी अवैध द्वारा;

(ख) इस मूच्चना के गतवत में प्रकाशन की तारीख से
43 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किए गये व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के
राम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इसत
अधिनियम के प्रधान 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान प्लाट नं. जे-87, 277 गज स्थित राजीवी बाग
एस्ट्रिया, गांव बस्ट धारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

श्रीमती बलजीत मठियानी
सक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-12-80

मोहर :

परमा आई० टी० ए० पा०

प्राप्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एच ब्लाक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश मं० आई० प० सी० /पक्ष०/II/पा० आर०-II/
4-80/3335—अतः सुन्न, बलजीत भट्टाचारी
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके अन्तर्गत 'उत्तर प्रविनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के प्रतीक अन्तर प्रवित्तारी की यह विश्वास करने लातारण है कि
‘प्रायकर भारतीय जिताना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
में अधिक है’
और जिसकी संख्या 24 विश्वास है तथा जो गांव ममुदाबाद,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16), के अधीन तारीख अप्रैल 1980 को
पूर्णता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुक्ते यद्विश्वास करने का कारण है
कि प्राप्तार्थीकरण सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसा दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए उप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृयित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण ने दुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन नहर दो ले अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए;
श्रीर/गा

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रभुसरण में;
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्न लिखित अप्रितियों, अर्थात् ।—

(1) श्री हरीश बेटा श्री हर बंगत, हरी कृष्ण बेटा
श्री मुक्तान मिह, रघुबीर गिह बेटा श्री विश्वन
मिह, महेश चन्द बेटा श्री मुक्तान गिह और
रोगनलाल बेटा विश्वन मिह नजफगढ़ दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरज प्रसाद बेटा श्री रघुबीर मिह नजफगढ़
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए
नियंत्रित करता है।

उक्ता प्राप्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अप्रितियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अप्रितियों में
न किसी अप्रिति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में
हिये जा सकें।

संष्टोषणः——प्रत्यक्ष और वदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित हैं, वही
प्रत्येक होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुमि 24 विश्वास गांव ममुदाबाद, दिल्ली ।

श्रीमती बलजीत भट्टाचारी
मक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज ठ, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8-12-80

मोहर :

प्रस्तुप आई-टी० एन० पृष्ठ०--

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II एवं ब्लाक विकास भवन आई० पी०
स्टेट, नई दिल्ली 4/14 क, आगफ़तली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० प० सी०/एक्य०-11/एन आर-1/4-80/
6495—अतः मुझे बलजीत सिंह मटियानी

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में प्रधिक है
और जिस की सं० ई-3/9 है तथा जो माडल टाउन दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 24-4-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन पा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ढारा प्रहृष्ट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की प्राग 269-घ की उपधारा

(1) के प्रधीन निम्नलिखित विविधों, अर्थात्:—

16-406GI/80

(1) श्री खलेती लाल चोपड़ा बेटा लेट श्री देवी वास
चोपड़ा ई-3/9 माडल टाउन, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता देवी, पत्नी श्री गुर प्रसाद
1139, गली समोसन, फराशखाना,
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाहीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मन्जिला बिल्डिंग नं० ई-3/9, जिसका क्षेत्रफल
274.16 वर्ग गज है माडल टाउन में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सअम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-।

दिनांक : 8 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टो. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II एवं ब्लाक, विकास भवन
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देशांस० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर०-II/4-80/
3346—अतः मुझे, बलजीत मटियानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष (1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे-6/103 है तथा जो रजीरी गार्डन
गांव सतारपुर, दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपबंद अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-4-80
के पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
दर्शने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके श्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कोई धृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या विद्या जाना चाहिए था, लिपाने में स्विधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुचरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के
अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

(1) श्रीमती लता देवी पत्नी श्री शाम लाल डी-14
कीर्ति नगर, नई दिल्ली।
वर्तमान एफ-287, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा सेठी पत्नी श्री गुडियाल सेठी
जे-6/103, रजीरी गार्डन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के निए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सारांतर के अर्जन के अन्तर्गत में कोर्ट भी आधोप—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की समीक्षा से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि
वाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहु विकास अधिकारी द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सम्बन्धित
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूल्यांकन

एक मन्जिला भकान जो कि प्लाट नं० जे-6/103
रजीरी गार्डन, गांव ततारपुर, दिल्ली स्टेट दिल्ली जिसका
क्षेत्रफल 160 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, एवं ब्लाक, विकास भवन
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अंतर्गत सुचना

भारत सरकार

कायांकिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II एच ब्लाक, विकास भवन,

आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निरोग सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस आर-II/4-80/
6384—अतः मुझे, बलजीत अटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० सी-1/2 है तथा जो रजौरी गाँड़न, गांव
बसाई धारापुर, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कृत के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती (अन्तरितियों)
के बीच प्रत्येक अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उदाहरण से उक्त अन्तरण निकित में वासानिक रूप से निर्धारित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई इसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन डर देने के अन्तरक के दायित्व में
करने करने या उनमें वृत्ति में नुक्ति के लिए;
और/या

(ख) ऐसी फिरा आय या फिसी वन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनु-
मत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शीला चावला एलाइस, अंजीत कौर और और
युधिष्ठिर लाल चावला, सी-1/2, रजौरी गाँड़न,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मैसर्स तार्स एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड, थू
पार्टनरस और एच० एस० हंसपाल और थेर
सिंह चावला, 1/6, पूरा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवक्षियों में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवक्षित द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मकान जो कि ब्लाट नं० मो-1/2, रजौरी गाँड़न में,
जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग गज है गांव बसाई धारापुर,
में स्थित है।

श्रीमती बलजीत अटियानी
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II एच ब्लाक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 18 दिसम्बर 1980
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सशायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, एच ब्लॉक, विकास भवन,

आई०पी० स्टेट, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, विनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस आर-1/9-80—

प्रतः मुझे, बलजीत भट्टाचारी

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय भास्ति, त्रिपाता उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी मं० 14 है तथा जो भामा शाह मार्किट,
मन्डेलियन रोड, कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
16-9-80

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा
पञ्चवृत्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से इसे किसी प्राय की बाबा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के तात्पत्र में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) नेपोलियन प्राय या हिस्ती प्रत या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

प्रतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित घटितियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० टी० सिपाहीमिलानी, आई० आर०
एस० (रिटायर) बेटा दीवान तारा चन्द,
एम-63, कनाट सरकम, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) ओ अर्जुन मिगलानी, कर्ता श्री अर्जुन मिगलानी,
बेटा गुरुबक्ष राय,
सी-1, ओब्राय एपाट, दिल्ली-110
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उम्म सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तात्पत्र से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
तिसी प्रम्य उपक्रिया द्वारा अतिहस्ताक्षरी के पास
निवित में फिर जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ना, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ द्वारा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 14, भामा शाह मार्किट, मन्डेलियन रोड
कमला नगर, दिल्ली-7 जिसका क्षेत्रफल 227 वर्ग गज है ।

श्रीमती बलजीत भट्टाचारी
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

मोदूर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, एच ब्लाक विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली
4/14 क, आसफाली रोड, नई दिल्ली ।
नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदक्ष सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस आर-१/४-८०/
६४२५—अतः मुझे बलजीत भट्टाचारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिस की सं० जेड-12 है तथा जो माडल टाउन दिल्ली-
7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व सूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अप्रैल 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री आसा राम गुलानी बेटा एल केशो राम
धू बेटा श्री एस० के० गुलानी बेटा आसा राम
गुलानी जेड-12, माडल टाउन दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रित पाल भिंह बेटा श्री दर्शन सिंह
ए-३/१०० पम्निम विहार, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० जेड-12, माडल टाउन, दिल्ली जिसका
धेवफल 251 वर्गगज है।

श्रीमती बलजीत भट्टाचारी
मक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 8 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II एच ब्लाक, विकास भवन,

आई.पी.ओ. स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं. आई.ए. सी.एक्यू.एस.आर-II/6406--

अतः मुझे बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जे-26 है तथा जो कीर्ती नगर, गांव बसाई धारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के निए अत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कीर्ती करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27)

के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) डा० पी० के० कपूर बेटा श्री धर्म नारायण कपूर एफ-37, हैस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जसबीर कौर पत्नी मनमोहन सिंह डब्ल्यू/ओ एस० मनमोहन सिंह जे-26, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि प्लाट नं. जे-26 कीर्ती नगर गांव बसाई धारापुर में है जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II एच ब्लाक विकास भवन,
आई.पी.ओ. स्टेट नई दिल्ली

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।। एच ब्लाक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-॥/एस आर-।/4-80/
6453—अतः मुझे बलजीत भट्टाचारी

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सभीम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० में अधिक है।

और जिस की सं०-ई-36 है तथा जो रजीरी गाँव, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 18-4-80

को पूर्वोक्त तंत्रिति के उचित बाजार मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धर्म या धर्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० के० मिडा और श्री राजेश कुमार
बेटे श्री चुनी लाल मिडा,
7-वेस्ट पटेल नगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत कौर पली श्री प्रह्लाद सिंह
बेदी ए-111, विषाल एनकलेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय मिलिखित में किए जा जाएंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि प्लाट नं० ई-36, रजीरी गाँव में है जिसका क्षेत्रफल 215 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत भट्टाचारी
सभीम अधिकारी
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, एच ब्लाक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

हार्षिति, महायज्ञ वायाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1। एच ब्लाक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-1।/एस आर-1/4-80/
6396—अतः मुझे बलजीत भटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दप्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के प्रधीन मकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की मं० ए-3 है तथा जो राना प्रताप बाग दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपायद्वय अनुसूची में पूर्व रूप से
मणित है), रजिस्ट्रीबर्टा प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 2-4-80

को पूर्णिमित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही नहीं है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और
अन्तरिती (प्रत्यक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दुई किरी आय ने बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कर्म करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या।

(ख) ऐसी किरी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
में, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, या अन्तर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ इतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब (1) के उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविषया अर्थात् :—

(1) श्रो शाम सुन्दर गुसेन बेटा राम चन्द गुसेन
ए-3, राना प्रताप बाग, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रो राजेन्द्र कुमार खेरा बेटा श्री कुन्दन लाल खेरा
ए-4/3 राना प्रताप बाग

(अन्तरिती)

(3) (1) विजय पाकेट बुक डिपो

(2) ए० एस-इस्टा ए-3, राना प्रताप बाग,
दिल्ली

(वह अकित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि थी। तस्मान्तर्थी अविष्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रबंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविष्यों में से किसी अविष्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-
बद्द किसी अन्य अविष्य द्वारा, प्रशोहस्ताकारी के
पास लिखित से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचित
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोप्रटी नं० ए-3, राना प्रताप बाग, दिल्ली जिसका
धेव फल 233-1/3 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत भटियानी
सक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1। एच ब्लाक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्रलेप आइ०. टी. एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस आर-I/4-80/

6410—ग्रतः मुझे बलजीत भट्टाचारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिस की संख्या बी-10 है तथा जो सत्यावती नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक अप्रैल 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पृथक्
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कृत विभिन्निकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जा ना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती अमी कौर पल्ली श्री बन्सी धर गोकल गेट,
काट मण्डी, रिवारी डिस्ट्रिक महेन्द्रगढ़, हरियाणा
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिनी देवी पत्नी श्री अच्छी दास
2531, अंकार नगर, त्रिनगर, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वं
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इसके
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मकान नं० बी-10, जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है
सत्यावती नगर में स्थित है।

श्रीमती बलजीत भट्टाचारी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, एच ब्लाक विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एम० ए स०—

आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
26७ व (1) के अधीन सूचना

भारत ब्रह्मांड

अर्जन रेज-II एच ब्लाक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-II/स्प्रा०-1/4-80/
6405—अतः मुझे बलजीत भट्टाचार्य

आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 26७-वा के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानकर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 17/3 है तथा जो अक्त नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रसिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण में ही किसी व्याय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय व्यायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्भिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम की बारा 26७-वा के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की बारा 26७-वा की उपलापा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः—

(1) श्री गुरुमुख प्रनिक पुल श्री फूसचल सिंह मनजीत सिंह और अमरजीत सिंह निवासी श्री एस० गुरदयाल सिंह निवासी श्री-6/58 सफदरजंग एनकलेव नई दिल्ली, मोहन सिंह पुल श्री एस० गुरुदयाल सिंह 17/3 शक्ति नगर हरखीन्दर सिंह पुल श्री गुरुदयाल सिंह निवासी 53 ग्राटसबुड ड्रग मर्केंट कम्बल्ली सल्के यू० के० एस० मोहन सिंह के द्वारा ।

(अन्तरक)

(2) श्री लीलाराम पुल श्री "एस. राम चन्द्र श्रीमती निरमल गुप्ता पत्नी श्री एस० मिठन साल और श्रीमती चन्द्रदेवी पत्नी श्री एस० महाबीर प्रसाद निवासी 425 नया बांस, दिल्ली—

(अन्तरिती)

(3) श्री सुरेश राम राम पुल श्री के० जी० एम राध निवासी 17/3 एक० एक० 3 कमरे शक्ति नगर दिल्ली ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्बलि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाकेत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्बन्ध में हितवद्ध किसी शाय व्यक्ति द्वारा, अघोरस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-वा में परिमाणित हैं, वही पर्व होता, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद नं० 17/3 शक्ति नगर, दिल्ली एरिया 241.11
गज ।

बलजीत भट्टाचार्य
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आमकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, एच ब्लाक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 8 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, एच० ब्लाक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्य०-I/एस आर-IV/4-80/
70—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि 1/4 हिस्सा है तथा जो 25
बीघा 2 विस्तार गांव गदर्हपुर तहसील महरौली नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन करें बेने के प्रमात्रके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवैं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
ब्लॉक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवश्यिक था छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री धर्मसिंह पुत्र दीवान सिंह,
निवासी कोटला मुबारकपुर
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कलैरिजस होटल (प्रो०) लि० 12 ग्रीरंगजेब
रोड नई दिल्ली वाया
सन्तोष कुमार डायरेक्टर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तापील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संक्षेप:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वहाँ
प्रारंभ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि एरिया 25 बीघा 2 विस्तार
(बारावर है 6 बीघा 5½ विस्तार खमरा नं० 574 (5-18),
553 (4-17), 570 (4-16) 573 (4-16), 554 (4-16)
ट्रॉब्लैंड हाउस गांव गदर्हपुर तहसील महरौली नई
दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, एच० ब्लाक, विकास भवन,
इन्ड्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक: 24 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निदश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस आर-III (4-80)

71—अतः मुझे आरा० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा कुपि भूमि है तथा जो 28
बीघा 9 बिस्वास (7 बीघा 2 1/4 बिस्वास) गांव गदईपुर
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री धर्म सिंह पुत्र दीवान सिंह
निवासी कोटला मुबारकपुर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कलैरियस होटल (प्रा०) लि० 12 श्रौरंगजेब
रोड नई दिल्ली, वाया डायरेक्टर
सन्तोष कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह्य भी आशेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कुपि भूमि जमीन 28 बीघा 9 बिस्वास
(7 बीघा 2 1/4 बिस्वास) खसरा नं० 578/1 (3-0),
578/2 (0-16), 549 (4-16), 577/1 (0-16),
577/2 (2-0), 516 (1-13), 550 (4-16), 551
(4-16), 572(2-16) गांव गदईपुर तहसील महरौली
नई दिल्ली।

आरा० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन,
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक: 24 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, एच ब्लाक, विकास भवन,
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसंबर 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-I/एस० आर-III/4-8-0/
72—ग्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा कृषि भूमि,
27 बीघा 18 बिस्वास (6 बीघा 19 बिस्वास) गांव गढ़ीपुर,
नई दिल्ली में स्थित है (अंगूर इससे उपाखद अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,
और अन्तरुक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरक्त के
दायित्व में कमी करने या उससे छचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवितरों, अर्यातः—

(1) श्री धर्म सिंह पुत्र दीवान सिंह
निवासी कोटला मुबारकपुर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कलैरिजस होटल प्रा० लि०
12 श्रीरंगजेब रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रप्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि एग्रिया 27 बीघा 18 बिस्वास
(6 बीघा 19 बिस्वास) खमरा नं० 548 (4-16),
547 (4-16), 546 (4-16), 580 (4-16), 579/1
(2-8), 579/2 (1-4), 579/3 (1-4) एण्ड 575 (3-18)
गांव गढ़ीपुर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, विकास भवन, एच० ब्लाक
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 24 दिसंबर 1980
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन,

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निदश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस आर-III/4-80/

73—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा कृषि भूमि 25 बीघा 2 बिस्वास
(6 बीघा 5 1/2 बिस्वास) गांव गर्दापुर नई दिल्ली में
स्थित है (और इसे उपाध्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी
(अन्तरीरीताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री भगत सिंह पुत्र दीवान सिंह
निवासी कोटला मुबारकपुर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कलैरिजस होटल प्रा० लि०
12 औरंगजेब रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि 25 बीघा 2 बिस्वास (6 बीघा
5 1/2 बिस्वास) खसरा नं० 574 (5-18), 553 (4-16),
570 (4-16), 573 (4-16), 554 (5-16'), ट्यूबवेल
हाउस गांव गर्दापुर तहसील महरौली नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 24 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, एच ब्लाक, विकास भवन

इन्ह्र प्रस्तुप स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०-१/एस आर-III/4-80/

74—अतः मुझे, आरा० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा०
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. सं अधिक है

और जिस की सं० 1/4 हिस्सा कृषि भूमि है तथा जो
27 बीघा 18 विश्वास (6 बीघा 19 1/2 विश्वास) गांव गदर्ह
पुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्ट अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-1980

को पूर्वांकता संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकता संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री भारत सिंह पुत्र दीबान सिंह
निवासी कोटला मुबारकपुर
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कलैरिजस होटलस प्रा० लि०
12 श्रीरंगजेठ रोड, नई दिल्ली बाया डायरेक्टर
सन्तोष कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकता सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषु।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकता
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि एरिया 27 बीघा 18 विश्वास
(6 बीघा 19 1/2 विश्वास) खसरा नं० 548 (4-16),
547(4-16), 546 (4-16), 580(4-16), 579/1
(2-8), 579/2 (1-4), 579/3 (1-4), 575 (3-18)
गांव गदर्हपुर तहसील महरीली नई दिल्ली।

आरा० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विभाग : 24 दिसम्बर 1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात् ८—

प्ररूप बाइं. टो. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I एच ब्लॉक, विकास भवन

इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई विल्सी

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-इस० आर०-III/
4-80/75—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उच्च मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायी
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 1/4 हिस्सा 28 बीघा 9 बिस्वास (7
बीघा 2 1/4 बिस्वास) कृषि भूमि है तथा जो गांव गदईपुर
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की जाई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तुरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अनुसरण सिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाबत उचित अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचित अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावधि अनुसरित द्वारा प्रकट नहीं किया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उचित अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उचित अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन
निम्नलिखित अधितियों, असौत :—

(1) श्री भारत सिंह पुत्र दीवान सिंह
निवासी कौटला मुबारकपुर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) कलैरिजस होटल प्रा० लि०,
12 औरंगजेब रोड नई दिल्ली वाया
डायरेक्टर सन्तोष कुमार ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उचित सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उचित स्थायी संपत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्यय व्यक्ति द्वारा अव्योहस्ताशरी के पास निवित
में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रधुक्त शब्दों और पदों का, जो उचित
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि एरिया 28 बीघा 9 बिस्वास
(7 बीघा 2 1/4 बिस्वास) खसरा नं० 578/1 (3-0),
578/2 (1-16), 577/2 (2-0), 576 (1-13), 549
(4-16), 550 (4-16), 551 (4-16), 572 (2-16),
गांव गदईपुर महरौली, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई विल्सी

दिनांक : 24 दिसम्बर, 1980
मोहर :

प्रसूत आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का द्वारा
269वां (1) के प्रधीन मुद्रना

भारत सरकार

कार्यान्वय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, पंच ल्लाक, विकास भवन,
(ग्राई. पी. इस्टेट) नई दिल्ली

ਨਵੀਂ ਹਿੰਦੂ-110002, ਦਿਨਾਕ 24 ਫਿਸ਼ਾਵਰ 1980
ਜਨਦੇਸ਼ ਮ 0 ਆਈ 0 ਪ 0 ਸੀ 0 /ਗੁਰੂ 1 /ਪਸ 0 ਆਰ 0 -III /4-80/

76.—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
अधिकारी प्रबन्धनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उगम
इसके पश्चात् 'उक्त प्रबन्धनियम' कहा गया है), को छारा
269-ख के बधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
फारण है कि स्थानीय संपत्ति विधान उचित राजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिमकी में १/४ हिस्सा २८ औंडा ९ विस्त्राम (७ ब्रीघा २१/४ विस्त्राम) द्वारा भूमि है तथा जो गाव गढ़-पुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अन्तर्गत में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन दिनांक १०-४-८०

पो पर्वत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और भवतरक (अन्तरारों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिया गया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभारण लिखित में वापर्विक रूप में लिखित नहीं किया गया है :-

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रबंधक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सविभाग के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसां आय या किसी धन या अन्य आवधियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर परिविनियम, १९२२
(1922 का 11) या उका अविनियम, या
धन कर अविनियम, १९५७ (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के, अनुसरण में, सै, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

18-406GI/80

(१) श्री विपत्त मिह पुत्र दीवान मिह कोटला मवारकपुर नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(२) कर्नेलिजम होटलम प्रां लि०,
१२ औरंगजेब गोड, नई दिल्ली, बाया
डायरेक्टर मलोप कमार

(अन्तरिती)

फो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आधेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में मे किसी ध्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य प्रक्रिया द्वारा, अधीक्षहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थाटोकरण —— इसमें प्रथम शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसधी

1/4 हिम्मा कृपि भूमि गरिया 28 बीघा 9 बिस्त्राम
 (7 बीघा 2 1/4 बिस्त्राम) खरमग नं० 578/1 (3-10),
 578/2 (1-16), 577/1 (0-16) 577/2 (2-0)
 577/3 (2-0) 576/1 (1-13), 549 (4-16), 550
 (4-16), 551 (4-16) गांव गढईपुर, महर्जनी, नई दिल्ली ।

આર્ટ બી એલ્ડ અપરવાલ

संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्षत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-। दिल्ली, नई दिल्ली ।

दिनांक : 24 दिसंबर 1980 ।

मोहर :

प्रस्तुग आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

इन्द्र प्रस्तुग स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश मं० आई० ए० मी०/ग्रक्य०-I/ग्रम० आर०-III/4-80/

77-ग्रन्त: मुझे, आर० बी० ए० ए० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की मं० 1/4 हिस्सा 25 बीघा 2 विस्वाम (6
बीघा 5 1/2 विस्वाम) कुप्रभावी है तथा जो गांव गदईपुर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में
पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
अन्तर्गतियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया ग्राहित-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
स्पष्ट में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हृद्द किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिन्यों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संरक्षा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विपत मिह पुत्र दीवात मिह
निवासी कोटला मुवारकपुर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कलैंगजस होटलम प्रा० नि०
12 औंगंगजे ब रोड, नई दिल्ली, वाया
सन्तोष कुमार डायरेक्टर।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा एप्रीलचरन लैन्ड एग्रिया 25 बीघा
2 विस्वाम (6 बीघा 5 1/2 विस्वाम) खसरा नं० 574
(5-18), 553 (4-16), 570 (4-16), 573 (4-16),
554 (4-16), द्युब्बैल हाउम गांव गदईपुर, तहमील
महगानी, नई दिल्ली।

श्रार० बी० ए० ए० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली।

दिनांक: 24 दिसम्बर, 1980।

गोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, पंच ब्लाक, विकास भवन,

इन्द्र प्रस्थ इम्पेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश मं 0 आई०प० सी०प०-१/प०म० आर०-III/4-80/

78—अतः मुझे, आर० वी० ए० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है।

और जिस की सं० 1/4 हिस्मा 27 बीघा 18 विस्वाम (6
बीघा 19 1/2 विस्वाम) कृषि भूमि है तथा जो गांव गर्दूपुर, नई
दिल्ली में स्थित है (शौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, पाँसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तर्गत (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्मालितित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निर्मालितित व्यक्तियाँ अर्थात् :--

(1) श्री विपत सिंह पुत्र दीवान सिंह
कोटला मुवारकपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कलेरिजम हांटलस (प्रा०) लि०,
12 औरंगजेब रोड, नई दिल्ली, बाया
डायरेक्टर, मन्त्रीप कुमार।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृढ़ि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्मा कृषि भूमि 27 बीघा 18 विस्वाम (6 बांधा
19 1/2 विस्वाम) खमग नं० 548 (4-16), 547 (4-16),
546 (4-16), 580 (4-16), 579/1 (2-8), 579/2
(1-4), 579/3 (1-4), 575 (3-18), गांव गर्दूपुर,
तहसील महरौली, नई दिल्ली।

आर० वी० ए० अग्रवाल
मध्यम प्राधिकारी
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 24 दिसम्बर 1980।

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन,

द्वंद्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यु०- /एस आर-III/5-80/

310—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

आर० जिस की सं० आर०-1 है तथा जो हीज खास इक्कलेब, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्थिति में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) देवी दाम अग्रवाल पूर्व वाके नाम अग्रवाल ए-47 गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) एम० कंवर जीत मिह पूर्व एम० शेर मिह शेर पाल एष्ट एसोसिएट्स, जी-48, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट नं० 1 ब्लाक नं० आर० 515.77 वर्ग गज कालोनी हीज खास इक्कलेब, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—रोड़

पश्चिम—रोड़

उत्तर—रोड़

दक्षिण—मकान, प्लाट नं० आर-3

आर० बी० एल० अग्रवाल
मक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक,

द्वंद्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी टी.एन.एम.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, एच ब्लाक, विकास भवन,
इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एम आर-॥/६-८०/
४५—अज्ञ मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सम्बन्धीय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाजार मूल्य
25,000/- इए से अधिक है।

और जिस की स० के-101 है तथा जो होंग खास इन्कलेव,
नई दिल्ली में स्थित हैं (और इस में उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नर अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-6-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्वाह प्रतिकृत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण पूँछ की पाय की बाबत, उक्त अधिनियम, 6 प्रधान कर दन के अध्यकरक के दायित्व
में पारा करना या उसमें उचित सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अज्ञ: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपर्याहा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवैत :—

(1) श्री मोनी लाल जैन पुत्र बनवारी घाल जैन
बी-१/२३ ए होंग खास इन्कलेव
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं इन्हींने प्रोपर्टीज प्रा० नि०
फ्लैट नं० ए८ सागर एपार्टमेंट्स
6 निलक मार्ग, नई दिल्ली-१

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के बंधन में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को प्रवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती है, के प्रान्तर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताकारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता था उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो फी होल्ड प्लाट आफ जमीन
नं० 101 ब्लाक नं० के 500 वर्ग गज या 418.06 वर्ग मीटर
होंग खास इन्कलेव नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है :—

पूर्व—रोड

परिष्ठम—मकान नं० के-100

उत्तर —मकान नं० के-86 और के-87

दक्षिण—रोड

आर० बी० ए८० अग्रवाल
मकान अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, विकास भवन, एच ब्लाक,
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली ।

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अजेंट रेज-1, एच ब्लाक, विकास भवन,
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसंबर 1980

निर्देश स० प्र० ५० ए० १०/गृष्म-१/गम०ग्रा०-॥॥/४-८०/
९९—अजेंट मुझे, आरा० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी स० 1/4 हिस्पा 25वींवा 2 विश्वास है तथा जो गांव गदर्हपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद अनुकूलों में दूर्घटना के विषय है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-4-80 को पूर्वोक्त सम्पादन के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरित को गई है और मूल्य से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्न अधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रयोक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निष्ठनिष्ठित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुनजान मिह पूर्व अन्तर मिह,
कोटना मुद्रारकपुर नई दिल्ली वाया
अन्तर मिह पूर्व दीवान मिह

(अन्तरक)

(2) एनीरिज होटल प्रा० लि०,
12 आर्मगजेब गाँड़ नई दिल्ली,
वाया डायरेक्टर मन्तोप कुमार

(अन्तर्गती)

जो यह सूचना आरों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेंट के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजेंट के लम्बन्ध में कोई भी आक्रमा:—

(क) इस सूचना के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मध्यनी व्यक्तियों पर सूचना को तामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में याता हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा अधारूपताकारी के पास निष्ठित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाया 20-व मेरि मिह हैं वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रतुसूची

1/4 हिस्पा ग्रुप भगि प्रिया 25 बीघा 2 बिस्वाम खगरा नं० 574 (5-18) 553 (4-16), 570 (4-16), 573 (4-16), 554 (4-16) द्यूव वैन हाउस गदर्हपुर महाराजी तहसील, नई दिल्ली।

ग्रा० बी० एल० अग्रवाल
मध्यम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अजेंट रेज-1, विकास भवन, एच ब्लाक,
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली
दिनांक : 24 दिसंबर 1980
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एम.---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

वार्यालिय सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, पाच लाक, विकाम भवन,
दुन्द्र प्रस्थ स्ट्रेट, नई दिल्ली-110001

नई दिल्ली, दिनांक २४ दिसम्बर १९८०

ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ମୁଣ୍ଡ ଆର୍ଟ୍‌କୋମ୍ ଏତେ ମୁଣ୍ଡ ପାଇଁ ଏହାରେ ଏକ ଅଧିକ ପରିମା ପାଇଁ ଏହାରେ ଏକ ଅଧିକ ପରିମା ପାଇଁ

100—अतः महे, आर० वी० पल० अग्रवाल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके ११ बात 'उत्तर प्रदीप' कहा गया है), का वारा 269-३
के अन्तर्गत प्रथम प्रायिकारों को, प्रदृष्टियाम करने का कारण
है जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रुपए से अधिक है

और जिसकी मूँ 1/4 हिस्मा 28 बीघा 9 विष्वामी है तथा जो गांव गढ़ईपुर नहीं दिल्ली में स्थित है (आँख इसमें उआबढ़ अनुभूति में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के काश्यानिय नहीं दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-4-80 को प्रवर्खत मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल ए लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विष्वामी करने का गारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिगत से अधिक है और प्रतरक (प्रतरकों) और प्रतरिती (प्रतरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिए तथ पापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से उचित तरीं किया गया है:—

(क) घन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उसके प्रधिनियम के प्रतीत कर देने के घन्तरक कार्यित्व में कमी करने या उसमें बदलने में मुखिधा के लिए और/या;

(ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तुओं को, जिन्हें भारतीय आपकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने गे विधा के लिए,

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन विस्तृत व्यविधयों, अष्टि।—

- (1) श्री मुलनान मिह पूत्र अन्नर मिह
निधासो कोटवा मुवारकपुर नई दिल्ली
वाया ब्रा० ग० अन्नर मिह, पूत्र दोबोन मिह
(अन्नरक)

(2) कर्वेरिज होटल प्रा० लि०,
12 श्रीरंगजेब रोड, नई दिल्ली
वाया मन्त्रालय कुमार वायरेक्टर
(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर मण्डलि के अंतर्गत के निपाकार्यवाहिया करता है।

उक्त अमृति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :-

(क) इस सूचना के गत्रात में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गुच्छा की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रौद्योगिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इग दूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर समर्पित में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथोदृस्ताक्षणी र. प.व विधिवत में किए जा सकेंगे।

स्वरूपीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

1/4 हिस्पा क्रपि भूमि पर्णिया 28 वीवा 9 क्रिस्त्वाग
ख्रस्त्वा नं० 578/1, (3-0), 578/2 (1-66), 577/1
(0-16), 577/2 (2-0), 577/3 (2-0), 576 (1-13),
549 (4-16), 550 (4-16), 551 (4-16), 572
(2-16) गांव गदईपुर तहसील महरौली नई दिल्ली ।

ग्राम बी० एन० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सदायक ग्रामकर आयुक्त (निर्गति)
अर्जन रेज-१, विकास भवन, पंच ब्लॉक,
टन्ड्रा प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली ।

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्राप्ति आई० टो० एन० एस०----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जनरेज-1, एच ब्लाक, विकास भवन,
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० मी०/एव्यू०-ए०आ०-III/।।-८०/
१०१—अत्. मुझे, आर० बी० एल अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- नामे से अधिक है
और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा 27 बीघा 18 विस्तास है तथा जो
गांव गदईपुर नई दिल्ली में स्थित है (ग्राम इसमें उपाखड़
अनुसूची में पूर्व स्थप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-4-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फट्टह प्रतिशत में अधिक है और
अन्तर (अन्तरकों) प्रीर प्रतिशती (प्रतिशतीयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए ताका गया गया परिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्धारित में जाहाजिल रूप से किया
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी करने या उसमें बताए में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिनि:—

(1) श्री मुनतान मिह पूत्र अलग मिह
निवासी कोठना मुवारकपुर नई दिल्ली,
वाया जो० ए० श्री अनंतर मिह पूत्र दीवान मिह
(अन्तरक)

(2) कलैरिज होटल प्रा० निः
१२ श्रीरंगजेव रोड, नई दिल्ली,
वाया सन्तोष कुमार डायरेक्टर
(अन्तरित)

को, यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के
निः लाप्तवाहिना छरा हूँ:—

उस सम्पत्ति के अंतर के नम्बर में सोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के रजात्र में वहांत की तारीख में 45
दिन की अवधि या तस्मान्वयी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
पापांत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोद्धारकरों के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

हालांकांडः—इसमें प्रयुक्त गद्दों द्वारा पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधान 20-ए में परिभासित है, वही
पर्यंत होगा, जो डा प्रधान में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा क्षणि भूमि एच्या 27 बीघा 19 विस्तास
खमरा नं० 548 (4-16), 547 (4-16), 546 (4-16),
579/1 (2-8), 579/2 (1-4), 579/3 (1-4), 575
(3-18) गांव गदईपुर तहसील महरौली नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंतर रेज-1, विकास भवन, एच ब्लाक
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली,
दिनांक: 24 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन,
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्य०-I/एस०आर०-III/4-80/

102—प्रतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पात्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन संधार प्राप्तिकारी को, वह विस्वास करते हाँ कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 4 बीघा 16 विस्वास है तथा जो
गांव गदईपुर नई दिल्ली में, स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 17-4-80

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विस्वास
करने का कारण है कि व्यापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
पछतु प्रतिक्रिया अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित चेतावनी से उक्त प्रस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य या अध्य भास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रमुखरूप
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपकारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अधार्त:-

(1) श्री अत्तर सिंह पुत्र दीवान सिंह
निवासी कोटला मुबारक पुर
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कलैरिज होटल प्रा० लि०
12 ग्रींगजेब रोड, नई दिल्ली
वाया डायरेक्टर सन्तोष कुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यालयाद्वारा हो।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोंत
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधीक्षिताधीरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बीघा 16 विस्वास खसरा नं० 571
गांव गदईपुर तहसील महरौली नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल
संक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 28th October 1980

No. A.32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following officiating Senior Personal Assistants (Gr. B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Gr. A of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad-hoc* basis w.e.f. the dates mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

S. No., Name and Period

1. Shri Joginder Singh—29-10-80 to 28-12-80.
2. Shri R. L. Thakur—22-10-80 to 21-12-80.

Dated, 24th December 1980

No. A.32014/1/80-Admn. I (II)—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr. P. A. (Grade B of CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and *ad-hoc* capacity, with effect from the dates mentioned below :—

S. No.	Name	Period	Remarks
<i>S/Shri</i>			
1.	S. P. Mehra .	3-11-80 to 31-12-80 or until further orders whichever is earlier	Against 4 posts created by temporarily downgrading 4 posts of Private Secretaries
2.	O. P. Deora .		
3.	Hukam Chand		
4.	Jatinder Lal .	29-10-80 to 28-12-80 or until further orders whichever is earlier	Against resultant chain Vacancy.
5.	H. C. Katoch	3-11-80 to 28-12-80 or until further orders whichever is earlier	Against one of the four posts created by temporarily downgrading 4 posts of Private Secretaries.
6.	T. R. Sharma	22-10-80 to 21-12-80 or until further orders whichever is earlier	Against the resultant chain vacancy.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P. A. (Grade B of CSSS) is purely temporary and on *ad-hoc* basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that grade. Further, the aforesaid *ad-hoc* appointments are also subject to the approval of the Department of Personnel & Administrative Reforms.

S. BALACHANDRAN
Dy. Secy.
Union Public Service Commission

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 19th December 1980

No. O.II-1464/80-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. K. Gnanasekharan as Junior Medical officer in the CRP Force on *ad-hoc* basis with effect from 23-10-80 (FN) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 20th December 1980

No. O.II-1474/80-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. S. Palani Chamy GDO, Grade-II of Group Centre CRPF Avadi with effect from the afternoon of 28-8-1980 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

No. O.II-1523/80-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. M. Raghunath as General Duty Officer Grade-II (Dy. SP/Company Commander) in the CRP Force in a temporary

capacity with effect from 5-11-80 (AN) subject to his being medically fit.

S. C. VIDYARTHI
Deputy Director (Estt.)

New Delhi, the 12th December 1980

No. O.II-47/76-Estt.—Consequent on expiry of his term of re-employment in the CRPF, Lt. Col. S. P. Malik (Retd.) relinquished charge of the post of Commandant 2 Signals Bn. CRPF Hyderabad on the afternoon of 24th November 1980.

A. K. SURI
Assistant Director (Admn.)

DIRECTORATE OF COORDINATION
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-110001, the 19th December 1980

No. A.13018/1/80-Admn. I.—The following officiating Assistant Directors and Extra Assistant Directors/Extra Assistant Director (Cipher) of the Directorate of Coordination (Police Wireless) are confirmed in the post of Extra Assistant Director/Extra Assistant Director (Cipher) in the Directorate of Coordination (Police Wireless) with effect from the 30th June, 1980 :—

1. Shri Chanchal Singh—Extra Asstt. Director.
2. Shri B. K. Mitra—Extra Asstt. Director.
3. Shri M. N. Tikku—Asstt. Director.
4. Shri J. B. Bandyopadhyay—Extra Asstt. Director.
5. Shri P. J. Zachariah—Extra Asstt. Director.
6. Shri V. Sitaraman—Extra Asstt. Director.
7. Shri K. Saifullah—Extra Asstt. Director.
8. Shri B. K. Das Gupta—Extra Asstt. Director (Cipher).
9. Shri P. L. Harding—Extra Asstt. Director (Cipher).

C. P. TOSHI
Director
Police Telecommunications

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 18th December 1980

No. 10/24/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri Y. S. Rao, Research Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600, in the same office, with his headquarters at New Delhi, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, with effect from the afternoon of the 25th November, 1980 upto the 30th September, 1981 or until further orders, whichever is earlier.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simla, the 6th January 1981

No. 23/3/80-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by five points to reach 411 (four hundred and eleven) during the month of November, 1980. Converted to base : 1949=100 the index for the month of November 1980 works out to 500 (five hundred).

A. S. BHARADWAJ
Joint Director

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 17th December 1980

No. 1707/A.—In continuation of Notification No. 434/A. dated the 10th June, 1980 the *ad-hoc* appointment of Shri P. D. Jadhav, Administrative Officer, India Security Press, Nasik Road, is extended for a further period of six months, i.e. upto 6-6-1981 on the same terms and conditions or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM
General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
SOUTH EASTERN RAILWAY
Calcutta-700043, the 19th December 1980

No. Admn./33-2A/75/4470.—Sri Pulin Behari Bag, an officiating member of the Subordinate Railway Audit Service in the office of the Director of Audit, South Eastern Railway, Calcutta has been promoted to officiate as Audit Officer from forenoon of the 5th December, 1980 until further orders.

A. N. CHAKU
Director of Audit

MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD
DGOF HQRS CIVIL SERVICE

Calcutta, the 10th December 1980

No. 27/80/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Smt. Lina Guha, *Ad-hoc* ASO, as Offg. Assistant Staff Officer, in an existing vacancy, from 1-11-1980 until further orders.

Smt. Guha will be on probation for two years from the date of her promotion.

D. P. CHAKRAVARTY
ADGOF/Admin.
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi-110011, the 15th December 1980

No. 12/294/61-A(G).—The President is pleased to appoint Shri P. S. Mehta, Editor (Hindi) in the Department of Family Welfare, Ministry of Health and Family Welfare as Director (Gr. I) (Tech. Publicity) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) on deputation basis for a period of three years with effect from the afternoon of 29-11-1980.

No. 12/496/65-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri B. K. Shenoy, Assistant Director (Grade I) (Industrial Management & Training), Small Industries Service Institute, Goa as Deputy Director (Industrial Management & Training) on officiating basis in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, with effect from the forenoon of the 15th November 1980 until further orders.

No. A.19018/442/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Dayanand Prasad, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation & Statistics) as Assistant Director (Grade II) (Economic Investigation/Data Bank) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Kanpur with effect from the afternoon of 30th January 1980 until further orders.

No. A.19018/495/80-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri P. V. John, Small Industry Promotion Officer (Chemical), Small Industries Service Institute, Bangalore as Assistant Director (Grade II) (Chemical) on *ad-hoc* basis at Small Industries Service Institute, Calcutta with effect from the forenoon of 10th November 1980, until further orders.

M. P. GUPTA
Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 5th December 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E-11(7), dated the 11th July 1969, under Class 2—NITRATE

MIXTURE, add "INDOGEL-614, INDOGEL-634, INDOGEL-6/4 (Pumpable slurry explosives) for onsite trial manufacture inside a pump truck and carrying out field trials directly into the specified bore holes for a period upto 31-12-1981" before the entry "INDOMITE".

The 15th December 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E-11(7), dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURE, the entries "for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations provisionally upto 31-12-80" and "for carrying out trial manufacture" appearing after the entries "KELVEX-100, KELVEX-200, KELVEX-500, KELVEX-700 and KELVEX-800" and "KELVEX-90, KELVEX-210, KELVEX-220, KELVEX-600, KELVEX-650 and KELVEX-P" respectively, shall be deleted.

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E-11(7), dated the 11th July 1969 under Class 2—NITRATE MIXTURE :

- (i) add "DYNEX-C for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-3-81" after the entry "DYNEX-1"; and
- (ii) the entries "PREMIER DYNAMIT for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-3-1981" appearing after the entry "POWERPLAST" shall be deleted.

CHARANJIT LAL
Chief Controller of Explosives

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 12th December 1980

No. 9672B/A-19012(3-SG)/80-19B.—Shri S. Ganesh, Senior Technical Assistant (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 16-10-1980, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 12th December 1980

CORRIGENDUM

No. 2/11/63-SIL.—The date of appointment of Shri B. D. Mittal, as Administrative Officer, All India Radio, Bhopal mentioned in this Directorate Notification No. 1/1/79-SII (Vol. II), dated 17-3-80 may please be read as 2-7-79 (FN) instead of 19-6-79 (FN).

S. V. SESHDARI
Dy. Director of Administration
For Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi-110001, the 16th December 1980

No. A.38013/1/80-Est.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri P. R. Kohli, Accounts Officer of this Directorate retired from Government service on the afternoon of 30th November, 1980.

J. R. LIKHI
Deputy Director (Admn.)
For Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 17th December 1980

No. 6-47/80-DC.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. Banerjee, Superintendent, in the

Central Drugs Laboratory, Calcutta to the post of Junior Administrative Officer in the same laboratory with effect from the forenoon of the 20th November, 1980 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

New Delhi, the 20th December 1980

No. A.19018/11/80-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Rameshwar Pd. Pandey to the post of Ayurvedic Physician on *ad-hoc* basis in the Central Government Health Scheme Ahmedabad with effect from the forenoon of 8-8-1980.

K. L. BHATIA
Dy. Director Admn. (C.G.H.S.)

New Delhi, the 19th December 1980

No. A.12025/20/77(AIIPMR)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Narendra Kumar Kalmyadi, Manager, Prosthetic Workshop (Production), All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Bombay to the post of Superintendent, Prosthetic and Orthotic Workshop at the same Institute with effect from the forenoon of the 6th August, 1980, in a temporary capacity and until further orders.

No. A-12025/1/80(JIP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. A. Balasubramanian, Assistant Biochemist, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, to the post of Biochemist at the same Institute with effect from the forenoon of the 4th October 1980 on an officiating basis and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Biochemist, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, Dr. A. Balasubramanian, relinquished charge of the post of Assistant Biochemist in the same Institute with effect from the forenoon of the 4th October, 1980.

The 20th December 1980

F. No. A.12025/23/79/NEP/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Sharma to the post of Assistant Director (Ent.), National Institute of Communicable Diseases with effect from the forenoon of 9th September, 1980 on a temporary basis and until further orders.

No. A.12026/9/80-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. D. Yadav, Health Education Technician Grade I at the Central Health Education Bureau to the post of Assistant Editor (Hindi & English) at the same Bureau with effect from the forenoon of 28th November 1980, on an *ad-hoc* basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

P.O. NAPP Township, the 17th December 1980

No. NAPP/Adm./1(156)/80/S/16471.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri Vijay Pal Singh, a temporary Assistant Security Officer to officiate as Land Management Officer on *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in the Narora Atomic Power Project for a period of 3 months from 5th December, 1980 to 4th March, 1981.

K. V. SETHUMADHAVAN
Senior Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 15th December 1980

No. PAR/0704/7858.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Sri Bh. L. G. Sastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel

Officer, agains a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 17-12-1980 to 19-1-1981, or until further orders, whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO
Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 19th December 1980

No. AMD-1/6/80-Recit.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Debashis Mukhopadhyaya as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of December 8, 1980 until further orders.

The 20th December 1980

No. AMD-8/1/80-Adm.—In continuation of this Office Notification of even number dated October 13, 1980, Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Somnath Sachdeva, permanent Assistant and Officiating Hindi Translator in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division with effect from 2-11-1980 to 6-12-1980 *vice* Shri J. R. Gupta, Assistant Personnel Officer granted leave.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

Department of Space Civil Engineering Division

Bangalore-560025 the 11th December 1980

No. 10/3 (14)/79-CED (H)—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint the following technical personnel in a substantive capacity against permanent posts in the Civil Engineering Division of the Department of Space with effect from the dates mentioned against each :—

Sl. No.	Name	Permanent post held if any	Post to which now appoint- ed substanti- vely	With effect from
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	Y. Sitaramudu	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
2.	R. Valakrishnan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
3.	S. N. Iyengar	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
4.	G. N. Krishna- kumar	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
5.	U. Jayarajan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
6.	A.S. Mudaliar	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
7.	C. George	Foreman (Elec.)	Engineer SB	1-4-1980
8.	Y. Radhakrishnan	Foreman (Elec.)	Engineer SB	1-4-1980
9.	S. S. Rao	Foreman (Elec.)	Engineer SB	1-4-1980
10.	P. R. Gopina- than	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
11.	T. Ramamurthy	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
12.	R. Chandran	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
13.	B. Venkatara- man Achar	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980

1	2	3	4	5	cated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore in an officiating capacity and until further orders:—				
					Sl. No.	Name	Post & grade from which pro- moted	Post & grade to which pro- moted	Date
14.	K. Madhu Rao	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980		S/Shri			
15.	K. Viswanathan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980	1. A. Anna Rao	Scientific Asst. 'C'	Sci/Engineer SB	1-10-1980	
16.	M. V. Krishna- moorthy	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980	2. Smt. Prema Haridas	Scientific Asst. 'C'	Sci/Engineer SB	1-10-1980	
17.	K. T. Kuriakose	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980	3. Smt. Annie Nel- son	Scientific Asst. 'C'	Sci/Engineer SB	1-10-1980	
18.	S. V. Ramana Rao	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980	4. Smt. Lalitha Narayanan	Scientific Asst. 'C'	Sci/Engineer SB	1-10-1980	
19.	G. C. Saharoy	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980					
20.	V. K. Sankaran	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980					
21.	P. Venkates- warlu	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980		No. 020/3(061)/R/80.—Director ISRO Satellite Centre, Bangalore is pleased to accept the resignation from service of Shri S. Ramanujam, Scientist/Engineer SB in the ISRO Satel- lite Centre, Bangalore of the Department of Space with effect from the forenoon of September 1, 1980.			
22.	H. D. Patil	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980					
23.	G. K. Bhat	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980					
24.	Mohd. Asgher	—	Engineer SB	1-4-1980					
25.	M. P. Krishna	—	Engineer SB	1-4-1980					
26.	A. S. Badami	Jr. Arch Asst.	Engineer SB	1-4-1980					
27.	C. Nagireddy	—	Engineer SB	1-4-1980					
28.	M. Nirmaladas	—	Engineer SB	1-4-1980					
29.	M. Arunachalam	—	Engineer SB	1-4-1980					
30.	Ravi J. Verghis	—	Engineer SB	1-4-1980					
31.	M. O. Anto	—	Engineer SB	1-4-1980					
32.	K.K.K. Nair	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980					
33.	P. G. Sugunase- kharan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980					
34.	P. S. Sankara- narayanan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980					
35.	C. Lakshmajah- chetty	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980					
36.	M. Satyaseelan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980					
37.	V. Chandrabha- tan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980					
38.	Ch. V. Raghava Rao	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980					

M. P. R. PANICKER,
Administrative Officer-II

Bangalore-560058, 12th December, 1980

No. 020/3 (061)P/80.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to promote the undermentioned officers of the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space to the posts and with effect from the forenoon of the dates as indi-

S/Subramanyam Administrative Officer-II				
--	--	--	--	--

No. A. 38013/1/80-EC.—The undermentioned two officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquish charge of their office on 31-10-80 (AN) on retirement after the age of superannuation:—

S. No.	Name & Designation	Station
S/Shri		
1.	G. B. Brahme, Asst. Tech. Officer	Aero. Comm. Stn., Bombay
2.	S. Ramamirtham, Asst. Comm.	Aero. Comm. Stn., Madras Officer

No. A. 32013/5/80-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/5/80-EC, dated 13-6-80, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri N. K. Puri, Assistant Director of Communication to the grade of Deputy Director of Communication (Planning) for the period from 8-7-1980 to 23-11-1980.

No. A.38015/31/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to permit Shri K. S. Rathnam, Assistant Technical Officer, Aero. Communication Station, Bangalore to retire from Government Service with effect from 31-10-80 (AN) under the provisions of FR. 56(k).

R. N. DAS
Assistant Director of Administration

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 19th December, 1980

No. A-32014/1/80-Adm. V—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

Sl. No.	Name of Officer with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE.
S/Shri		
1.	R. P. Tripathi, Supervisor.	15-9-80 (forenoon)
2.	I. J. Sharma, Supervisor.	19-9-80 (forenoon)
3.	J. C. Das, Supervisor.	10-11-80 (forenoon)
4.	Y. Nageswara Rao, Supervisor.	21-11-80 (forenoon)
5.	R. N. Mishra, Supervisor.	10-12-80 (forenoon)
6.	N. N. Sircar, Supervisor.	1-10-80 (afternoon)
7.	P. N. Mishra, Supervisor.	29-11-80 (forenoon)
8.	A. Tiwari, Supervisor.	17-11-80 (forenoon)
9.	A. K. Ghosh, Supervisor.	23-10-80 (afternoon)
10.	Virendra Pal, Supervisor.	12-10-80 (forenoon)

K. L. BHANDDULA,
Under Secy,
Central Water Commission

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX INCOME-TAX

New Delhi, the 11th December 1980

No. JUR-DLI/1/80-81/31905.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 and all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-VI, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 15-12-1980.

T.D.S. (Salaries) Circle-V, New Delhi.

No. JUR-DLI-VI/80-81/32046—In exercise of the power conferred by sub-section (1) and (2) of Section 124 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all earlier notification regarding the jurisdiction of the T. D. S. Salary Circles New Delhi, Commissioner of Income-tax, Delhi VI, New Delhi hereby directs that the Income-tax officers mentioned in Column 2 shall have the jurisdiction regarding T. D. S. from salaries, in respect of the employers as mentioned in Column 3 of the Schedule and whose office or place of work is situated in the Union Territory of Delhi.

This notification shall take effect from 15-12-1980.

SCHEDULE

1	2	3
1. I. T. O. TDS (Salaries) Circle-I, New Delhi	(1) All employers whose name begin with alphabets 'A' to 'H' except the following employers :— (a) All trusts, all co-operative societies, societies registered under the societies Act, 1960 waqfs, endowments and other charitable institutions (b) All hotels, eating houses restaurants and commercial guest houses. (c) All hospitals & nursing homes, medical practitioners, lawyers, chartered accountants and other legal practitioners. (d) All contractors, architects and engineers, interior decorators and allied consultants. (e) All Universities, colleges, schools and other educational institutions. (f) All air lines, travel and tourists agencies. (g) All publishers including newspapers publishers, printers and owners of printing presses. (h) All manufacturers and dealers of electrical goods and electronic items and appliances. (i) All companies incorporated after 1-4-1978. (j) All ministries and departments of the Central Government, State Governments and Delhi Admn. (2) All film producers, distributors, exhibitors and film financers. (3) All road transporters, truck operators, goods carriers, taxi owners and operators.	

1	2	3
2.	I. T.O. TDS (Salaries) Circle-II, New Delhi	(i) All employers whose names begin with alphabets 'I' to 'Q' except those falling within the jurisdiction of ITO TDS (Salaries) Circles-I, III, IV & V. (ii) All hospitals & nursing houses, medical practitioners, lawyers, chartered accountants and other legal practitioners.
3.	I. T. O. TDS (Salaries) Circle-III, New Delhi	(i) All employers whose names begin with alphabets 'R' to 'Z' except those falling in the jurisdiction of ITO TDS (Salaries) Circle-I, II, IV and V. (ii) All trustees, all co-operative societies, societies registered under society act, waqfs, endowments and other charitable institutions. (iii) All universities, colleges, schools and other educational institutions. (iv) All publishers including news papers publishers, printers and owner of printing presses.
4.	I. T. O. TDS (Salaries) Circle-IV, New Delhi	(i) All contractors, architects and engineers, interior decorators and allied consultants. (ii) All manufacturers and dealers of electrical goods and electronic items and appliances. (iii) All companies incorporated after 1-4-1978.
5.	I. T. O. TDS (Salaries) Circle-V, New Delhi	(i) All hotels, eating houses, restaurants and commercial guest houses. (ii) All ministries and departments of the central Government, state governments and Delhi Administration.

D. N. CHAUDHRI,
Commissioner of Income Tax,
Delhi-VI, New Delhi.

New Delhi, the 18th December 1980

F. No. JUR/DLI/V/80-81/32323.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 8AA of Wealth-tax Act, 1957 and 7AA of Gift-tax Act, 1958, the Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Delhi-V, New Delhi hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on or assigned to the Wealth-tax Officer/Gift-tax Officer District IV(10) in respect of cases mentioned in Schedule 'A' annexed hereto shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-V-F, New Delhi.

2. For the purpose of facilitating the performance of the functions, Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Delhi-V, New Delhi also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Range-V-F to pass such orders

as are contemplated in sub-section (2) of Section 8AA of Wealth tax Act/7AA of Gift-tax Act.

3. This notification shall take effect from 19-12-1980.

R. D. SAXENA
Commissioner of Income-tax
Delhi-V, New Delhi

LIST OF WEALTH-TAX CASES

(Schedule-A)

S. No.	Name of the Assessee	Status
1.	Smt. Asha Khandelwal	Indl.
2.	Shri Badri Pd.	-do-
3.	-do-	H. U. F.
4.	Shri Bishamber Dayal	Indl.
5.	Smt. Bimla Devi	-do-
6.	Smt. Bhori Devi	-do-
7.	M/s. Bishamber Dayal Badri Pd.	H. U. F.
8.	Shri Dwarka Pd.	-do-
9.	Shri Dwarka Pd.	Indl.
10.	Shri Ghasi Ram Gupta	-do-
11.	-do-	H. U. F.
12.	Smt. Gindori Devi	Indl.
13.	Smt. Kashmire Devi	-do-
14.	Smt. Khalique Un Misa	-do-
15.	Shri Mohd. Yaunus	Indl.
16.	Shri Mahesh Chand	H. U. F.
17.	Smt. Munni Devi	Indl.
18.	Smt. Mohindro Kumari	-do-
19.	Smt. Madhu Khandelwal	-do-
20.	Shri Naresh Chand	H. U. F.
21.	Shri Narendra Kumar	Indl.
22.	Shri Rameshwar Dayal	-do-
23.	-do-	H. U. F.
24.	Shri Rajesh Kumar	Indl.
25.	Shri Raj Kumar	Indl.
26.	Shri Suresh Chand	H. U. F.
27.	Smt. Shashi Khandelwal	Indl.
28.	Smt. Sunita Devi	Indl.
29.	Shri Bishamber Dayal	H. U. F.
30.	Smt. Patima Bal	Indl.

Lucknow, the 18th December 1980

INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 123P.—Shri Pushp Kumar Srivastava, Income-tax Inspector, Allahabad charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer (Collection & Statistics), Office of the Commissioner of Income-tax, Allahabad on 1-11-1980 in the forenoon.

No. 124.—Shri Sri Ram Bharti (SC), Income-tax Inspector, Allahabad Charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, G-Ward, Allahabad on 1-12-1980 in the forenoon.

DHARMI DHAR
Commissioner of Income-tax,
Lucknow

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP No. 2384.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gobind Market, G.T. Road, Goraya (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur on April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kulvir Singh, s/o
Sh. Surjeet Singh,
General Attorney of Sh. Jagtar Singh
r/o V. Shanker, Teh. Nakodar,
Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Avtar Kaur w/o Sh. Mohan Singh,
S/o Sh. Gurdas Singh and
Sh. Bhupinder Singh s/o
Sh. Mohan Singh, care of
Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh,
New Modern Tailors & Drappers,
Bara Pind Road, Goraya.

(Transferees)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 239 dated April, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-12-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP No. 2385.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gobind Market, G.T. Road, Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—406 G I/80

(1) Shri Kulvir Singh, s/o
Sh. Surjeet Singh,
General Attorney of Sh. Bhupinder Singh
r/o V. Shanker, Teh. Nakodar,
Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Prit Pal Singh, s/o
Sh. Mohan Singh, care of
Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh,
New Modern Tailors & Drapers,
Bara Pind Road, Goraya.

(Transferees)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 238 dated April, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-12-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP NO. 2386.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Gobind Market, G.T. Road, Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kulvir Singh, s/o Sh. Surjeet Singh, General Attorney of Sh. Gurmakh Singh r/o V. Shanker, Tch. Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jasvir Singh, s/o Sh. Mohan Singh, care of Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh, New Modern Tailors & Drappers, Bara Pind Road, Goraya.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 240 dated April, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

S. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP No. 2387.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Gobind Market, G. T. Road, Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur on April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kulvir Singh, s/o Sh. Surjeet Singh, General Attorney of Sh. Makhan Singh r/o Village Shanker, Teh. Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Prit Pal Singh, Jasvir Singh, Ss/o Sh. Mohan Singh s/o Sh. Gurdas Singh, care of Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh, New Modern Tailors & Drapers, Bara Pind Road, Goraya.

(Transferees)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 241 dated April, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-12-1980

Seal :

FORM I(TNS)—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP No. 2388.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule

situated at Gobind Market, G.T. Road, Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kulvir Singh, s/o
Sh. Surjeet Singh,
General Attorney of Sh. Sumitar Singh
r/o V. Shanker, Teh. Nakodar,
Distt. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Smt. Avtar Kaur, w/o
Sh. Mohan Singh s/o Sh. Gurdas Singh, care of
Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh,
New Modern Tailors and Drapery,
Bara Pind Road, Goraya.
(Transferees)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 242 dated April, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-12-1980
Seal :

FORM PINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP No. 2389.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gobind Market, G.T. Road, Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kulvir Singh, s/o Sh. Surjeet Singh, General Attorney of Sh. Gurmakh Singh r/o V. Shanker, Teh. Nakodar, Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Prit Pal Singh, Jasvir Singh, Ss/o Sh. Mohan Singh, care of Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh, New Modern Tailors & Drapers, Bara Pind Road, Goraya. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 265 dated May, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 17-12-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP No. 2390.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gobind Market, G.T. Road, Goraya (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kulvir Singh, s/o Sh. Surjeet Singh, and General Attorney of Sh. Sumitai Singh and Bhupinder Singh r/o V. Shanker, Teh. Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Avtar Kaur, w/o Sh. Mohan Singh and Sh. Bhupinder Singh s/o Sh. Mohan Singh, care of Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh, New Modern Tailors & Drapers, Bala Pind Road, Goraya.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 266 dated May, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Tilak Ram, s/o Shri Sant Ram,
r/o 17-E, Hakikat Nagar,
Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. No. 2027-A/Saharanpur.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 17-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Maya Devi, widow/o
Late Shri Sunder Dass,
r/o Jwala Nagar,
Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or payable moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Shop bearing No. 18-A : 67-A ::, Nagar Palika No. 14/1596/67-A measuring 9 Sq. Yards, situated at Nehru Market, Saharanpur, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. No. 2035-A/Balandshahr/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule

situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Badku Singh s/o Shri Pooran Singh, r/o Heerapur, Parg. Baran, Distt. Bulaudshahar.

(Transferor)

(2) Shri Dargah Sharif Sayed Mansoor Ali Saheb, Naya Gaon, through Shri Manjoor Ali Ahmed, s/o Ali Ahmed, r/o Mauja Shekhan, Nayagaon, Parg. Baran, Distt. Bulaudshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land property, situated at Naya Gaon, Parg. Baran, Distt. Bulaudshahar, which was sold for Rs. 13,250/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-11-1980

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. No. 289-B/Kanpur.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 21-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—
21—406 GI/80

(1) Shri Devi Prasad Dixit, s/o
Shri Ambika Prasad Dixit,
r/o 59/81, Nachghar, Birhana Road,
Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Dayawanti Jain w/o
Shri Ram Nath Jain, r/o
24/40, Birhana Road,
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 59/81, situated at Nachghar, Birhana Road, Kanpur, which was sold for Rs. 49,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-11-1980
Seal :

Form LT.N.S.—

(1) Smt. Amrit Kaur W/o Shri Ravindra Singh Narang
1/o Railway Road Rishikesh, Dehradun.
(Transferor)

(2) Shri Sant Ram Soni S/o Shri Piare Ram Soni r/o
67-Teg Bahadur on Dehradun Rishikesh Road near
Rishi Cinema, Rishikesh, Dehradun.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 13th October 1980

Ref. No. 1516-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 7-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Obejction, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

A House bearing Part of Municipal No. 67, measuring 47⁵ Sq. Ft., situated at Rishikesh Parwadun near Rishi Cinema, Rishikesh, Dehradun, which was sold for Rs. 14,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tilak Ram, s/o Shri Sant Ram,
r/o 17-E, Hakikat Nagar,
Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Maya Devi, widow/o
Late Shri Sunder Dass,
r/o Jwala Nagar,
Saharanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. No. 2027-A/Saharapur.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 17-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Shop bearing No. 18-A : 67-A :, Nagar Palika No. 14/1596/67-A measuring 9 Sq. Yards, situated at Nehru Market, Saharanpur, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE.
KANPUR

Kanpur. the 3rd November 1980

Ref. No. 2035-A/Bulandshahr/80-81.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule

situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Badalu Singh s/o Shri Pooran Singh,
r/o Heerapur,
Parg. Baran,
Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Shri Dargah Sharif Saiyed Mansoor Ali Saheb,
Naya Gaon,
through Shri Manjor Ali Ahmed, s/o
Ali Ahmed, r/o Mauja Shekhan, Nayagaon,
Parg. Baran,
Distt. Bulaudshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land property situated at Naya Gaon, Parg. Baran, Distt. Bulandshahar, which was sold for Rs. 13,250/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-11-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Devi Prasad Dixit, s/o
Shri Ambika Prasad Dixit,
r/o 59/81, Nachghar, Birhana Road,
Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Dayawanti Jain w/o
Shri Ram Nath Jain, r/o
24/40, Birhana Road,
Kanpur.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. No. 289-B/Kanpur.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 21-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 59/81, situated at Nachghar, Birhana Road, Kanpur, which was sold for Rs. 49,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—
21—406 GT/80

Date : 3-11-1980
Seal :

Form I.T.N.S.—

(1) Smt. Amrit Kaur W/o Shri Ravindra Singh Narang,
1/o Railway Road Rishikesh, Dehradun.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sant Ram Soni S/o Shri Piare Ram Soni r/o
67-Teg Bahadur on Dehradun Rishikesh Road near
Rishi Cinema, Rishikesh, Dehradun.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th October 1980

Ref. No. 1516-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 7-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Obejction, if any, to the acquition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

A House bearing Part of Municipal No. 67, measuring 475 Sq. Ft., situated at Rishikesh Parwadun near Rishi Cinema, Rishikesh, Dehradun, which was sold for Rs. 14,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd October 1980

Ref. No. 1519-A/Dehradun/79-80.—Whereas 1, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 10-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Chandra Prakash S/o Sri Kashmire Lal
R/o 179, Lunia Mohalla, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri M. B. Quareshi S/o Late Shri N. U. Quareshi,
r/o 92, Paltan Bazar, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Residential House with two Shops and godowns, bearing Municipal No. 90/92, present No. 76, situated at Paltan Bazar, Dehradun, which was sold for Rs. 62,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-10-1980
Seal :

FORM ITNS —**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 3rd October 1980

Ref. No. 1513-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dehradun on 3-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Bishamber Dass Kapoor S/o Shri Sunder Dass Kapoor, R/o 44, Nashville Road, Dehradun.
(Transferor)

(2) Smt. Shyama Kapoor W/o Shri S. P. Kapoor, R/o 4/11, Kalkaji Extension New Delhi-110019.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House bearing No. 44, Nashville Road, Dehradun, which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-10-1980
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Sardar Begum S/o Dr. Saiyad Jagar Hussain.
(Transferor)
- (2) Shri Hari Krishna S/o Lala Ram Kishore Kesarwani,
R/o 20/102, Lari Park, Ram Narain Bazar,
Kanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th November 1980

Ref. No. 196-B/Kanpur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 2-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 17/79, measuring 142 Sq. Yards, situated at Nawab Saheb Ka Ahata, Kurwan, Kanpur which was sold for Rs. 27,000/-.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 5-11-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th November 1980

Ref. No. 3637-A, Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 9108), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 16-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Deepak Kumar Misra S/o Shri Vinod Kumar Misra r/o 107/296, Bramh Nagar, Kanpur.
(Transferor)
- (2) Smt. Sarju Devi W/o Shri Basant Lal
r/o 7/90, Tilak Nagar, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Single Storeyed House Property bearing No. 107/296, measuring 160 Sq. yards, situated at Bramh Nagar, Kanpur, which was sold for Rs. 28,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-11-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th November 1980

Ref. No. 293-B/Kanpur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 18-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Asha Rani Gupta r/o B-92, A. Soorya Marg, Tilak Nagar, Jaipur
(Transferor)
- (2) Smt. Padma Sharma R/o 129/L/9, Ali Zaheer Market, Kidwai Nagar, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 129/L/9, measuring 114 Sq. Yards, situated Ali Zaheer Market, Kidwai Nagar, Kanpur, which was sold for Rs. 95,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-11-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kamla Atamjit Singh W/o S. Atamjit Singh
r/o 7-A, Mohini Road, Dehradun.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Sashey Kumar Pahari S/o Shri Amar Bahadur Pahari r/o Maharaj Ganj, Kathmandu, Nepal.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th November 1980

Ref. No. 1741-A/Dehradun/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEQUE, situated at AS PER SCHEQUE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 8-5-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Open Land bearing No. 7-A, measuring 1015.37 Sq. Mtrs., situated a Mohini Road, Dalauwala, Dehradun, which was sold for Rs. 53,916/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Krishna Chandra Agarwal
s/o Lala Gokal Chandra
r/o Kadim Gram : Bahawari, Distt : Muzaffarnagar.
At Present Address : 4, Officers Flats,
Nirala Nagar, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Vijai Kumar S/o Shri Sardari Lal
R/o Mohalla : Madhonagar, Saharanpur,
No. 6/1234.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th October 1980

Ref. No. 2025 A/Saharanpur 79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule
situated at As per Schedule,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 9-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property (Single Story) bearing No. 6/1234, measuring 373, 1/3 Sq. Yards, which was constructed on plot No. 4, situated in Mohalla : Madhonagar, Saharanpur, which was sold for Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
22—406GI/89

Date : 15-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shankar Dass Aneja S/o Late Shri Amrichand R/o Om, Post : Masani, Distt : Jalandhar, (Transferor)

(2) Smt. Usha Devi D/o Shri Bishambhar Dayal R/o 2/10, Davn Basti, Railway Colony, Delhi, through Mahant Jagdish Anand R/o Delhi, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 13th October 1980

Ref. No. 2014-A/Hardwar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 9-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Land Property measuring 1050 Sq. ft., situated at Niranjani Akhara, Hardwar, which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 13th October 1980

Ref. No. 2098-A/Hardwar/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 17-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Panchayati Akhara Maha Tiwani, Kankhalwar, Mahant Gidhar Narain Puri, Secretary, Same Akhara, Shishya Shri Kapilmuniji Maharaj r/o Same Akhara, Kankhal, Parg : Jwalapur, Hardwar, Distt : Saharanpur.
(Transferor)

(2) Shri Swami Niranjan Nandji, Shishya Shri Swami Chandra Shekharji R/o Sanyas Ashram Talab Baharia, Kapoorthala Road, Jaipur City.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Land Property measuring 7822.6 Sq. Fts., situated at Shekhupura alias Kankhal, Parg : Jwalapur near Atal Akhara, Hardwar, which was sold for Rs. 39112.50.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM ITNS————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th October 1980

Ref. No. 1515-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 7-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Amrit Kaur W/o Shri Ravindra Singh Narang, R/o Railway Station Road, Rishikesh, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Khel Kaur W/o Shri Paras Ram R/o 6/141, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property with Store bearing Municipal No. 67, measuring 874 Sq. Ft. situated at Rishikesh, Dehradun, which was sold for Rs. 23,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980

Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 6th November 1980

Ref. No. 1733-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 20-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Colonel Sardar Shaveg Singh
S/o S. Bhagwan Singh
r/o Vill : Khyala Khurd, Distt : Amritsar,
Present Address Subhashnagar,
Parg : Kendriyadun, Distt : Dehradun.
(Transferor)

(2) Shri Vidya Sagar Juneja, Supt. Engineer
S/o Shri Sukha Singh Juneja, members of Hindu
Undivided Family and other purchasers
Shri Virendra Juneja, Smt. Durga Devi
W/o Shri Sukha Singh Juneja
r/o Triveni Engineering Works Ltd., Khatauli,
Distt : Muzaffarnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in question is a Single Storied House with open Land area of 25 Acres bearing Plot No. 12 & 13 or Khasra No. 710, 715, 716 & 744 situated at Vill: Bharuwala Grant Mausooma, Subhashnagar, Pargana : Kendriyadun, Distt : Dehradun, which was sold for Rs. 48,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-11-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 1728-A/Dehradun/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (11 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 23-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. N. Banerji, A. N. Banerji,
S/o Dr. N. D. Banerji both
R/o C/o A. N. Banerji,
248, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Nanda Dutt S/o Sri Kula Nand
R/o 28, Kalidas Road, Dehradun.
(DEHRADUN).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A Portion of House Property bearing No. 20, situated at E.C. Road, Dehradun which was sold for Rs. 41,296/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 1727-A/Dehradun/80-81.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 23-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1972) of the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri S. N. Banerji, A. N. Banerji S/o Dr. N. D. Banerji both R/o C/o A. N. Banerji, 248, Greater Kailash, New Delhi.
 (Transferors)

(2) Shri Revti Nandan Sharma, s/o Sri Mangat Ram R/o 321, Chukhuwala, Dehradun.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Portion of House property bearing No. 20, situated at F.C. Road, Dehradun, which was sold for Rs. 40,318/-.

B. C. CHATURVEDI,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-11-1980
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 2051-A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 11-4-80
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Kashmir Singh & Darshan Lal S/o Mohar Singh R/o 1047, Punjabi Colony, Kasba; Shamli, Teh : Kairana, Distt. Muzaffarnagar.
(Transferors)

(2) Smt. Raj Rani W/o Shri Mohal Lal R/o H. No. 250, Gali No. 22, Mohalla; Gandhi Colony, Muzaffarnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'A House Property bearing No. 376, situated at Gandhi Colony (North), Muzaffarnagar, which was sold for Rs. 47,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-11-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. 220-B/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 15-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Satya Prakash Gupta R/o 9, Log Building, Rohtak Road, New Delhi-5, Self, Bahaisiat, Mukhtar-Aam Smt. Asha Gupta, R/o 9, Log Building, New Delhi-5.

(Transferor)

(2) Shri P. C. Badhawa S/o Shri H. C. Badhwa R/o K. J. 121, Kavinagar, Colony, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Open Plot of Land measuring 813.33 Sq. Yards, bearing No. R-6/19, situated at Raj Nagar, Ghaziabad, which was sold for Rs. 26,839.89.

B. C. CHATURVEDI,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—406GI/80

Date : 21-11-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Anil Kumari Yadav W/o Sri Ram Chand Singh Yadav, r/o A/I. Lowers Colony, Bypass Road, Agra.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. TR No. 1121/Acq/Agra/78-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agra on 23-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) S/Shri Ashok Mahajan, Ajai Mahajan and Sanjay Mahajan S/o Shri Keshoram Mahajan R/o 6/290-A Ram Wala Ghera, Balan Ganj, Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot of Land Khasra No. 787/1 and 788/1, measuring 10 Biswansi and 10 Biswa, situated at Mauja, Mau, Parg. & Distt.: Agra, which was sold for Rs. 90.000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-11-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Sushila Rani W/o Shri Ratan Singh R/o Jaipur, Distt; Jaipur (Rajasthan).
(Transferor)
- (2) Smt. Sushila Goel W/o Mohan Lal, Ashok Kumar Goel, S/o Lala Radhey Krishna R/o 77, Nayabans, Akbari Road, Muzaffarnagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 2056-A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEQUE situated at AS PER SCHEQUE (and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 9-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEQUE

A House Property bearing Nagarpalika, No. 60, situated at Mauja or Mohalla : Gadarian (Bhagat Singh Road), Muzaffarnagar, which was sold for Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-12-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 2068-A/Saharanpur/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Roorkee on 24-4-80
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Krishna Kumar S/o Late Shri Babu Kishan Swaroop Vaishya Agarwal R/o Civil Line Roorkee, Parg. & Teh : Roorkee, Distt : Saharanpur.
 (Transferor)

(2) Smt. Saroop Devi Widow of Lala Sita Ram, Janeshwar Dass and Basheswar Dass S/o Lala Sita Ram R/o Pattharwali Gali, Kasba; Roorkee, Parg. & Teh : Roorkee, Distt : Saharanpur.
 (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing House tax Nagarpalika No. 14, measuring 693 Sq. Ft., situated at Rajputan Roorkee, Parg. & Teh : Roorkee, Distt : Saharanpur which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI.
 Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-12-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri R. B. Raturi S/o Shri Narendra Kumar Shah
r/o 5 Bhagwan Dass Roud, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. 3051-A/Hardwar/80-81.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHDULE situated at AS PER SCHDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 3-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Sumitra Devi W/o Sri Harbans Lal, Anil Kumar, Devendra Kumar S/o Shri Harbans Lal R/o Ganga Talkies, Hardwar, Distt: Saharanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property situated at Bara Bazar, Hardwar, Distt Saharanpur, which was sold for Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date : 21-11-1980
Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**NOTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. 2085-A/Mussoorie/80-81.—Whereas, I, **B. C. CHATURVEDI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mussoorie on 15-5-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) The Commission of Ecumenical Mission and Relations of the United Presbyterian Church in the United States of America, through General Attorney Mr. Robert Copley Alter r/o, Birbal Road, Jangpura Extention, New Delhi-110014.
(Transferor)

(2) Air Vice Marshal P. C. Santra and Mrs. Pritha Santra W/o Air Vice Marshall P. C. Santra, R/o Hamilton House, Landour Cantt., Mussoorie.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property known as "Hamilton House" and "Shanty Estate", situated at Landour Cantt. Mussoorie, which was sold for Rs. 34,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur

NOW, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-11-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) S/Shri Rao Bahadur Ugrasen S/o Laxmi Rai
Jain r/o 15, Dispensary Road, Dehradun.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Kewal Kumar Vohra S/o Khem Chand
Vohra R/o 5/1, Lytton Road, Dehradun.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. 1734-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Dehradun on 20-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A House Property bearing No. 15, situated at Dispensary Road, Dehradun, which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 21-11-1980

Seal:

FORM JTNS—

(1) Shri Jamuna Prasad Dubé S/o Shri Jagannath Prasad Dubé, r/o 253, Faithfull Ganj, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sheela Mehrotra W/o Shri Anand Bordhan Mehrotra, r/o 113/35, Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 4th December 1980

Ref. No. 184-B/Kanpur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur on 7-4-1980,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 3/141, situated at Vishnupuri, Kanpur, which was sold for Rs 98,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4.12.1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagdish Krishna Chopra S/o Diwan B. D. Chopra
r/o 120/255, Lajpat Nagar, Kanpur, Present Ad-
dress 60/7, Urban Estate, Gurgaon, (Haryana).
(Transferor)

(2) Smt. Mohani Gulati W/o Shri Sudarshan Kumar
Gulati, r/o 120/255, Narainpurwa, Kanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 4th December 1980

Ref. No. 195-B/Kanpur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Kanpur on 7.4.1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 120/255, measuring 311 Sq. Yards, situated at Narainpurwa, Kanpur, which was sold for Rs 110,000/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4.12.1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—406GI/80

FORM ITNS

(1) Podar Sons Limited, Podar Chambers S.A. Brelvi
Road, Bombay-400001.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3033-A/Mussoorie/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule,
(and more fully described, in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 22.5.80,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) K & M Industrial Finance & Trading Co. Private Limited Podar Chambers, 5th floor, S. A. Brelvi Road, Bombay-400001.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Single Storied House with a block of Sqrs., measuring 680 Sq. Yds. situated between The Mall & Camel Back Road, Mussoorie, which was sold for Rs. 105,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-12-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hari Krishna Agarwal S/o Shri Brij Kishore Agarwal r/o 48/76, General Ganj, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Amar Nath Seth S/o Sri Ram Nath Seth r/o 15/82, Civil Lines, Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th December 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 3638-A/Kanpur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 19.5.80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Urban Property (Plot) bearing No. 6/25, measuring 500 Sq. Yds, situated at Parvati Bagla Road, which was sold for Rs. 22,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 4.12.1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3116-A/Kairana/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 22.5.80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Om Prakash S/o Sri Hirderam, Kapoor Chand S/o Sri Aman Singh Agarwal r/o Kasba : Kairana, Mohalla : Chah-Jodwa, Parg : & Teh : Kairana, Distt : Muzaffarnagar.

(Transferee)

(2) S/Shri Gurcharan Singh, Sada Singh, Harbhajan Singh s/o Sri Labh Singh and Issar Singh S/o Shri Laddha Singh r/o Vill : Thirwa Majara, Post : Jalmana, Distt : Karnal (Haryana).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring total area 26-9-10 acres bearing Khasra No. 8628, 8629, 8649, 8650 and 8655 (in five Portion), situated at Kairana, Parg : & Teh : Kairana Distt : Muzaffarnagar which was sold for Rs. 106,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2.12.1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kallo w/o Chander Singh
r/o Kothi Gate, Hapur, Distt : Khaziabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajeshwar Dayal and Sushil Kumar (Nabalg)
Guardian and s/o Shyam Lal, Shanti Lal s/o Lakkhi
Singh r/o Kothi Gate Khurja, Distt : Bulandshahar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. N. 3023-A/Khurja/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khurja on 6-5-80

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated at Khurja Bhandar Chungi, Distt : Bulandshahar, which was sold for Rs. 61,200/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-12-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3015-A/Roorkee/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Roorkee on 15-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Harbans s/o Risal r/o Village : Jhabredi Kala, Parg : Manglore, Teh : Roorkee, Distt : Saharanpur. (Transferor)

(2) Mahendra, Rama Nand and Chaterpal s/o Barva, Jaipal and Inderpal s/o Sukkhan, Satya Pal and Vijendra, Vinod, Vilam and Balistar s/o Mukhram, Dujja S/o Sukkad all r/o Woodpur, Parg : Manglore, Teh : & Distt : Saharanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 15 Bigha, 11 Biswa and 15 Biswansi, situated at Village : Jhabredi Kala, Parg : Manglore, Teh : Roorkee, Distt : Saharanpur, which was sold for Rs. 38,579/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 2-12-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3044-A/Nakur/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 31-5-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Krishna Devi W/o Lala Beni Prasad Agarwal r/o Mohalla : Miran Khalapar, Saharanpur.
(Transferor)
- (2) Smt. Nazma Begum W/o Miyan Khan r/o Mohalla : Pilkhan Tale, Saharanpur, Smt. Jarina Begum w/o Hazi Shafiq Ahmed r/o Mohalla : Chamber Bardaran, Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 15-14-15 acres, situated at Village : Mauja : Budda Khera, Parg : Sultanpur, Teh : Nakur, Distt : Saharanpur, which was sold for Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Altafurrahman S/o Hafiz Abdul Kayum
r/o Mohalla : Kutab Sher, Saharanpur.
(Transferor)

(2) Shri Hazi Basheer Ahmed s/o Sri Dildar Ahmed,
Sarfraz Ahmed s/o Hazi Basheer Ahmed
r/o G.T. Road, Kasba : Sikandarabad,
Distt : Bulandshahar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 2093-A/Saharanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDELE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 15-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDELE

A House Property bearing No. 14/210, situated at Kutab Sher, Distt : Saharanpur, which was sold for Rs. 35,000/-.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 2-12-1980

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Manmohan Saxena S/o Sri Sharda Prasad
Saxena r/o 7/105, 'C', Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri R. S. Chaudhari S/o Sri M. L. Chaudhari r/o
112/367-A, Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 5th December 1980

Ref. No. 287-B/Kanpur/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 21-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 113/53, measuring 800 Sq. Yards, situated at Swaroop Nagar, Kanpur, which was sold for Rs. 179,052.50.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25406—GI/80

Date : 5-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vijai Kumar Agarwal S/o Sri Kanti Prasad Agarwal 1/o 3rd-C-62, Nehru Nagar, Ghaziabad, (Transferor)

(2) Shri Mahip Narain and Sri Ashok Narain S/o Sri Narain Dutt R/o 87-A, Gautam Nagar, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 27th November 1980

Ref. No. 217-B/Ghaziabad/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE Ghaziabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad on 15-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. C-22, measuring 485.42 Sq. Metres, situated at Lohia Nagar, Ghaziabad, which was sold for Rs. 48,542/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 27-11-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Nathi Lal S/o Bishunlal and Smt. Sharda Devi W/o Dalbir Singh
R/o Sukhmalpur Nizamabad, Firozabad, Distt : Agra.
(Transferor)

(2) Janta Grah Nirman Samiti Ltd., Firozabad through
Shri Hem Chandra S/o Lala Rameshwar Dayal
R/o Jalesar Road, Firozabad, Distt. Agra.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. TR No. 1127/Firozabad/80-81.—Whereas, I.
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Firozabad on 20-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Land Property bearing Gate No. 373, measuring 2 Bigha
10 Biswa, Gata No. 375, measuring 6 Bigha 6 Biswa and
Gata No. 400, measuring 3 Bigha 8 Biswa, situated at Mauja :
Sukhmalpur Nizamabad, Firozabad, Distt : Agra, which was
sold for Rs. 3,50,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 21-11-1980
Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Prakash Chandra S/o Sri Ram Lal
r/o Mohalla : Kujat, Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. 2094-A/PN/Saharanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 17-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pirthi Singh s/o Sri Harnam Singh
r/o Moha : Missar-Murar, Saharanpur.

(Transferee)

(2) Shri Pirthi Singh s/o Sri Harnam Singh
r/o Moha : Missar-Murar, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 10/3970, situated at Mohalla : Kujat, Saharanpur, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 21-11-1980
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Surinder Kaur Juneja W/o Late Shri K.B.S. Juneja Self and guardian of 4 Minor daughters r/o 139-L Model Town, Hoshiarpur & Smt. Nihal Kaur w/o Shri Dalip Singh Juneja r/o 114, Govind Nagar, Dehradun.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 21st November 1980

(2) Smt. Kaushalya Devi W/o Shri Gian Chand r/o 46, Race Course, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 1736-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 13-5-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 114 (Old No. 11-D), measuring 0.352 Bigha situated at Govind Nagar, Dehradun, which was sold for Rs. 38,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-11-1980
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE.

KANPUR.

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3038-A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 17-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surendra Singh s/o Sri Ram Chandra and Mohan Lal r/o Udaiyawali Parg : Gordhan, Tch : & Distt : Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Mam Chand s/o Sri Bhagirath Singh and Smt. Sharbati Devi W/o Sri Mam Chand, Sri Raj Kumar s/o Sri Mam Chand and Smt. Madhu Bala W/o Sri Raj Kumar r/o Chowk Bazar, Jagadhari, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 1/2 part of 25|I, 49|92III situated at Udai-Wali, Parg : Gordhanpur, Distt. Muzaffarnagar, which was sold for Rs. 31,387/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 2-12-1980
Seal:

FORM ITNS

- (1) Shri Atar Hussain s/o Dulla
1/o Tigari, Post : Khas, Teh : & Distt : Muzaffarnagar.
(Transferor)
- (2) Shri Niranjan Singh, Ram Sharan, Jigpal Singh &
Ombir Singh s/o Sri Narhar Singh 1/o Tigari, Post :
Khas Parg : & Teh : & Distt : Muzaffarnagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3041-A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Muzaffarnagar on 30-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

An Agricultural Land No. 424, measuring 9-17-10, situated at Village : Tigari, Post : Khas, Parg : Teh : & Distt : Muzaffarnagar, which was sold for Rs. 60,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-12-1980

Seal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Baboo Ram S/o Kundan r/o Kasba : Aurangabad, Parg : Baran, Distt : Bulandshahar,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Chameli w/o Shri Mukandi and Smt. Har Pyari w/o Sri Ram Ratan r/o Kasba : Aurangabad, Parg : Baran, Distt : Bulandshahar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 2nd December 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 3013-A/Bulandshahar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 19-5-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An Agricultural Land measuring 4-15-8 situated at Kasba : Aurangabad, Parg : Baran, Distt : Bulandshahar, which was sold for Rs. 73,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-12-1980

Seal:

FORM ITNS

(1) Smt. Bishan Devi W/o Sri Chaman Lal
R/o Roorkee, Distt. Saharanpur.
(Transferor)

(2) S/Shri Gurdeep Singh, Ranbir Singh and Surendra
Singh S/o Shri Daya Ram Singh, Mahendra Kaur,
D/o Kripal Singh
R/o Gajnala, Teh. Thanesar Distt. Kurukshetra,
(Haryana).
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3028-Δ/Saharanpur/80-81.—Whereas, I, B .C.
CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 22-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
26—406 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated at Sijhalki Gujar, Parg., Haroda, Distt. Sabaranpur, which was sold for Rs. 92,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur.

Date : 2-12-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Jawahar Singh S/o Sh. Chandgi
R/o Vill. Samalka New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK
VIKAS BHAVAN, I. P. STATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/4-80/151.—Whereas, I, R. B. L. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/6th share in agr. land 17 bigha 17 biswas in village Samalka, Tehsil Mehrauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 19-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/6th share in agrl. land area 17 bigha 17 biswas, M. No. 2, Killa No. 8 (1-6), 12 (4-16), 13 (4-16), 14 (4-16), 15/2 (2-3) situated at village Samalka New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
New Delhi.

Date : 10-12-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK
VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/123.—Whereas, I, R. B. L. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. S-340, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 26-4-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (1) Shri Hanbans Rai Sahi S/o Mulkh Raj Sahi, 101, Summon Bazar Bhogal New Delhi.
- (2) Smt. Raman Anand W/o Ashok Anand, D-289, Defence Colony New Delhi (2) Smt. Parvesh Vohra W/o S. B. Vohra, n1A/62, W.F.A. Karol Bagh New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 340 Block S, measuring 204 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash I New Delhi situate at village Yaqutpur Delhi State, Delhi Bounded as under :—

East	Plot No. S-342
West	Plot No. S-338
North	S. Lane
South	Road

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
New Delhi.

Date : 10-12-1980
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Suresh Chand H-7, Hauz Khas Enclave
New Delhi-16.

(Transferor)

(2) M/s Premier Apartments Pvt Ltd.,
1205, New Delhi House, 27 Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK**

VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/S-III/4-80/156.—Whereas I, R. B. L. Aggarwal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. H-8, situated at Hauz Khas Enclave New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Single storeyed residential house built on a freehold residential plot of land bearing No. 8, Block No. H measuring 504.2 sq. yds. i.e. 421.62 sq. mts. situated in the residential colony known as Hauz Khas Enclave New Delhi bounded as under :—

East	House No. H-9
West	Road
North	Road
South	House No. H-7A

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 10-12-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM LT.N.S.—

- (1) Shri Ujagar Singh S/o Puran Singh
65/66, Rohtak Road New Delhi.
(Transferor)
- (2) Poddar Construction Co. Pvt. Ltd.
F-3, Kailash Colony New Delhi-48.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK
VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002
New Delhi. the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-J/SR-III/4-80/124.—Whereas, I, R. B. L. Aggarwal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-83, situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S-83, Greater Kailash II measuring 300 sq. yds. New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
New Delhi.

Date : 10-12-1980

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK
VIKAS BHAVAN, J. P. STATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/68.—Whereas, I, R.B. L. Aggarwal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. S-384, situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ravi Kiran Malhotra S/o Madan Lal Malhotra, 21 Bentick Street, Calcutta.
(Transferor)

(2) Shri Lt. Col. Kanwaljit Singh (Retd) S/o S. Harbans Singh D-360, Defence Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE**THE SCHEDULE**

Piece and parcel of land bearing Plot No. 384 Block S, measuring 297 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash Part II New Delhi bounded as under :—

East	Service Lane
West	Road
North	Plot No. S-380
South	Plot No. S-386

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi
New Delhi.

Date : 10-12-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Naveen Kumar Bhatia W-41, Greater Kailash I
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Harbans Kaur, Guru Nanak Bhawan, Shah
Lane, Muzzaffarpur (Bihar)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK
VIKAS BHAVAN, J. P. STATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. 1AC/Acq-1/SR-III/4-80/28.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. M-34 (1/2 Share) situated at Greater Kailash II New
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 3-4-1980
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

Half share of plot No. 34 Block M measuring 195 sq. yds.
situated in the residential colony known as Greater Kailash
II New Delhi bounded as under :—

East	Road
West	Road
Souht	Plot No. M-35
North	Plot No. M-33

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Raj Kumari Bhatia W-41, Greater Kailash I

New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Paramjit Singh, Guru Nanak Bhawan Raju Shah Lane Muzaffarpur Bihar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK
VIKAS BHAVAN, I. P. STATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/29.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of plot No. M-34 situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 3-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of plot No. M-34, Greater Kailash II New Delhi measuring 195 sq. yds. bounded as under :—

East	Road
West	Road
North	House No. M-33
South	House No. M-35

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 10-12-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Basanti W/o Muni Ram for self and GA of Shri Chand S/o Muni Ram, Smt. Shanti D/o Muni Ram, Tej Ram, Khazan S/o Ram Persad, Hardei W/o Dharam Singh, Ram Lal Harkesh s/o Dharam Singh, Sis Ram S/o Shankar Ali R/o Village Jonapur New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

(2) Eicher Tractors India Ltd., 212, Deen Dayal Upadhyay Marg, New Delhi through its Secretary & GA Shri N. S. Srinivasan S/o (late) Sh. N. K. Sunderesa Iyer R/o W-57A, Greater Kailash I, New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-III/4-80/115.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land 4 bigha 16 biswas situated at Vill. Jonapur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 23-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land area 4 bigha 16 biswas Khasra No. 16/1 situated in village Jonapur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Arjun Range-I, Vikas Bhavan, H. Block,
Inderprastha Estate, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—406GI/80

Date : 10.12.80.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/114.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land 4 bighas 16 biswas situated at Vill. Jonapur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Basanti W/o Muni Ram, for self and G.A. of Shri Chand S/o Muni Ram R/o Village Jonapur, New Delhi (2) Smt. Shanti D/o Muni Ram, Tej Ram, Khajan sons of Ram Persad, Hardei wd/o Dharam Singh, Ram Lal, Harkesh ss/o Dharam Singh, Sis Ram S/o Shankar all R/o Vill. Jonapur, New Delhi. (Transferors)

(2) Eicher Tractors India Ltd., 212 Deen Dayal Upadhyay Marg, New Delhi through its secretary & GA Shri N. S. Srinivasan S/o (late) Shri N. K. Sunderesa Iyer R/o W-57A, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bigha 16 biswas Khasra No. 15/5 situated in village Jonapur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Vikas Bhavan, H. Block,
Inderprastha Estate, New Delhi.

Date : 10.12.80.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/113.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 4 bigha 16 biswas situated at Vill. Jonapur, New Delhi, (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-3-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Raje Ram, Jage Ram, Harnam, Bhagmal Rang Lal sons of Khubi, Har Pyari, Auguri ds/o Khubi r/o village Jonapur, New Delhi.
(Transferors)

(2) Eicher Tractors India Ltd., 212 Deen Dayal Upadhyay Marg, New Delhi through its secretary & GA Shri N. S. Srinivasan S/o (late) Shri N. K. Sunderesa Iyer R/o W-57A, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 4 bigha 16 biswas M. No. 15, Killa No. 6, Village Jonapur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Arjun Range-I, Vikas Bhawan, H. Block,
Inderprastha Estate, New Delhi.

Date : 10.12.80.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/112.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 bigha 10 biswas (Agrl. land) situated at Village Jonapur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-4-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Raje Ram, Jage Ram, Harnam, Bhagmal Rang Lal sons of Khubi, Har Pyari, Anguri ds/o Khubi r/o village Jonapur New Delhi.

(Transferor)

(2) Eicher Tractors India Ltd., 212 Deen Dayal Upadhyay Marg, New Delhi through its secretary & GA. Shri N. S. Srinivasan S/o (late) Shri N. K. Sundercasa Iyer R/o W-57A, Greater Kailash Part-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land area 5 bigha 10 biswas M. No. 15 Killa No. 15 (4—16), M. No. 16 Killa No. 11/2 (O—14) situated in village Jonapur New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Vikas Bhavan, H. Block,
Inderprastha Estate, New Delhi.

Date : 10.12.80.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/45.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land 6 bighas 19½ biswas situated at Village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on 7-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ashok Kumar Kakkar
S/o Darghai Dass Kakkar
R/o 81/41, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Lakhmi Chand Ram Parkash,
560 Gandhi Cloth Market, Chandni Chowk Delhi
Through partners Svs. Ram Parkash, Madan Lal,
Harbhajan Lal, Satish Kumar and Vinod Kumar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land area 6 bigha and 19½ biswas khasra No. 208 min (2-8) 232 min (2-8), 233 min (0-4) 233 min (1-15½), 270 (0-4) village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Vikas Bhavan, H. Block,
Inderprastha Estate, New Delhi

Date : 10-12-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, J. P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/4-80/41.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Agri. land 6 bigha 19½ biswas situated at village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-4-1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Prithi Lal Bhasin
S/o Manak Chand
R/o G-77, Masjid Moth, Greater Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Lakhmi Chand Ram Parkash,
560, Gandhi Cloth Market, Chandni Chowk, Delhi
through partner, Ram Parkash, Madan Lal, Harbhajan Lal and Satish Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land area 6 bigha and 19½ biswas khasra No. 208 min (2-8), 232 min (2-8), 233 min (0-4), 233 min (1-15½), 270 min (0-4), village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Ashok Kumar Kakkar S/o Dargahi
Dass R/o 81/41, West Punjabi Bagh New Delhi.
(Transferor)

(2) East India Apparels C-1/51,
Safdarjang Development Area New Delhi
through partners Surinder Sahni, Jagdish Soni,
C. L. Bhasin and Chander Bhan.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/44.—Whereas, I,
R. B. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land 7 bigha 4 biswas situated at Village Gadaipur
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 7-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land area 7 bighas and 4 biswas khasra Nos. 206
(2-8), 207(2-8) 234/1(1-4), 234/2(0-6), 234/3(0-18) vil-
lage Gadaipur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-12-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prithvi Lal Bhasin S/o Manuk Chand
R/o G-77, Masjid Moth, Greater Kailash New
Delhi.

(Transferor)

(2) M/s East India Apparels
C-1/52, Safdarjung Development Area New Delhi
through partners Surinder Sahni, Jagdish Soni,
C. L. Bhasin & Chander Bhan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/40.—Whereas, I, R. B. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land 7 bigha 4 biswas situated at Vill. Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land area 7 bigha 4 biswas Khasra Nos. 206(2-8), 234/1(1-4), 234/2(0-6), 234(0-18) village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-12-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kumari Sachdeva W/o Sham Lal Sachdeva
R/o M-10, Lajpat Nagar II, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Simplicity Engineers (P) Ltd., B-99, Mayapuri Phase I, New Delhi.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/65.—Whereas, I, R. B. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land mg. 21 bigha 17 biswas situated at Village Neb Sarai Tehsil I Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land Khasra No. 444, 445, 446, 447, 421 total 21 bighas 17 biswas in village Satbari Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/ New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—406 GI/80

Date : 10-12-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jage Ram (2) Thane S/o Shri Ami Lal,
R/o Village Neb Sarai New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-J/SR-III/4-80/69.—Whereas, I, R. B. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

No. 14 bigha 10 biswas (Agrl. land) situated at village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Rishal Singh S/o Shri Sher Singh, Smt. Krishna Smt. Gahlawat W/ Shri Balwan Singh Gahlawat each residing at house No. 537 DLF Colony, Rohtak, Smt. Ram Dalal W/o Col. K. L. Dalal, Km. Shann Dalal D/o Col. K. S. Dalal, Flat No. 505; Block No. 15, Sardar Patel Marg, New Delhi, Shri Mohan Singh S/o Shri Balwant Singh, R/o B-222, East of Kailash, Ajay Kumar Jain S/o Vijay Chand Jain, R/o 2702, Chhatta Pratap Singh, Kinari Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 14 bighas 10 biswas bearing Khasra No. 283(5-4), 293(4-16), 296(4-10) situated at Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-80

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri. Satya Deva Shourie S/o Prof. K. L. Gauttama R/o 2/5, West Patel Road, New Delhi-8, as Karta (HUF) S. D. Shourie
 (Transferor)
- (2) M/s. Perfect Power System, 25/1, Asaf Ali Rd, New Delhi-2, through its sole prop. Mrs. Kiran Mohan Asaf Ali, Road, New Delhi-2, through its sole prop. Mrs. Kiran Mohan.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
 ACQUISITION RANGE-I,
 H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
 NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/122.—Whereas, I, R. B. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land 16 bigha 12 biswas situated at Village Satbari Tehsil Mehrauli New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 24-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in Satbari Village/Tehsil Mehrauli, New Delhi Khasra Nos. 525/2(3-10), 526/2(3-10), 527(4-16), 528(4-16) totalling 16 bigha 12 biswas with temporary Chowkidar room and tubewell.

R. B. L. AGGARWAL,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-80
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Krishan, Nand Kishore & Harkesh S/o Agri, R/o Village Samlaka Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferors)

(2) M/s T. E. Pattersons (India), P. Ltd., J-162, Rajouri Garden New Delhi through its Director Sh. D. D. Dhawan S/o Harnam Dass.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/146.—Whereas, I, R. B. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/6th share in agrl. land mg. 17 bigha 17 biswas in village Samlaka Teh. Mehrauli New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/6th share in agri. land area 17 bighas and 17 biswas, M. No. 2, Killa No. 8 (1-6), 12(4-16), 13(4-16), 14(4-16), 15/2(2-3) situated in village Samlaka Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-12-80
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Raghbir Singh S/o Chandgi R/o Vill. Samlaka, Teh. Mehrauli, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) M/s. T. E. Patterson (India) P. Ltd., J-162, Rajouri Garden, New Delhi through its Director Shri D. D. Dhawan S/o Harnam Dass.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK VIKAS BHAWAN
 I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002
 New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-JII/4-80/147.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 1/6th share in agrl. land mg. 17 bigha 17 biswas situated at in Vill. Samlaka, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

/6th share in agrl. land area 17 bigha 17 biswas, M. No. 2, Killa No. 8(1-6), 12(4-16), 13(4-16), 14(4-16), 15/2 (2-3) situated in village Samalaka, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGARWAL
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-80

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dharam Singh S/o Shri Bhoria R/o Vill. Samalka Tehsil Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. T. E. Patterson (India) P. Ltd., J-162, Rajouri Garden, New Delhi through its Director Sh. D. D. Dhawan son of Harnam Dass.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK VIKAS BHAWAN
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/148.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1/6th share in agrl. land area 17 bigha 17 biswas and situated in Vill. Samalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-4-80
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/6th share in agrl. land area 17 bigha 17 biswas, M. No. 2, Killa No. 8(1-6), 12(4-16), 13(4-16), 14(4-16), 15/2 (2-3) situated at village Samalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-80
Seal :

Form I.T.N.S.—

(1) Shri Charan Singh S/o Ram Singh R/o Vill. Samalka Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. T. E. Petterson (India) P. Ltd. J-162, Rajouri Garden, New Delhi through its Director Sh. D. D. Dhawan S/o Harnam Dass.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK VIKAS BHAVAN
I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/149.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/6th share in agrl. land area situated at 17 bigha 17 biswas, in village Samalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/6th share in agrl. land area 17 bigha 17 biswas. M. No. 2, Killa No. 8(1-6), 12(4-16), 13(4-16), 14(4-16), 15/2 (2-3) in village Samalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK VIKAS BHAWAN
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-LLL/4-80/150/—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/6th share in agrl. land area 17 bigha 17 biswas and situated in Vill. Samalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Mehar, Om Prakash, Lachhman Singh Braham Parkash sons of Bhondu R/o Vill. Samalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. T. E. Patterson (India) P. Ltd., J-162 Rajouri Garden, New Delhi through its Director Sh. D. D. Dhawan S/o Harnam Dass.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in agrl. land area 17 bigha 17 biswas, M. No. 2, Killa No. 8(1-6), 12(4-16), 13(4-16), 14(4-16), 15/2 (2-3) in village Smalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 10-12-80
Seal :

FORM ITN8

(1) Shri D. D. Suri Karta (HUF),
C-38, Defence Colony New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/11.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-37, situated at Defence Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-4-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Surpat Singh Sethia, Lakhpur Mal Sethia and Narpat Mal Sethia
All r/o C-37, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

C-37, Defence Colony New Delhi-110024.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—406GI/80

Date : 10-12-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) DLF Builders, 21-22, Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi-1.
(Transferor)
- (2) Smt. Satinder Kaur & S. Satbir Singh
E-150, East of Kailash New Delhi-24.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/126.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 12 (Ground Floor) situated at Commercial Complex, Greater Kailash II, New Delhi-48 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 12 (Ground Floor) Commercial Complex,
Greater Kailash Part II, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Mohini Seth
J-8/127, Rajouri Garden,
New Delhi-27.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Swaran Kanta Devi
E-287, Greater Kailash II, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
II-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/105.—Whereas J. R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 5 (1/2 share) situated at Savitri Cinema Complex Greater Kailash II, New Delhi (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share of shop No. 5, Savitri Cinema Complex, Greater Kailash, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rani Rajinder Kaur W/o S. Avtar Singh
R/o E-552, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Berry Art India,
80-Bhagat Singh Market, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/165.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 80 situated at Bhagat Singh Market New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 80, situated at Bhagat Singh Market, Shaheed Bhagat Singh Marg, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dharam Yash Dev S/o late Khan Chand Dev
R/o A-32, Nizamuddin East, New Delhi.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/125.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. A-32, situated at Nizamuddin East, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 28-4-1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(2) Shri oMhd. Anis S/o Salamat Jan Khan,
126, Katra Gokal Shan, Jama Masjid Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. A-32, Nizamuddin East, New Delhi
measuring 200 sq. yds. bounded as under :—
East—Service Lane
West—Road
North—House No. A-33
South—Service Lane.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date: 10-12-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I,
 H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
 NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/4-80/3309.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-149, situated at Greater Kailash I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. R. C. Sood & Co. (Pvt. Ltd., Eros Cinema Building Jangpura Extn. New Delhi through their Managing Director Shri R. C. Sood.

(Transferor)

(2) Shri Lt. Col. Shanti Sarup Duggal, son of Diwan Ram Duggal, Army Dental Corps, Flat No. 6/412, Services Officers Enclave, Sardar Patel Marg, New Delhi and Mrs. Indu Duggal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing Plot No. B-149, measuring 665 sq. yds. situated at Greater Kailash Part I New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Delhi/New Delhi

Date : 10-12-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Mir Singh & Co.,
R/o Vill. Satbari Delhi.
(Transferor)
- (2) Ansal Housing & Estates (P.) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/86.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land mg. 47 bigha 15 biswas situated at Village Satbari Tehsil Mehrauli/New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 14-4-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 47 bighas 15 biswas situated in Village Satbari comprised in Khasra No. 662/2 (3-14), 663/2 (3-14), 664(4-16), 665(4-16), 666(4-16), 667(4-16), 668/2(2-0), 669(4-16), 670(4-16), 797(4-16) and 798(4-15).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Dated: 10-12-1980
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/4-80/6397.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-5/5, situated at R. P. Bagh, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Shri Ram Saran Dass, Hans Raj & Halban Lal S/o Sh. Late Fatch Chand
R/o D-5/5, R. P. Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Paras Ram S/o Sh. Bhoj Raj
R/o B-12, R. P. Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. D-5/, R. P. Bagh, Delhi measuring 233-1/2 sq. yds.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-12-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Ram Rati w/o Shri Roop Chand, r/o Village Bhasrawli, Tehsil Ballabgarh, Distt. Faridabad (Haryana).
 (Transferor)
- (2) Shri Cpt. Rajiv Bahl, son of Shri Inder Paul Bahl, 9A, Shri Ram Road, Delhi.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/4-80/3359.—Whereas I, BALJEET MATIYANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/1 (3-18) & 4(4-16) situated at Vill. Masudabad (Najafgarh), New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 bighas 14 biswas situated at village Masudabad (Najafgarh), New Delhi comprising Khasra No. 1/1 (3-18) & 4(4-16).

BALJEET MATIYANI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
 30—406GI/80

Date : 12-12-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sohan Singh & Sh. Charan Dass S/o
Sh. Hazari Mal R/o 83, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal s/o Sh. Dhirt Ram
R/o W-124, Greater Kailash, Part-I,
New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/4-80/3222.—Whereas I,

BALJEET MATIYANI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 53-B, situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Room No. 2 along with front open & open space, out property No. 2 Road No. 53-B, Punjabi Bagh, area of Madipur Delhi State measuring about 133 sq. yds.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Smt. Indra Gupta w/o Sh. Rakesh Kumar
 (3) Archala Aggarwal w/o Sudarshan Kumar
 (3) Adarsh Aggarwal w/o Inder Jit
 R/o B-1, M.G. Road, Adarsh Nagar,
 Delhi-33.

(Transferor)

- (2) Dr. Miss Sobhagya Gupta D/o Nand Lal Gupta
 R/o 11/3, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II,
 H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
 NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. I/4-80/6450.—Whereas I, BALJEET MATIYANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 Block A situated at G.T. Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1, Block A measuring 395-5/6 sq. yds. situated at G.T. Road, Adarsh Nagar, Delhi.

BALJEET MATIYANI,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 12-12-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Krishan Lal S/o Shri Amar Chand
R/o 8281, Chandni Chowk, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I.—Whereas I,
BALJEET MATIYANI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 32E/16 situated at Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Jitender Nath Puri
S/o Sh. Ram Asra Puri & Smt. Indu Poli
w/o Sh. Krishan Raj Popli
R/o 15-A/1, E. Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. 32E/16, Patel Nagar, New Delhi, measuring 200 sq. yds. in area.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 12-12-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Prem Narayan, s/o Sh. Lakshman Swarup, R/o 544, Kuchabulaki Begam, Daribakalam, Delhi-6
(Transferee)
- (2) Smt. Lajjawati, w/o Sh. Hargovind, R/o 274, Gali Kunjadewali, Daribakalam, Delhi-6.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/6489.—Whereas, I,
BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2277, situated at Gali Paharwali, Darampura, Delhi-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23rd April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied building measuring 103 1/2 sq. yds (old No. 830) present No. 2277, Vakya Gali Pahadwali, Dharampura, Delhi-6, Ilqa No. 5.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Lachhmi Narain R/o Village Palam, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Smt. Basabi Moitra W/o M. K. Moitra R/o CA/ 10A, DDA Flat Munirka, Delhi.
 Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
 'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002,

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC Acq. II/SR./II/4-80/3288.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79/15 situated at Vill. Palam, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 Bighas Khasra No. 79/15, situated at Village Palam, New Delhi.

BALJEET MATIYANI,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 Delhi/New Delhi.

Date : 12-12-1980
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) Rajender Prashad S/o Sh. Vishesh Lal of E-23,
Shiv Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Prem Nath S/o Sh. Kundan Lal of WS-25, Mava-
puri, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/4-80/3309.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-79, situated at Harinagar, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi. on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. G-79, in Block 'G' measuring 200 sq. yds situated at Block 'G', Harinagar, New Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shri Mohan Singh S/o Sh. Raghbir Singh R/o Najafgarh Delhi
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002,

New Delhi, the 23rd December 1980

Ref. No. IAC Acq. II, SR-II/4-80/3341.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22 bighas situated at Vill. Masudabad Delhi State (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 34 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 22 bighas situated at Vill. Masudabad Delhi State, Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1980
Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Rati Ram S/o Sh. Mohar Singh R/o Vill. Sahipur
Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jhutter Singh S/o Ch. Daulat Ram R/o Vill. Munirka New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002,

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR.II/4-80/3317.—Whereas, I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 bighas 10 biswas situated at Vill. Jat Khore Delhi State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 24 bighas 10 biswas situated at Vill. Jat Khore Delhi State.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 20-12-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—406GI/80

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002,

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR.II/4-80/3351.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1 bigha 15 biswas situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Sahni Enterprises (P) Ltd. Regd. Office 14, Hind Phase, 2nd Market, Ashok Vihar, Delhi.
(Transferor)

(2) Hans Raj, S/o Sh. Dhani Ram R/o A. I. A. Rama Road, Adarsh Nagar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1 bigha 15 biswas, situated at Vill. Burari, Delhi. Khasra No. 800.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bal Kishan s/o Sh. Man Singh,
R/o Vill. Budhenpur Majra Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mange Ram s/o Sh. Mayya Ram, R/o Vill.
Budhenpura Majra Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002,

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-80/3347.—Whereas, I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25 bighas 6 biswas, situated at Budhenpur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 25 bighas 6 biswas situated at Vill. Budhenpur, Majra Delhi State, Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR.II/4-80/3316.—Whereas, I,

BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

4, situated at Shakurpur Delhi State, Delhi.

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Smt. Soma Wanti, Vijay Lazmi Kaul & Miss Jhula
Kaul through their attorney Sh. Mohan Lal at
Barbar Shah Srinagar, Kashmir.

(Transferor)

(2) Shri Mansa Ram, Smt. Kaushalya & Smt. Bimla
Devi R/o 8/26, Punjabi Bagh, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. 4 on Road No. 4, measuring 555.55 sq.
yds. at Punjabi Bagh are of Village Shakurpur Delhi State,
Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-12-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ram Chand S/ Shri Amir Chand,
R/o House B-208F, Gali No. 2, Majlis Park,
Delhi-33.

(Transferor)

(2) Shri Santosh Singh S/o Shri Sada Singh,
R/o C-85, New Subzi Mandi, Azadpur, Delhi-33.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

ACQUISITION RANGE-II
II BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 12 December 1980

Ref. No. JAC Acq-II/SR-I/6493/4-80.—Whereas, I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. B-208I situated at Bharola in the abadi of Majlis Park,
Colony, Delhi State, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on 22-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. B-208F, situated in the
area of village, Bharola in the abadi of Majlis Park, Colony,
Delhi State, Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 12-12-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/4-80/3319.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. BL-12 of Block 'L' situated at Hari Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahohar Lal Chaudhary S/o Late Sh. Daulat Ram Chaudhary, BL-12, Block 'L', Hari Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Hakumati Rai S/o Late Sh. Harkishan Lal alias Har-Kishan Dass Chaudhary of WS-101, Mayapuri, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land No. BL-12, Block 'L' of 200 sq. yds. Hari Nagar.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 15-12-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Parma Nand, Mohan Lal S/o Sh. Nathu Rani,
R/o 1328, Bagchi Tansukh Rai, Ajmeri Gate, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh S/o Shri Harbel Singh,
Delhi, J. 11/25 Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
H BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/4-80 6395.—Whereas, I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. D-89, situated at Mansarovar Garden, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 2-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No. D-89, of 220 sq. yds. situated at Mansarovar
Garden, New Delhi. More specifically described in the instrument of transfer registered on 2-4-1980.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajinder Singh S/o Shri Sohan Singh,
R/o 3/42, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
H BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/ST-I/4-80/6464.—Whereas, I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. WZ-8/6 situated at Kirti Nagar Colony, Delhi State,
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 16-4-1980
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(2) Shri Ashwani Kumar Sachdeva S/o Shri Jiwan Dass
Sachdeva,
R/o 344/2, Subhash Road, Gandhi Nagar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property built on plot No. WZ-8/6 measuring 104 sq. yds.
approximately situated in the Kirti Nagar Colony, area of
village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Harbans Singh Singha,
D-1/10 Model Town, Delhi-9.

(Transferor)

(2) Shri Ravi Kumar Ashok Kumar Manchanda,
99-E Kamla Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
H BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/4-80/6443.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 99, Block F, situated at Northern City Extension Scheme No. 1 now known as Kamla Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 99, Block E, Northern City Extension Scheme No. 1 now known as Kamala Nagar, Municipal No. E/6798 more specifically described in the instrument of transfer registered in April, 1980.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi New/Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—406GI/80

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kamla Mehta Wd/o Shri S. C. Mehta,
R/o Sector No. VII, Qr. No. 1274, R. K. Puram,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gian Devi W/o Late Shri Babu Ram Gupta,
R/o No. B-4/66, Paschim Vihar, on Rohtak Road,
Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
H BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/4-80, 3308.—Whereas I,

BALJEET MATTIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. B-4/66 situated at Rohtak Road, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 8-4-1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storeyed house bearing No. B-4/66, constructed on
plot No. 66 in block No. B-4, situated in the area of village
Piran Garh in the abadi of Paschimpuri Residential Scheme
known as Paschim Vihar on Rohtak Road, Delhi.

BALJEET MATTIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Shri Hardit Singh S/o Sh. Mehtab Singh, of 138, Gautam Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Sardari Lal Marwah S/o Shri Ram Chand Marwah, WS-222, Mayapuri, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
H BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-JI/4-80/3326.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. WZ-216 on G/B/5 situated at Hari Nagar, New Delhi, Block 'G' (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Built up House No. WZ-216 (Part) built on Plot No. G/B/5, on land 266 sq. yds. situated in the abadi of Hari Nagar, New Delhi Block 'G'. More specifically described in the instrument of transfer registered on 16-4-1980.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-12-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Hardit Singh S/o Sh. Mehtab Singh, of 138, Gautam Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Manohar Lal Chaudhary S/o Sh. Daulat Ram Chaudhary, WS-14, Mayapuri, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II
H BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/4-80/3327.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. WZ-216 on G/B/5 situated at Hari Nagar, New Delhi, Block 'G' (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A built up house part of House No. WZ-216, Block 'G' built on Plot G-109, 110, 111, 112 total area 800 sq. yds. situated at Hari Nagar, New Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN, J.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/4-80/6478.—Whereas I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. G-3/75 situated at Model Town, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on April 1980.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rattan Chand Chopra S/o Shri Kashmira Lal for self and as Genl. attorney of
Sh. Ajit Kumar Chopra and Smt. Lata R/o
G-3 75, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gurmit Kapoor, wife of Sq. Leader Sudarshan Kapoor, R/o No. 67, Rameshwari Nagar near Azadpur Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-3/75 measuring 140 sq. yds. situated in the area of village Malikpur Chhaoni now known as Model Town, Delhi-11009.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-JI/4-80/7534.—Whereas I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. B-74, Khasra No. 1607 situated at Inderpuri Colony, New Delhi-12
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1980,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Bikrem Singh Lidder S/o Sh. Niranjan Singh Lidder, Smt. Punjab Kaur Wd/o Sh. Niranjan Singh Lidder R/o B-75, Inderpuri, New Delhi,
Sh. Balbir Singh Lidder S/o Sh. Niranjan Singh Lidder R/o 501, Mahatma Gandhi Road,
(West Bengal)
& Surinder Bir Singh Lidder & Maj. Hardev Singh Lidder sons of Sh. Niranjan Singh Lidder
R/o May Villa, Summer Hills, Simla.

(Transferor)

(2) Puran Lal & Sh. Ashok Kumar sons of
Sh. Gurdial Arora
R/o 3073, Mohalla Shahganj, Hauz Qazi Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-74, Khasra No. 1607, area Vill. Narahna abadi Inderpuri Colony, New Delhi-12 measuring 306-17/18 sq. yds.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 10-12-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Asia Builders & Contractors registered Office at 1/18-B. Asafali Road, New Delhi, through its partners Sh. J. P. Gupta and Sh. Umesh Gupta

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE.
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/4-80/6383.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 767 (old) and 1658-1660 (new) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Sudesh Kumar Khanna, son of Sh. Jukam Chand, R/o 5210, Kolhapur Road, Subzimandi, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground floor and First floor of property No. bearing Municipal No. 767 (old) and 1658-1660 (now, situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-12-1980

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
'IF' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II-4-80/3297.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-101 & 102 situated at New Multan Nagar, Delhi-110056, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Prakash Dev Dhingra, S/o Late Sh. Parma Naad Dhingra, R/o House No. 5 & Smt. Pushpa Rani Dhingra, W/o Sh. Parkash Dev, Model Town, Rohtak (Haryana Prant).

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Parsad Gupta, S/o Shri Jit Bahadur Gupta and (2) Shri Hari Shankar Gupta, S/o Sh. Basdeo Gupta, R/o W-61, Mayapuri, Phase II, Rewari Line, New Delhi 64.

(Transferee)

(3) Shri Prakash Dev Dhingra.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land Nos. C-101 & 102, situated at New Multan Nagar, Delhi-110056, measuring 373-1/3 sq. yds—312.15 sq. mtr (Size 48 Feet X 70 feet).

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/6519.—Whereas I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act),
have reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 355, situated at Kucha Ghasi Ram, Chandni Chowk,
Illaqa No. 2, Delhi-6
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on 28-4-1980,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

33—406GT/80

(1) Smt. Prakashwati, d/o Sh. Babu Pyarelal Beri, w/o
Sh. Ravindranath Babel, R/o 3/34, Nirala Nagar,
Lucknow, now 178, Rouse Avenue, New Delhi-1.
(Transferor)

(2) Shri Ramrup S/o Manohar Lal (2) Baldev Singh
S/o Ramrup R/o 2241, Gali Dinga Beg Phatak
Habish Khan, Delhi and Rajesh Kumar S/o Amar
Nath R o C-55, Panchsheel Enclave, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

4 storied house bearing No. 355, built on plot measuring
90 Sq. Yds. situated at Kucha ghasi Ram, Chandni
Chowk, Illaqa No. 2, Delhi-6.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/4-80/6491.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 2593 situated at Gali Peepalwali Chatta Pratap Singh, Delhi-6 (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-4-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforementioned exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Phool Chand Jain,
s/o Mohkam Chand Jain,
r/o 2593,
Gali Peepalwali,
Chatta Pratap Singh, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Prem Narayan, s/o Sh. Laxman Singh [R/o 2593,
Gali Peepalwali, Chatta Pratap Singh, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed house bearing property No. 2593 building on plot measuring 108 sq yds situated at Gali Peepalwali Chatta Pratap Singh, Ilqa No. 4, Delhi-6.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

(1) Smt. Bimla Rani W/o Sh. Ram Dass
2. Sh. Jawahar Lal
3. Sh. Rajinder Kumar &
4. Sh. Subhash Chander Sons of late Sh. Ram Dass
all residents of 11-119, D.S. Tilak Nagar New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ravinder Kumar Juneja & Sanjeev Kumar Juneja S/o Sh. Ram Chand Juneja R/o 14-Ishwar Nagar, Okhla, Turn, New Delhi through their father and natural guardian Sh. Ram Chand Juneja.
(Transferee)

(3) Transferors and 5 other old tenants, namely Sh. Bhim Sain & Ramkishan 2. Puran Singh 3. Dharambir 4. S. K. Sabharwal 5. Kasturi Lal Gulati.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A house built on Plot No. J-87, measuring 277 sq. yds situated at Rajouri Garden, area of vill. Basai Darapur, Delhi State. Delhi. More specifically described in the instrument of transfer registered on 22-4-1980.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Harish S/o Sh. Harbhagat, Hari Kishan S/o Sh. Sultan Singh, Raghbir Singh S/o Bishan Singh, Mahesh Chand S/o Sultan Singh and Roshan Lal S/o Bishan Singh R/o Najafgarh Delhi.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

- (2) Suraj Pershad S/o Sh. Raghbir Singh R/o Najafgarh Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi-110002, the 8th December 1980

Ref. No. IAC-Acq-II/SH-II/4-80/3335.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land mg. 24 bighas situated at Vill. Masudabad, Delhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 24 bighas situated at Vill. Masudabad Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-12-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Kharaiti Lal Chopra son of Late Shri Devi Dass Chopra of E-3/9, Model Town, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Suntia Devi wife of Shri Gur Pershad, 1139-Gali Sumosan, Farash Khana, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002
New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/6495.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 'E-3/9' situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 24-4-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A single storied building No. 'D-3/9', measuring 274.16 square yards in area, situated at Model Town, Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Lata Devi W/o Sh. Shyam Lal R/o D-14
Kurti Nagar, New Delhi at present F-287 New
Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Krishna Sethi W/o Sh. Gudial Sethi, R/o J-
6-103, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Vcq.II SR.H-4-80/3346.—Whereas I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-6/103, situated at Rajouri Garden, area of Vill. Tatarpur Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on 18th April 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied House on plot No. J-6/103, at Rajouri Garden, area of Vill. Tatarpur Delhi State, Delhi. mg. 160 sq. yds.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Smt. Sheila Chawla alias Ajit Kaur & Sh. Udhister Lal Chawla R/o. C-1/2, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Nice Estate Private Ltd. through its partners Sh. H. S. Hanspal & Sh. Sher Singh Chawla R/o. 1/6, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/6384.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-1/2, situated at Rajouri Garden, area of village Bassai Darapur Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2nd April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on Plot No. C-1/2, mg. 450 sq. yds situated at Rajouri Garden, area of village Bassai Darapur Delhi State Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 10-12-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-80.—Whereas I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 14, situated at Bhamra Shah Market, Mandellian Road Kamla Nagar, Delhi-7
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 16-9-1980,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri P. T. Sipahimalani IRS (Retd) S/o Dewan Tarachand R/o M. 63, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Arjun Mangalani HUF through its Karta Sh. Arjun Mangalani S/o Sh. Gurbakash Rai R/o. C-1, Oberoi Aptt. Delhi-110.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Shop No. 14, Bhamra Shah Market, Mandellian Road Kamla Nagar, Delhi-7 measuring 227 sq. ft. More specifically described in the instrument of transfer registered on 16-9-1980

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/4-80/6425.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Z-12 situated at Model Town, Delhi-7. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Asa Ram Gulani s/o L. Kesho Ram through his son and General Attorney Sh. S. K. Gulani s/o Sh. Asa Ram Gulani R/o Z-12, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pritpal Singh S/o Sh. Darshan Singh R/o A-3/100, Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. Z-12, situated at Model Town, Delhi. measuring 251.1 sq. yds.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
34—406/80

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. P. K. Kapoor S/o Sh. Dharam Narain Kapoor,
R/o F-37, East of Kailash, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Jasbir Kaur w/o S. Manmohan Singh R/o
I-26, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6406/4-80.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J/26, situated at Kirti Nagar, area of vill. Bassai Darapur Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on Plot No. J/26, sq. 150 sq. yds., situated at Kirti Nagar, area of vill. Bassai Darapur Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-12-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/6453.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E/36, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. K. Midha & Sh. Rajesh Kumar S/o Sh. Chuni Lal Midha R/o 7, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur W/o Sh. Prahlad Singh Bedi R/o A-111, Vishal Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. E/36, measuring 215 sq. yds. at Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 8-12-1980

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Sh. Sham Sunder Gusain S/o Ram Chand Gusain
R/o A-3, Rana Pratap Bagh, Delhi
(Transferor)

(2) Sh. Rajender Kumar Khera S/o Sh. Kundan Lal
Khera S/o Sh. Kundan Lal Khera R/o A-4/3, Rana
Pratap Bagh, Delhi.
(Transferee)

(3) 1. Vijay Pocket Book Depot and 2. A. S. Datta,
A-3, Rana Pratap Bagh, Delhi.
(Persons(s) occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6396.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-3 situated at Rana Pratap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. A-3, Rana Pratap Bagh, Delhi measuring 233 1/3 sq. yds.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-12-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Ami Kaur W/o Sh. Bansi Dhar R/o Gokal Gate, Kath Mandi, Rewari, Distt. Mahender Garh, Haryana.

(Transferor)

(2) Smt. Bohini Devi W/o Sh. Udhoo Dass of 2531, Onkar Nagar A, Tri Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR.I/4-80/6410.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B. 10, situated at Satyawati Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

THE SCHEDULE

House No. B. 10, measuring 150 sq. yds. situated at Satyawati Nagar, Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-12-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
AHMEDABAD-380009

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/6405.—Whereas, I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
17/3, situated at Shakti Nagar, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on 3-4-1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (1) Shri Gurmukh Singh S/o Sh. Fuesial Singh, Manjit Singh & Amarjit Singh R/o S. Gurdial Singh R/o B-6/58, Safdar Jang Enclave New Delhi. Mohan Singh S/o S. Gurdial Singh of 17/3, Shakti Nagar, Harbinder Singh s/o Gurdial Singh R/o 53, Gartswood Drive Mytchett, Camberley Surrey U.K. through attorney S. Mohan Singh.
(Transferor)
- (2) Sh. Lulu Ram S/o L. Ram Chander, Smt. Nirmal Gupta w/o L. Mithan Lall and Smt. Chanda Devi W/o L. Mahabir Pershad R/o 425 Naya Bans Delhi.
(Transferee)
- (3) Sh. Suresh Rama Rao S/o Shri K. G. Rana Rao R/o 17/3, F. F. consisting 3 rooms, kitchen latrine in Shakti Nagar, Delhi.
(Persons(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 17/3, Shakti Nagar, Delhi area 241.11 sq.
yds.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/70.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/4th share of land mg. 25 bigha situated at 2 biswas in village Gadaipur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Dharan Singh S/o Diwan Singh Kotla Mubarakpur New Delhi, (Transferor)
- (2) Claridges Hotel P. Ltd. 12-Aurangzeb Road, New Delhi through Santosh Kumar its Director. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of agricultural land area 25 bigha 2 biswas (Equal to 6 bigha 5½ biswas) bearing Khasra No. 574 (5-18), 553 (4-16), 570 (4-16), 573 (4-16), 554 (4-16) with tube-well house village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 24-12-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Dharam Singh S/o Diwan Singh R/o Kotla Mubarakpur New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Claridges Hotel P. Ltd. 12 Aurangzeb Road New Delhi through Santosh Kumar its Director.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/AcqI/SR-III/4-80/71.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of land 28 bighas situated at 9 biswas in village Gadaipur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share in agricultural land area 28 bigha 39 biswas equal to 7 bigha 2½ biswas Khasra Nos. 578/1(3-0), 578/2 (0-16), 549(4-16), 577/1(0-16), 577/2(2-0), 577/3(2-0), 576(1-13), 530(4-16), 551(4-16), 572(2-16) village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 24-12-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Sh. Dharam Singh S/o Diwan Singh R/o Kotla Mubarakpur New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. Claridges Hotel P. Ltd. 12, Aurangzeb Road, New Delhi through Director Sh. Santosh Kumar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I.
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/4-80/72.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of 27 bigha 18 biswas in village situated at Gadaipur New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share of agrl. land area 27 bigha 18 biswas (equal to 6 bigha 19½ ziswas) bearing Khasra Nos. 548(4-16), 547(4-16), 546(4-16), 580(4-16), 579/1(2-8), 579/2(1-4), 579/3(1-4) and 575(3-8) village Gadaipur New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-12-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
35—406GL/80

FORM ITNS

(1) Sh. Bhagat Singh S/o Diwan Singh R/o Kotla
Bubarakpur New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX
TAX, 1961 (43 OF 1961)

(2) Claridges Hotel (P) Ltd. 12 Aurangzeb Road New
Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. FSTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-80/73.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of 25 bigha 2 biswas (Equal to 6 bigha 5½ biswas) situated at Village Gadaipur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/4th share of agrl. land area 25 bigha 2 biswas (equal to 6 bighas 5½ biswas) bearing Khasra Nos. 574(5-18), 553(4-16), 570(4-16), 573(4-16), 554(4-16) with tubewell house village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I,
 H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
 NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/4-80/74.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th of 27 bighas 18 biswas (equal to 6 bigha 19½ biswas) situated at village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Bharat Singh S/o Diwan Singh R/o Kotla Mubarakpur New Delhi.

(Transferor)

(2) Claridges Hotels (P) Ltd. 12 Aurangzeb Road, New Delhi through Santosh Kumar Director.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agrl. land area 27 bigha 18 biswas (equal to 6 bigha 19½ biswas) bearing Khasra Nos. 548(4-16), 547 (4-16), 546(4-16), 580(4-16), 579/1(2-8), 579/2(1-4), 579/(1-4), 575(3-18) village Gadaipur, Tehsil Mehrauli Road, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-12-1980
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Bharat Singh S/o Diwan Singh R/o Kotla Mubarakpur New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK VIKAS BHAWAN J.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-80/75.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4th share of 28 bighas 8 biswas equal to 7 bigha 2 $\frac{1}{2}$ biswas situated at Village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Claridges Hotel (P) Ltd., 12 Aurangzeb Road, New Delhi, through Santosh Kumar its Director.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in agrl. land area 28 bighas 9 $\frac{1}{2}$ biswas bearing Khasra (equal to 7 bigha 2 $\frac{1}{2}$ biswas) bearing Khasra Nos. 578/1(3-0), 578/2(1-16), 577/1(0-16), 577/2(2-0), 577/3 (2-0), 576(1-13), 549(4-16), 550(4-16), 551(4-16), 572(2-16) Village Gadaipur, Teh. Mehrauli.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-12-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Vipat Singh, S/o Diwan Singh,
R/o Kotla Mubarakpur, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Claridges Hotel (P) Ltd., 12 Aurangzeb Road, New Delhi, through Santosh Kumar its Director.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/4-80/76.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

$\frac{1}{4}$ th share of 28 bigha 9 biswas equal to 7 bigha 2 $\frac{1}{2}$ biswas) situated at Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

$\frac{1}{4}$ th share in agr. land area 28 bighas 9 biswas (equal to 7 bigha 2 $\frac{1}{2}$ biswas) bearing khasra Nos. 578/1(3-10), 578/2(1-16), 577/1(0-16), 577/2(2-0), 577/3(2-0), 576/1(1-13), 549(4-16), 550(4-16), 551(4-16), 572(2-16) village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 24-12-1980
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DFLHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-80/77.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. $\frac{1}{4}$ th share of 25 bigha 2 biswas (equal to 6 bighas 5 $\frac{1}{2}$ biswas) situated at village Gadaipur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Vipat Singh, S/o Diwan Singh,
R/o Kotla Mubarakpur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Claridges Hotel (P) Ltd., 12 Aurangzeb Road, New Delhi, through Santosh Kumar its Director.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{4}$ th share in agrl. land area 25 bighas 2 biswas (equal to 6 bighas 5 $\frac{1}{2}$ biswas) bearing khasra Nos. 574(5-18), 553(4-16), 570(4-16), 573(4-16), 554(4-16), with tubewell and house village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 24-12-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. Vipat Singh S/o Diwan Singh R/o Kotla Mubarakpur New Delhi.
(Transferor)
- (2) Claridges Hotel (P) Ltd., 12-Aurangzeb Road, New Delhi through Santosh Kumar its director.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/4-80/78.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1th share of 27 bighas 18 biswas (equal to 6 bighas 19½ biswas) khasra Nos. 548(4-16), 547 situated at village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

1th share in agrl. land area 27 bighas 18 biswas (equal to 6 bighas 19½ biswas) bearing Khasra Nos. 548(4-16), 547(4-16), 546(4-16), 580(4-16), 579/1(2-8), 579/2(1-4), 579/3(1-4), 575(3-18), village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
H-Block Vikas Bhawan I.P. Estate,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-12-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Devi Dass Aggarwal W/o Shri Bankey Lal
Aggarwal,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. S. Kanwarjit Singh S/o S. Sher Singh Sher C/o Pal & Associates G-48, Green Park New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/310.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R-1, situated at Hauz Khas Enclave New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing plot No. 1 in Block No. R measuring 515.77 sq. yds. situated in the residential colony known as Hauz Khas Enclave New Delhi bounded as under :

East	Road
West	Road
North	Road
South	House on Plot No. R-3,

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
H-Block Vikas Bhawan I.P. Estate,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-12-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Moti Lal Jain W/o L. Banwari Lal Jain B-1/
23A, Hauz Khas Enclave New Delhi-16.
(Transferor)

(2) M/s Daljit Properties P. Ltd., Flat No. L, Sagar
Apartments 6, Tilak Marg New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/4-80/446.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. K-101, situated at Hauz Khas Enclave New Delhi
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at New Delhi on 2-6-80
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A single storeyed residential house built on a free hold residential plot of land bearing No. 101 block K measuring 500 sq. yds. i.e. 418.06 sq. mts. situated in the residential colony known as Hauz Khas Enclave New Delhi bounded as under :—

East	Road
West	House No. K-100
North	H. No. K-86 and K-87.
South	Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-12-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
36—406GI/80

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/4-80/99.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of 25 bigha 2 biswas situated at village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Sultan Singh S/o Shri Attar Singh, R/o Kotla Mubarakpur New Delhi through Attar Singh S/o Shri Diwan Singh. (Transferor)
- (2) Caridges Hotel (P) Ltd., 12-Aurangzeb Road New Delhi through Director Santosh Kumar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in agrl. land area 25 bigha 2 biswas, khasra No. 574(5-18), 553(4-16), 570(4-16), 573(4-16), 554(4-16) with tubewell, house village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-12-80
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
 H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
 NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/4-80/100.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/4th share of 23 bighas 8 biswas situated at Village Gadaipur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sh. Sultan Singh S/o Attar Singh R/o Kotla Mubarakpur New Delhi through G.A. Attar Singh S/o Diwan Singh.

(Transferee)

(2) Clardiges Hotel (P) Ltd., 12 Aurangzeb Road New Delhi through Santosh Kumar its Director.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agrl. land area 28 bighas 9 biswas (bearing khasra Nos. 578/1(3-0), 578/2(1-66), 577/1(0-16), 577/2 (2-0), 577/3(2-0) 576(1-13), 549(4-16), 550(4-16) 551(4-16), 572(2-16) village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-12-80
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Sultan Singh S/o Attar Singh R/o Kotla Mubarakpur New Delhi through G. A. Sh. Attar Singh S/o Diwan Singh.
(Transferor)
- (2) Claridges Hotel P. Ltd. 12 Aurangzeb Road, New Delhi through Director Sh. Santosh Kumar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.1/SRIII/4-80/101.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/4th share of 27 bigha 18 biswas situated at in village Gadaipur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share in agrl. land area 27 bighas 18 biswas bearing Khasra Nos. 548(4-16), 547(4-16), 546(4-16), 580(4-16) 579/1(2-8), 579/2 (1-4) 579/2 (1-4), 575(3-18) village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-12-80
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
B-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-80/102.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land 4 bigha 16 biswas situated at Village Gadaipur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Attar Singh S/o Diwan Singh R/o Kotla Mubarakpur New Delhi.

(Transferor)

(2) Claridges Hotel (P) Ltd. 12-Aurangzeb Road New Delhi through director Sh. Santosh Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bigha 16 biswas Khasra No. 571 in village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-12-80

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP No. 2383.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (63 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gobind Market, G.T. Road, Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phillaur, on April, 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kalvin Singh, s/o
Sh. Surjeet Singh,
r/o V. Shanker, Teh. Nakodar,
Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Bhupinder Singh, s/o
Sh. Mohan Singh, care of
Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh,
New Modern Tailors & Drapers,
Bala Pind Road, Goraya,
through his father, Sh. Mohan Singh.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 237 dated April, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-12-1980
Seal :